राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 319 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरुवार ,27 मई 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

कोरोना के कारण जेईई (एडवांस्ड) 2021 स्थगित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोविड-19 महामारी की वर्तमान स्थिति को देखते हुए आईआईटी में इंजीनियरिंग संकाय में प्रवेश के लिए प्रस्तावित संयुक्त प्रवेश परीक्षा जेईई (एडवांस्ड) 2021 स्थगित कर दी गई है। जेईई (एडवांस्ड) की आधिकारिक वेबसाइट पर यह जानकारी दी गई है। नोटिस में कहा गया है, कि कोविड-19 के कारण महामारी की वर्तमान स्थिति को देखते हुए जेईई (एडवांस्ड) 2021 को स्थगित किया जाता है। यह परीक्षा 3 जुलाई 2021 को निर्धारित थी। इसमें कहा गया है कि प्रवेश परीक्षा की संशोधित तिथि की घोषणा उपयुक्त समय पर की जाएगी।

पीएफआरडीए के एयूएम का बना रिकार्ड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पेंशन निधि नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने बुधवार को नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत 6 लाख करोड़ के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के मील के पत्थर को पार करने का ऐलान किया है। यह उपलब्धि उसे 13 साल बाद हासिल हुई है। एयूएम में एक लाख करोड़ की बढ़ोतरी सिर्फ सात माह में हासिल की है। एनपीएस योजना में 74.10 लाख शासकीय कर्मियों और एनजीओ क्षेत्र से 28.37 लाख व्यक्ति शामिल हुए है।

जायसवाल ने सीबीआई चीफ का पदभार संभाला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की प्रमुख जांच एजेंसी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नया निदेशक मिल गया। आईपीएस अधिकारी सुबोध कुमार जायसवाल ने बुधवार को नए निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला। प्रमुख जांच एजेंसी के शीर्ष पद के लिए उनके नाम को मंजूरी मिलने के एक दिन बाद उन्होंने कार्यभार संभाला। मंगलवार को एक आदेश में कहा, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने समिति द्वारा अनुशंसित पैनल के आधार पर, सुबोध कुमार जायसवाल, आईपीएस, (महाराष्ट्र 1985) की निदेशक के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

गाजियाबाद में एक करोड़ का डाका

गाजियाबाद, (एजेंसी)। स्थानीय ट्रॉनिका सिटी थानाक्षेत्र की अंसल कॉलोनी में निवासी प्रॉपर्टी डीलर छोटे खां के घर में बुधवार शाम को डकैती की खबर से पूरे इलाके में खलबली मच गई है। हथियारबंद छह बदमाशों ने छोटे खां के घर पर धावा बोल दिया और परिजनों को गन प्वाइंट पर बंधक बनाकर छोटे खां, उनके भाई और किराएदार के घर में रखे 90 लाख रुपए कैश और 10 लाख से अधिक के जेवर लूटकर ले गए। बताया जा रहा है कि छोटे खां के किराएदार को मकान खरीदना था। इसी के लिए उसने पैसे रखे हुए थे।

डोमेनिका में पकड़ा गया मेहुल चोकसी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएनबी को हजारों करोड़ का चूना लगाने वाले हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को डोमेनिका में गिरफ्तार किया गया है। यहां की मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि जब मेहुल चोकसी क्यूबा फरार होने की कोशिश कर रहा था तो सीआईडी ने उसे पकड़ लिया। इससे पहले चोकसी के वकील ने कहा था कि वो एंटीगुआ से लापता हो गया है। इससे पहले अचानक बताया गया कि मेहुल चोकसी एंटीगुआ से लापता हो गया है। चोकसी एंटीगुआ की नागरिकता लेने के बाद यहां पिछले कई सालों से रह रहा है।

यास ने किया बंगाल का सत्यानाश, चक्रवात से एक करोड़ से ज्यादा लोग हुए प्रभावित

कोलकाता । फिक्र की शुरुआत भीषण चक्रवाती तूफान यास से जिसकी वजह से ओडिशा से बंगाल तक कहर बरपा. लेकिन इस तूफान में देवदूत बनकर मौके पर मौजूद रहे बचाव दल ने हजारों लोगों की जिंदगी बचा ली. 'यास' तूफान ने आज भारत के पूर्वी तटों पर दस्तक दी. इस तूफान की वजह से बंगाल में 3 लाख घर उजड़ गए. 1 करोड़ लोग प्रभावित हुए. तूफान का ऐसा ही असर ओडिशा में दिखा.

भीषण चक्रवाती तूफान यास की वजह से ओडिशा और बंगाल में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई. ओडिशा और बंगाल से आई इन अलग-अलग तस्वीरों से तूफान से हुई तबाही का अंदाजा लगाया जा सकता है. तेज हवा और बारिश से सड़कों पर कई फीट पानी भर गया. जिसकी चपेट में गाड़ियां आ गई. लोगों की मदद के लिए जा रही जेसीबी मशीन भी तूफान के चपेट में आकर फंस गई. लेकिन इस बीच तूफान से टक्कर लेने में पूरी मशीनरी लगी रही. सेना, सरकार, सिस्टम से जुड़े लोग अलर्ट मोड में रहे.

एनडीआरएफ , एसडीआरएफ , स्टेट पुलिस यास से युद्ध लड़ती रही. जिनका एक ही मिशन था. लोगों की जिंदगी बचाना. और वो इस मिशन में सफल भी रहे. लेकिन इस बीच पश्चिम बंगाल की सरकार तूफान पर भी राजनीति करती दिखी. लिहाजा फिक्र में आज हम आपको यास के कहर से लेकर सियासत तक की हर तस्वीर दिखाएंगे. तांडव..तबाही..टकराव और तूफ़ान के साइड इफ़ेक्ट भी दिखाएंगे. विनाश की आंखों देखी तस्वीर दिखाएंगे जो आपने अबतक नहीं देखी होगी. 150 किलोमीटर की रफ्तार से चली तूफानी हवाओं ने समंदर की सतह को छुआ तो उफनती लहरें बेकाबू होकर इंसानी बस्तियों में घुसपैठ कर गई. ओडिशा से बंगाल तक करोंड़ो लोगों के दिलों में खौफ भर दिया. तूफानी हवाओं और कुछ ही घंटे की भीषण बारिश के कारण सड़कों पर कई फीट पानी भर गया. जिसकी चपेट में सड़कों पर खड़ी कई गाड़ियां भी आ गई. जो कागज के नाव की तरह बह गई. यहां तक कि लोगों की मदद के लिए लगाई गई जेसीबी मशीन भी यास के आगे बेबस नज़र आई. इन तूफानी हवाओं के एक झटके से सब नेस्तनाबूद हो गई.

यास ने दिखाया रौद्र रूप, सब उखाड़ फेंका- गाड़ी, घर, मकान, दुकान और भीमकाय पेड़ों को जड़ समेत उखाड़ फेंकने वाले महातूफान यास का ये रौद्र रूप था. ये चक्रवाती तूफान की महातबाही की शुरुआती झलक भर थी. बर्बादी का ये बवंडर इससे भी ज्यादा विनाशक था. यास का खतरा कितना बड़ा था वो इस चक्रवाती तूफान की रफ्तार से

समझा जा सकता है. तूफान का ये कहर तीन घंटे तक बरपा. 3 घंटे के लैंडफॉल के दौरान यास तूफान ओडिशा के भद्रक और बालासोर में अपने चरम पर था. और इन्हीं जगहों पर सबसे ज्यादा तबाही की आशंका भी जताई गई थी. जो तस्वीरें कैमरे में कैद हुई. उससे यास तूफान की ताकत का अंदाज़ा लगाया जा सकता है. यास तूफान ओडिशा के चार तटीय जिले बालासोर, भद्रक, केंद्रपाड़ा और जगतसिंहपुर में 120-165 प्रतिघंटे की रफ्तार से टकराया. पारादीप और सागर आइलैंड से टकराने के बाद यास तूफान की रफ्तार बेतहासा बढ़ी. जिससे समंदर में 5 मीटर ऊंची हाहाकारी लहरें उठी.

ओडिशा का बालासोर था यास का एपिसेंटर- वैसे यास तूफान का एपिसेंटर ओडिशा का बालासोर था जहां लैंडफॉल के दौरान हवा की रफ्तार करीब 180 किलोमीटर प्रतिघंटे थी. जिसकी तस्दीक वहां से आई ये तस्वीरें भी कर रही हैं. टीवी9 भारतवर्ष के रिपोर्टर भी इस हाहाकारी तूफान के बीच पल पल को कैमरे में कैद करते रहे.

ओडिशा में यास तूफान से इस तबाही की आशंका पहले से थी. लिहाजा एयरफोर्स और नेवी भी अपने कई हेलिकॉप्टर और बोट के साथ राहत कार्य के लिए तैयार थी. तूफान को लेकर ओडिशा के 6 जिले हाई रिस्क जोन बने थे. इनमें बालासोर, भद्रक, केंद्रपारा, जगतसिंघपुर, मयूरभंज और केओनझार शामिल थे. लेकिन यास तूफान के ओडिशा के तट से टकराते ही विनाश ने दस्तक दी. और ये जैसे जैसे आगे बढ़ा तबाही और बर्बादी के निशान छोड़ गया.

अब कमजोर पड़ा तूफान यास

अब यास तूफान की रफ्तार कमजोर पड़ गई है. लेकिन इससे पहले ही ओडिशा और बंगाल में महातबाही मच गई. लेकिन आज दोपहर के वक्त जब यास बंगाल के जलपाईगुड़ी में पहुंचा. इसी दौरान 3.8 तीव्रता का भूकंप भी रिकॉर्ड किया गया. मतलब ये की यास से बरपी तबाही के बाद भी कुदरत का क्रोध शांत नहीं हुआ. महातूफान आने के साथ जलजला भी आया. महामारी के महासंकट काल में एक साथ दो दो कुदरती आपदा टूट पड़ीं. लेकिन इस जंग में भी जीत मिली.

ओडिशा ही नहीं बंगाल के कई हिस्सों में भी यास ने हाहाकार मचा कर रख दिया. लेकिन तबाही की आंखों देखी किसी खौफनाक सपने से कम नहीं थी. हालांकि इस महातूफान में लोगों की जिंदगी बची क्योंकि सेना, सरकार, सिस्टम सभी अलर्ट मोड में थे. वैसे ओडिशा के चांदीपुर और बालासोर तो बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में तूफान सबसे ज्यादा प्रभावी रहा. बंगाल के दीघा और मंदार्मानी में होटलों और दुकानों में समुद्र का पानी भर गया. रिहायशी इलाकों में पानी घुस गया था.

यास के कारण नदियों में जलस्तर बढ़ने से पश्चिम बंगाल के तटीय जिले पूर्वी मेदिनीपुर और दक्षिण 24 परगना के कई इलाकों में पानी भर गया. साथ ही कई छोटे-छोटे गांव और कस्बे जलमग्न हो गए. पश्चिम बंगाल के कोलकाता, हावड़ा और हुगली में भी तूफान का असर दिखा. तूफान की वजह से हल्दिया पोर्ट पर भी उफनती लहरों का प्रहार दिखाई दिया. लेकिन तूफान की इस तबाही में फंसे हुए लोगों के लिए आर्मी, नेवी, एनडीआरएफ ,एसडीआरएफ के जवान देवदूत बनकर आए.

एनडीआरएफ की 109 टीमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, झारखंड, बिहार और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में एक्शन मोड में दिखी. तूफान के दौरान कोलकाता बंदरगाह पर जहाजों की आवाजाही रुकी रही. एहतियातन पश्चिम बंगाल के दीघा में बाजार बंद कर दिए गए थे.

हालांकि फिलहाल ये महातूफान कमज़ोर पड़ गया है. लेकिन राहत और बचाव का काम अभी भी जारी है. क्योंकि तीन घंटों के भीतर ही इस महा तूफान से ओडिशा और बंगाल के करीब तीन करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं.

बंगाल में कितना नुकसान- वहीं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य में चक्रवात से एक करोड़ लोग प्रभावित हुए है। उन्होंने बताया कि चक्रवात के कारण तीन लाख मकान ढह गए हैं। उन्होंने कहा कि चक्रवात के कारण राज्य सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। अब तक 3 लाख मकान और 134 तटबंध गिर चुके हैं। बनर्जी ने बताया कि एक व्यक्ति की दुर्घटनावश मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रभावित इलाकों में 10 करोड़ रुपये की राहत सामग्री भेजी गई है। एक अधिकारी ने बताया कि ओडिशा के बालासोर जिले के बॉर्डर से लगे पूर्वी मिदनापुर के दीघा में बाढ़ आ गई है।

कोविड-19 में जिन लोगों ने अपनों को खोया मैं भी उनके दुख में शामिल- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

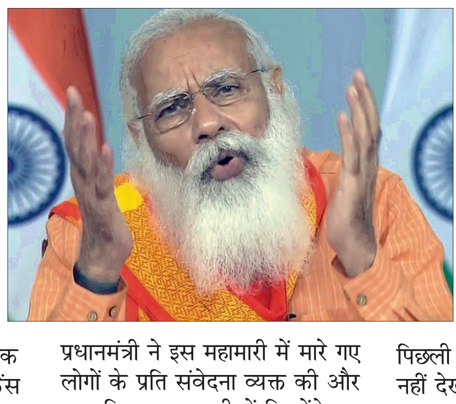

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि कोरोना महामारी दशकों में मानवता के सामने आया ऐसा सबसे बुरा संकट है जिसने पूरी दुनिया को बदल कर रख दिया है. उन्होंने कहा कि महामारी ने हर देश को प्रभावित किया है और कोरोना के बाद हमारी दुनिया पहले जैसी नहीं रहेगी.

पीड़ितों के दुख में शामिल

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर वेसाक वैश्विक समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने इस महामारी में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि इस महामारी में जिन्होंने अपने प्रियजन को खोया और जो इससे पीड़ित रहे, वह उनके दुख में शामिल हैं.

पीएम मोदी ने कहा कि भारत इस चुनौती का मजबूती से मुकाबला कर रहा है और इसमें टीके की भूमिका अहम है. उन्होंने कहा, 'कोविड-19 दशकों में मानवता के सामने आया सबसे बुरा संकट है, हमने पिछली एक सदी में ऐसी महामारी नहीं देखी, कोरोना ने दुनिया को बदलकर रख दिया है.'

भारत के खिलाफ कोर्ट पहुंचा व्हाट्सएप

कहा-नए आईटी नियमों से खत्म होगी प्राइवेसी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत सरकार के खिलाफ व्हाट्सएप ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। व्हाट्सएप ने सरकार के खिलाफ शिकायत की है, जिसमें उसने आज से लागू होने वाले नए आईटी नियमों को रोकने की मांग की है।

व्हाट्सएप का कहना है कि नए नियमों से यूजर्स की प्राइवेसी प्रभावित होगी। नए नियमों के तहत सरकार ने व्हाट्सएप को प्राइवेसी रूल्स से पीछे हटने को कहा है। दरअसल, केंद्र सरकार ने 25 फरवरी 2021 को भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय की तरफ से डिजिटल कंटेंट को रेग्यूलेट करने के लिए तीन महीने के भीतर कंप्लायंस अधिकारी, नोडल अधिकारी आदि को नियुक्त करने के निर्देश दिए थे। इन सभी का कार्यक्षेत्र भारत में होना जरूरी है। सरकार द्वारा दिए गए आदेश के तहत कंपनियों को कंप्लायंस अधिकारी को नियुक्त करना होगा और उनका नाम और कॉन्टैक्ट एड्रेस भारत का होना अनिवार्य है।

जिम्मेदारी से बचने की कोशिश में व्हाट्सएप

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि भारत सरकार निजता के अधिकार का सम्मान करती है। मंत्रालय ने कहा कि व्हाट्सएप से किसी संदेश का उदगम (ओरिजिन) बताने के लिए कहा जाता है तो इसका अर्थ निजता के अधिकार का उल्लंघन करना नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी जरूरतें केवल उन मामलों में पड़ती है जब किसी विशेष संदेश के प्रसार पर रोक लगानी होती है, जांच करनी होती है या स्पष्ट यौन सामग्री जैसे गंभीर अपराधों में सजा देनी होती है। आईटी मंत्रालय ने यह भी कहा कि एक ओर व्हाट्सएप अपनी एक अलग निजता नीति को लागू करने की मांग कर रहा है। जहां वह अपने सभी उपयोगकर्ताओं का डाटा अपनी पैरेंट कंपनी फेसबुक के साथ साझा करेगा। वहीं केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा, नए नियम से व्हाट्सअप के संचालन और यूजर्स की प्राइवेसी पर असर नहीं पड़ेगा।

नए विवाद में फंसे यूपी के मंत्री सतीश द्विवेदी

20 लाख में खरीदी जमीन

लखनऊ, (एजेंसी)। उप्र सरकार में बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी भाई की नौकरी के बाद अब एक नए विवाद में फंसते नजर आ रहे हैं। आरोप हैं कि उन्होंने सवा करोड़ की जमीन महज 20 लाख रुपए में खरीद ली। दरअसल, सपा नेता और विधान परिषद के सदस्य सुनील कुमार यादव ने ट्विटर पर चार रजिस्ट्री की तस्वीर शेयर की हैं। उनका दावा है कि ये जमीन की रजिस्ट्री सतीश द्विवेदी और उनकी मां के नाम पर है। उनका आरोप है कि जमीन मार्केट रेट से कम दाम पर खरीदी गई है। सुनील कुमार यादव का आरोप है कि एक जमीन की कीमत 65.45 लाख रुपए थी, जिसे 12 लाख में खरीदा गया है। वहीं, एक जमीन की मार्केट वैल्यू 1.26 करोड़ रुपए थी जिसे महज 20 लाख रुपए में खरीद लिया गया।

इससे पूर्व उप्र के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री सतीश चंद्र द्विवेदी के गृह जिले सिद्धार्थनगर के कपिलवस्तु स्थित सिद्धार्थ विवि में उनके भाई की नियुक्ति मामले में बुधवार को उस वक्त नया मोड़ आ गया जब उनके भाई ने असिस्टेंट प्रोफेसर पद से इस्तीफा दे दिया।

11 माह की वेदिका को दी जाएगी दुनिया की सबसे महंगी दवा

दवा की कीमत 16 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पुणे की 11 माह की बच्ची वेदिका शिंदे के उपचार के लिए जिस तरह से मदद के हाथ बढ़े, उसने फिर इस विश्वास को ताकत दी है। फंडरेजिग प्लेटफॉर्म मिलाप की पहल पर दुनियाभर से 1.34 लाख लोगों ने बच्ची के इलाज के लिए 14.3 करोड़ रुपए की राशि दान की है। वेदिका एसएमए टाइप-1 से पीड़ित है, जो एक दुर्लभ अनुवान्शिक बीमारी है। इस बीमारी के कारण दो साल की उम्र से पहले ही बच्चे की जान जाने का खतरा रहता है। डॉक्टरों ने बताया कि जीन रिप्लेसमेंट थेरेपी जोलगेंस्मा से इस बीमारी का इलाज संभव है, जिसकी लागत 16 करोड़ रुपए पड़ती है। वेदिका का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने अमेरिकी फार्मा कंपनी से दुनिया की इस सबसे महंगी दवा के आयात के लिए बात कर ली है। जरूरत के मुताबिक दवा तैयार करने के लिए वेदिका की जांच चल रही है। उम्मीद है कि दो जुलाई को दवा भारत आ जाएगी और सात से 10 जुलाई के बीच वेदिका को इलाज मिल जाएगा।

बाबा रामदेव पर चले देशद्रोह का केस

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) और बाबा रामदेव के बीच ये तल्खी लगातार बढ़ती जा रही है। जो विवाद एक वाट्स ऐप मैसेज के पढ़ने से शुरू हुआ था, वो अब देशद्रोह तक आ पहुंचा है।

आईएमए की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे गए पत्र में मांग की गई है कि बाबा रामदेव के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाए। आरोप लगाए गए हैं कि रामदेव की तरफ से कोरोना टीका को लेकर भ्रामक और गलत बयान दिए गए हैं।तमाम डॉक्टर इस समय बाबा रामदेव से ना सिर्फ नाराज हैं, बल्कि उनके बयान को मनोबल गिराने वाला बता रहे हैं। कुछ दिन पहले तक ऐलोपैथी का मजाक बनाने वाले योग गुरू रामदेव की तरफ से अभ्यास सत्र के दौरान कोरोना वैक्सीन को लेकर भी विवादित बयान दे दिया गया। वायरल वीडियो में उनकी तरफ से कहा गया था- तीसरा बोला मुझे डॉक्टर बनना है... टर... टर... टर... टर... टर...टर बनना है। डॉक्टर...एक हजार डॉक्टर तो अभी कोरोना की डबल वैक्सीन लगाने के बाद मर गए...कितने ...एक हजार डॉक्टर...कल का समाचार है...अपने आप को नहीं बचा पाए वो कैसी डॉक्टरी।

बाबा पर 1000 करोड़ का मानहानि का केस

आईएमए ने बाबा रामदेव को ऐलोपैथी तथा ऐलोपैथिक चिकित्सकों पर अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए उन्हें मानहानि का नोटिस देते हुए उनसे एक पखवाड़े के भीतर माफी मांगने अथवा 1000 करोड़ का मुआवजा देने के लिए तैयार रहने के लिए कहा है । आईएमए (उत्तराखंड) के सचिव अजय खन्ना की तरफ से दिए गए छह पृष्ठों के नोटिस में उनके वकील नीरज पांडेय ने रामदेव की टिप्पणी को ऐलोपैथी व एसोसिएशन से जुडे 2000 चिकित्सकों की प्रतिष्ठा और छवि के लिए नुकसानदायक बताया है।

कांग्रेस को दिख रही मजबूत 'राजनीतिक जमीन', प्रियंका आईं फ्रंट फुट पर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इसे चुनावी सरगर्मी कहें या कुछ और लेकिन कांग्रेस जिस तरीके से बीते कुछ दिनों में योगी मोदी सरकार पर हमलावर हो रही है उससे एक बात तो तय है कि इस बार होने वाले चुनाव में कांग्रेस का पलड़ा भारी होने वाला है। खास तौर पर राहुल गांधी से ज्यादा प्रियंका गांधी जिस तरीके से सोशल मीडिया से लेकर जमीन पर एक्टिव हैं उससे कांग्रेस के कार्यकताओं में ना सिर्फ उत्साह बढ़ा है बल्कि उनकी किसी भी मुहिम को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत भी हैं। शायद यही वजह है कि केंद्र में भाजपा-

गठबंधन सरकार के सात साल पूरे होने के बाद यह पहला मौका होगा जब कांग्रेस सबसे ज्यादा आक्रामक तरीके से केंद्र सरकार की नीतियों के पीछे पड़ गई है। प्रियंका गांधी ने अपने अभियान 'जिम्मेदार कौन' के माध्यम से ना सिर्फ केंद्र सरकार को घेरा है बल्कि राज्य सरकार को भी घेरा है। चुनावी विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले वक्त में जिस तरीके से मैदान में भी उतर कर माहौल बनाएगी। बीते कुछ समय से कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी लगातार केंद्र और राज्य सरकारों पर हमलावर हैं। खासतौर से प्रियंका गांधी कोरोना काल में मरीजों के सामने आने वाली परेशानियों को लेकर फ्रंट फुट पर लगातार बैटिंग कर रही हैं। प्रियंका ने न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि केंद्र सरकार से भी सवालों की झड़ी लगाकर मरीजों की होने वाली परेशानियां और देश में होने वाली लगातार मौतों पर घेरना शुरू कर दिया।

देश में पहली बार 84 साल के बुजुर्ग को दी गई एंटीबॉडी कॉकटेल दवा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस की दसूरी लहर के बीच भारत में एक नई दवा एंट्री हो गई है। हरियाणा के 84 साल के एक बुजुर्ग व्यक्ति को यह दे दी गई है। ये वही दवा है जो पिछले साल कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दी गई थी। उस समय यह दवा काफी चर्चा में भी रही थी। अब भारत में भी यह दवा पहुंच चुकी है।

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में पिछले पांच दिनों से कोरोना का इलाज करा रहे मोहब्बत सिंह को करीब 30 मिनट तक यह दवा दी गई। जो दवा दी गई है वो कासिरिविमैब और इम्देवीमैब

(कीपुं) का कॉकटेल है और इसे कोरोना के कुछ रोगियों के इलाज में सफल माना जाता है। यह दवा कोरोना रोगियों की स्थिति बिगड़ने से पहले हल्खे और मध्यम लक्षणों से सुरक्षा प्रदान करता है और इसके लेने के बाद संभवतः मरीज को अस्पताल में भर्ती होने की भी जरूरत नहीं होगी।

ये वही दवा है जो पिछले साल कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दी गई थी।

सोमवार को भारत पहुंची यह दवा : रोश इंडिया और सिप्ला लिमिडेट की ओर से आधिकारिक घोषणा के बाद इस दवा का पहला बैच सोमवार को भारत पहुंचा। इस दवा की खासियत यह है कि अगर इसे कोरोना के शुरूआती लक्षण वाले मरीजों में इंजेक्ट किया जाता है तो यह रोगी की कोशिकाओं में प्रवेश कर कोरोना वायरस के बढ़ने से रोकता है। यह वायरस के विकास को भी रोक देता है।

कोरोना के विकास को रोकती है यह दवा : मेदांता के निदेशक डॉ नरेश त्रेहान ने कहा कि यह दवा जब मरीज को दी जाती है तो उसके बाद यह शरीर में कोरोना वायरस के विकास को रोक देता है। कोरोना मरीजों में यह दवा एक तरह से यह ब्लॉकिंग मैकेनिजम की तरह काम करती है। डॉक्टर त्रेहान ने कहा कि दवा के बाद शरीर में बनी एंडीबॉडी कोरोना वायरस के नए स्वरूप बी.1.617.2 के खिलाफ भी प्रभावी हैं।

कोरोना दुनिया में:बीते दिन 5.22 लाख नए संक्रमित मिले, 12,069 की मौत; गरीब देशों को वैक्सीन की 10 करोड़ मुहैया कराएंगे यूरोपीय देश

वाशिंगटन। दुनियाभर में कोरोना महामारी की वजह से हड़कंप मचा हुआ है। एक दिन की राहत के बाद बीते दिन एक बार फिर कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी रिकॉर्ड की गई। दुनिया में बुधवार को 5 लाख 22 हजार 460 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इस दौरान 12,069 लोगों की महामारी की वजह से मौत भी हुई। उधर, यूरोपियन देशों ने गरीब देशों को कोरोना वैक्सीन दान करने का फैसला लिया है। यूरोपीय देशों के नेताओं ने कहा कि वे साल के अंत तक ऐसे देशों को वैक्सीन के 10 करोड़ डोज मुहैया कराएगा, जो वैक्सीन खरीदने में सक्षम नहीं हैं।

सबसे ज्यादा केस और मौतें भारत में

कोरोना के रोजाना मामले और मौतें अब भी

भारत में ही रिकॉर्ड की जा रही हैं। बीते दिन यहां 2.08 लाख लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई। यहां 4,172 लोगों की मौत भी हुई। बीते दिन दुनिया में हुई मौतों से तुलना करें, तो कोरोना की वजह से जान गंवाने वाला हर तीसरा शख्स भारतीय था।

ब्राजील में भी नहीं थम रहीं मौतें

भारत के बाद ब्राजील में सबसे ज्यादा मौतें रिकॉर्ड की जा रही हैं। यहां बीते दिन 2,198 लोगों की कोरोना की वजह से मौत हुई।

ब्राजील में अब तक 4.52 लाख लोग कोरोना की वजह से जान गंवा चुके हैं। यह आंकड़ा अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा है। अमेरिका में 6 लाख से ज्यादा लोगों की महामारी के दौरान मौत हुई है।

मॉडर्ना का दावा- हमारी वैक्सीन 12 से 17 साल के बच्चों पर भी 100फीसदी कारगर

मॉडर्ना ने अपनी वैक्सीन के बच्चों पर हुए दूसरे और तीसरे चरण के ट्रायल के नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि उसकी वैक्सीन बच्चों पर 100त्न प्रभावी और सुरक्षित पाई गई है। यह ट्रायल 12 से 17 साल के बच्चों पर किया गया था।

इस बीच मॉडर्ना से जुड़ी एक और अहम खबर यह भी है कि कंपनी अपनी सिंगल डोज कोविड वैक्सीन को अगले साल भारत में उतार सकती है। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी भारत में वैक्सीन की 5 करोड़ डोज उतारने के लिए सिप्ला समेत देश की कई और दवा कंपनियों से बातचीत कर रही है।

ब्रिटेन: कोरोना टीका लगवाने वाले दुनिया के पहले पुरुष शेक्सपियर का निधन

लंदन। विश्व में सबसे पहले कोरोना टीका लगवाने वाले पुरुष बने 81 वर्षीय बुजुर्ग विलियम शेक्सपियर का निधन हो गया। ब्रिटिश मीडिया ने मंगलवार को बताया कि शेक्सपियर की मौत एक अन्य बीमारी से हुई है। बिल के नाम से मशहूर शेक्सपियर की दोस्त और कोवेंट्री की पार्षद जेन इनस ने कहा कि उनका निधन बृहस्पतिवार 20 मई को हो गया था। लेकिन जेन ने साथ ही कहा कि बिल को सबसे अच्छी श्रृद्धांजलि टीका लगवाना है।

शेक्सपियर पिछले साल 8 दिसंबर को तब पूरे विश्व में छा गए थे, जब वह वारविकशायर-कोवेंट्री के यूनिवर्सिटी अस्पताल में फाइजर-बायोएनटेक का कोरोना टीका लगवाने वाले दुनिया के दूसरे व्यक्ति और पहले पुरुष बने थे। उनसे कुछ ही मिनट पहले उसी अस्पताल में 91 साल की मार्ग्रेट कीनन को टीका लगा था। कोवेंट्रीलाइव की रिपोर्ट के मुताबिक, लग्जरी कार निर्माता रॉल्स रॉयस के कर्मचारी रहे शेक्सपियर ने इसी यूनिवर्सिटी अस्पताल में बीमारी से कई दिन जूझने के बाद अपनी आखिरी सांस ली।

बेलारूस: पत्रकार की गिरफ्तारी के लिए विमान के यू-टर्न पर तनाव

बेलारूस। बेलारूस के एक पत्रकार को पकड़ने के लिए यूनान से लिथुआनिया जा रहे रयान एयर के यात्री विमान को लैंडिंग से ठीक पहले बेलारूस की राजधानी बुलाने को लेकर पश्चिमी देशों में तनाव है। बेलारूस के राष्ट्रपति के आदेश पर यह कार्रवाई होने का पता चलने पर यूरोपीय संघ (ईयू) ने बेलारूसी विमानों के अपने हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने पर रोक लगा दी है। यही नहीं बल्कि 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ ने अपनी एयरलाइंस को निर्देश दिया है कि वे बेलारूस के ऊपर से उड़ान नहीं भरें। इस घटना के बाद बेलारूस अलग-थलग पड़ गया है। बता दें कि रयान एयर का विमान लिथुआनिया की राजधानी विनियस में लैंडिंग के लिए पूरी तरह तैयार था। तभी इसमें सवार पत्रकार रोमन प्रोटसेविच को पकड़ने के लिए विमान ने यू-टर्न लिया और वह बेलारूस की राजधानी मिंस्क की तरफ चल दिया। मिंस्क एयरपोर्ट पर विमान में सवार पत्रकार को उनकी गर्लफ्रैंड के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। सोमवार को रोमन का एक वीडियो भी जारी किया गया जिसमें वह बेलारूस के प्रशासन की ओर से लगाए गए अपने अपराध को कबूल करते नजर आ रहे हैं। कार्रवाई की निंदा करते हुए पश्चिमी देशों ने इसे आतंकी घटना करार दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी बेलारूस की इस कार्रवाई की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि पत्रकार प्रोतसेविच की गिरफ्तारी और फिर जारी किया गया उनका वीडियो दोनों ही राजनीतिक विरोधियों और प्रेस की स्वतंत्रता पर शर्मनाक प्रहार है। बाइडन ने ईयू की ओर से बेलारूस पर प्रतिबंध लगाए जाने के कदम की सराहना की है और यह भी कहा है कि इसमें अमेरिका भी साथ है।

पाकिस्तान: कराची में पुलिस और नौसैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प

कराची। पाकिस्तान के कराची शहर में दोपहर पुलिस कर्मियों और नौसैनिकों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इसका पता तब चला जब सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप पर इसका एक वीडियो साझा किया गया। इस हिंसक झड़प की जांच सिंध प्रांत की पुलिस कर रही है।

सिंध पुलिस ने बताया कि कराची के मोचको पुलिस स्टेशन के अंतर्गत हुई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के हर पहलू की जांच की जा रही है। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो किसी आम नागरिक द्वारा बनाया गया बताया जाता है, जिसमें ये भी सुना जा सकता है कि एक पुलिसकर्मी घायल हुआ है और उसके सिर में चोट लगी है।

वीडियो में पुलिस स्टेशन का बोर्ड भी दिख रहा है। मोचको पुलिस सूत्रों ने बताया कि ये लोग हॉक बे बीच पर जाना चाहते थे, लेकिन सिंध में कोरोना के कारण पाबंदी लगी हुई है, इसलिए उन्हें रोक दिया गया। इसके बाद यह झड़प हुई।

यूनिसेफ ने दी बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर को लेकर अहम चेतावनी

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने चेतावनी दी है कि दक्षिण एशियाई देशों में बढ़ते कोरोना संक्रमण का असर यहां पर रहने वाले बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इस तरह के हालात यहां पर पहली बार दिखाई दे रहे हैं। यूनिसेफ ने ये भी कहा है कि इन देशों की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इस दौरान काफी बोझ बढ़ा है। यदि समय रहते इन देशों में मदद न की जाए तो ये चरमरा सकती है। संगठन के मुताबिक कोरोना काल में कई बच्चों के सिर से उनके माता-पिता का साया उठ गया है। बड़ी संख्या में बच्चे अनाथ हुए हैं। अस्पतालों के बाहर बच्चों के साथ पहुंचे परिजन इलाज की बाट ताक रहे हैं। मीडिया में आने वाली तस्वीरें विचलित करने वाली हैं। इसका सीधा उसर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। गौरतलब है कि दुनिया में बच्चों की कुल आबादी का चौथाई हिस्सा केवल इन्हीं देशों में है। दक्षिण एशियाई देशों की आबादी करीब 2 अरब है। वहीं दुनियाभर में सामने आने वाले कोरोना संक्रमण के आधे मामले केवल यहीं से आ रहे हैं। यूनिसेफ के दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय निदेशक जॉर्ज लारेया अडजेई ने काठमांडू में कहा कि इन देशों की स्वास्थ्य सेवाओं के मुकाबले सामने आने वाले मामले कहीं ज्यादा हैं। इस दौरान उन्होंने कोरोना मरीजों को हो रही ऑक्सीजन की किल्लत का भी मामला उठाया और इस पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मरीजों के परिजन अपनी जान जोखिम में डालकर इन सिलेंडर का इंतजाम कर रहे हैं और इन्हें खुद अस्पताल पहुंचा रहे हैं।

तनाव घटाने की कोशिश

पुतिन और बाइडेन 16 जून जिनेवा में पहली बार आमने-सामने बातचीत करेंगे

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद जो बाइडेन पहली बार रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। 16 जून को यह मुलाकात जिनेवा में होगी। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को इसकी पुष्टि कर दी। दोनों देशों के बीच, लंबे वक्त से कई मुद्दों पर तनाव चल रहा है। इसमें सबसे ज्यादा अहम अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रूस की खुफिया एजेंसियों की दखलंदाजी का है। अमेरिकी विदेश विभाग रूस पर सार्वजनिक तौर पर आरोप लगा चुका है।

सभी मुद्दों पर बातचीत होगी

बाइडेन और पुतिन की मीटिंग को लेकर कई हफ्तों से कयास लगाए जा रहे थे मंगलवार को व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी जेन साकी ने 16 जून की मुलाकात पर मुहर लगा दी। दोनों नेता स्विटजरलैंड के जिनेवा में बातचीत करेंगे। साकी ने कहा- मीटिंग के दौरान सभी मुद्दों पर बातचीत होगी। और वो मुद्दे कौन से हैं, इसकी जानकारी सभी को है। हम चाहते हैं कि रूस और अमेरिका

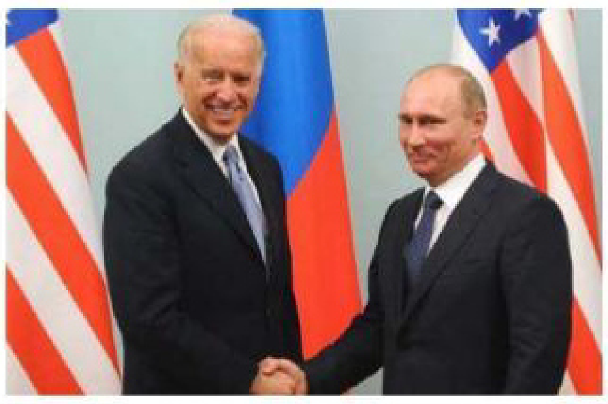

के रिश्तों में सुधार हो और ग्लोबल इश्यूज पर हम सहयोग करें।

आमने-सामने पहली मुलाकात

क्लाइमेट चेंज और जी-20 की मीटिंग में दोनों वर्चुअली शामिल हुए थे। लेकिन, ये पहली बार होगा कि दोनों देशों के राष्ट्रपति आमने-सामने बातचीत करेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने फरवरी में कहा था कि आंतरिक सुरक्षा के लिए रूस सबसे बड़ा खतरा है। इसके बाद चीन, ईरान और नॉर्थ कोरिया का नाम भी लिया गया था। डोनाल्ड ट्रम्प और इसके पहले ओबामा के दौर में रूस से रिश्ते सुधारने की कोशिश की गई थी, लेकिन इसमें ज्यादा कामयाबी नहीं मिली थी। कुछ मौकों पर बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी ने ट्रम्प पर आरोप लगाए थे कि वे चुनाव जीतने के लिए रूस की मदद ले रहे हैं।

पाकिस्तान में पत्रकार भी सुरक्षित नहीं

घर में घुसकर सेना के आलोचक जर्नलिस्ट के साथ मारपीट; मानवाधिकार संगठनों का आरोप- पत्रकारों की आवाज दबा रही इमरान सरकार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में आम लोगों के साथ-साथ अब पत्रकारों की सुरक्षा पर भी सवालिया निशान लगने लगे हैं। बुधवार को एक रिपोर्ट में बताया गया कि पाकिस्तानी जर्नलिस्ट असद अली तूर पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने इस्लामाबाद में असद के घर में घुसकर उनसे मारपीट की। उनके एक दोस्त ने बताया कि असद को गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। वे पाक सेना के आलोचक रहे हैं। इसलिए वे हमेशा से सेना के निशाने पर रहते हैं। इस बीच वहां के मानवाधिकार संगठनों ने इमरान सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान सरकार साइबर क्रइम नियमों का गलत तरीके से इस्तेमाल कर रही है। उनका मकसद सिर्फ पत्रकारों की आवाज को दबाना है।

पाकिस्तान की बदनाम करने के आरोप लग चुके

असद अपने यूट्यूब चैनल पर पाकिस्तान के आर्मी इस्टैब्लिशमेंट के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। पिछले साल यानी 2020 में उन पर साइबर क्राइम के तहत मामला भी दर्ज किया गया था। उन पर पाकिस्तान को बदनाम करने की साजिश रचने के आरोप भी लगे थे।

पिछले महीने भी एक पत्रकार पर हुआ था हमला

इससे पहले इस्लामाबाद में पिछले महीने 20 अप्रैल को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक वरिष्ठ पत्रकार

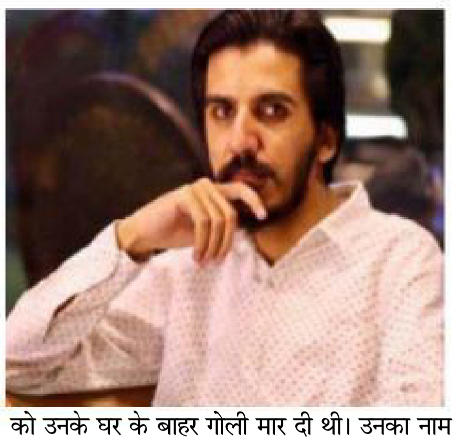

को उनके घर के बाहर गोली मार दी थी। उनका नाम अबसार आलम बताया गया था। उन पर हमला उस वक्त हुआ था, जब वह अपने घर के बाहर टहल रहे थे। आलम पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अथॉरिटी के चेयरमैन भी थे। उनके पसलियों में गोली लगी थी।

विपक्ष ने भी की निंदा

पत्रकारों पर हमलों को लेकर विपक्षी दल PML-N की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने भी इमरान सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि असंतोष की आवाज को दबाना एक तरह से कैंसर जैसा हमारे देश में फैल गया है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने भी इस घटना की आलोचना करते हुए आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की थी।

चीन पर शिकंजा कसने की तैयारी: डॉ. फाउसी बोले-

हम कोरोना के ओरिजिन के बारे में सबकुछ नहीं जानते; अमेरिका WHO की जांच को आगे ले जाएगा

वाशिंगटन कोरोनावायसरस की उत्पत्ति के बारे में चीन पर हमेशा से आरोप लगते रहे हैं। बीते दिन अमेरिकी मीडिया में चीन के वुहान लैब से ही वायरस के लीक होने के खुलासे के बाद अमेरिका जांच को और तेज करने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका के संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. एंथेनी फाउसी ने कहा कि हमें जांच जारी रखनी चाहिए। अब वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की जांच को एक फेज आगे ले जाना होगा। उन्होंने कहा, हम दृढ़ता से महसूस करते हैं कि हमें जांच जारी रखनी चाहिए। सच को सामने लाने के लिए जरूरी है कि WHO की जांच को एक लेवल ऊपर ले जाया जाए। हम वायरस की शुरुआत के बारे में 100फीसदी नहीं जानते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हम देखें और जांच करें।

WHO ने अब तक हमारी मदद नहीं की: व्हाइट हाउस

उधर, व्हाइट हाउस के सीनियर एडवाइजर फॉर कोविड रिस्पॉन्स एंडी स्लाविट ने कहा कि हमें चीन से पारदर्शी प्रक्रिया की उम्मीद है। हमें मामले की तह तक पहुंचने के लिए WHO की मदद की जरूरत होगी। फिलहाल अब तक हमें यह नहीं मिली है। हमें इसकी सच्चाई सबके सामने लाने की जरूरत है। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण प्राथमिकता है।

अमेरिकी मीडिया के खुलासे के बाद मामले ने फिर तूल पकड़ी

कोरोनावायरस की शुरुआत आखिर कहां से हुई? चीन पारदर्शी जांच से परहेज क्यों करता है? यह सवाल एक बार फिर उठ खड़ा हुआ है। शुरुआत अमेरिका के 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' अखबार की एक रिपोर्ट से हुई। इसमें कहा गया- वुहान लैब की तीन रिसर्चर नवंबर में 2019 में ही सर्दी-जुकाम या निमोनिया से परेशान थे। यही लक्षण कोरोना के भी होते हैं। इन्होंने अस्पताल से मदद मांगी थी। इसके बाद से एक बार फिर चीन अमेरिका के निशाने पर आ गया है।

अमेरिका ने सख्त रुख अपनाया

इस रिपोर्ट पर अमेरिकी सरकार ने भी सख्त रुख अपनाया। अमेरिका ने चीन से कहा है कि कोरोनावायरस कैसे फैला, कहां से शुरू हुआ? इसकी पारदर्शी तरीके से नई जांच होनी चाहिए। इतना ही नहीं अमेरिका ने चीन के दुश्मन ताइवान को ऑब्जर्वर बनाने की मांग भी कर दी। दबाव बढ़ा तो चीन ने रिपोर्ट को खारिज करते हुए इसमे

अमेरिका का नया झूठ करार दे दिया।

चीन भी सख्त

पश्चिमी देशों और खासकर अमेरिका की तरफ से कोविड-19 की जांच के बढ़ते दबाव के बाद चीन ने भी जवाब दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता चाओ लिजियान ने कहा- इसी साल WHO एक्सपर्ट्स ने वुहान लैब का दौरा किया था। उन्होंने पूरी जांच की थी। उन्हें इस तरह के कोई सबूत नहीं मिले थे। हम साफ कर देना चाहते हैं कि इस तरह की रिपोर्ट्स झूठी हैं। WHO ने भी कहा था कि लैब से वायरस लीक होने की संभावना भी गलत है। वुहान लैब का कोई रिसर्चर कभी बीमार नहीं हुआ।

निगरानी: भूकंप हो या बाढ़, धरती के हर बदलाव पर मिलकर नजर रखेंगे नासा-इसरो

वाशिंगटन। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) मिलकर भूकंप, सूखा, बाढ़ समेत धरती पर होने वाले हर बदलाव पर नजर रखेंगे। इस काम में सहायक होगी नासा की नई वेधशाला प्रणाली, जिसे विकसित किया जा रहा है। हालांकि, नासा के इस मिशन में इसरो की भी भागीदारी होगी। दरअसल, नासा पृथ्वी की निगरानी के लिए एक नई वेधशाला प्रणाली विकसित कर रहा है, जो आपदा, जंगलों में आग और जलवायु परिवर्तन से संबंधित अहम जानकारी देगी। यह वेधशाला समय पर खेती की प्रक्रियाओं से संबंधित सूचनाएं भी देगी।

इस वेधशाला में लगी हर सैटेलाइट बेहद खास है, जो अलग-अलग तरीके से धरती की थ्रीडी तस्वीरें लेगी और पृथ्वी की एकसाथ समग्र तस्वीर उतारेगी। इसरो के साथ नासा की इस वेधशाला में दो तरह की रडार प्रणाली होगी, जो पृथ्वी की सतह से आधा इंच गहराई तक होने वाले बदलाव की निगरानी करेगी। इस क्षमता का इस्तेमाल भारत और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसियों के संयुक्त मिशन निसार में भी किया जाएगा। यह मिशन ग्रह की सबसे जटिल प्रक्रियाओं जैसे ग्लेशियरों का पिघलना, भूकंप, ज्वालामुखी और भूस्खलन को वक्त रहते माप सकेगा। नासा और इसरो संयुक्त रूप से निसार नाम के एसयूवी आकार के उपग्रह को विकसित कर रहे हैं। यह उपग्रह एक टेनिस कोर्ट के लगभग आधे क्षेत्र में 0.4 इंच से भी छोटी किसी वस्तु की गतिविधि का अवलोकन करने में सक्षम होगा। इसे 2022 में आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से एक ध्रुवीय कक्षा में लॉन्च किया जाएगा। इसे पूर्ण रूप से नासा-इसरो सिथेंटिक अपर्चर रडार कहा जाता है।

अमेरिका को नहीं करने देंगे पनी ज मीन का इस्तेमाल, न ही होगी ड्रोन हमले की इजाजत : विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कड़े शब्दों में कहा है कि उनका देश न तो अमेरिकी सेना को मिलिट्री बेस बनाने की इजाजत देगा और न ही पाकिस्तान में कहीं भी ड्रोन अटैक करने की इजाजत देगा।

उनका ये बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका की तरफ से ये कहा जा रहा है कि वो भविष्य में अफगानिस्तान को आतंकी संगठनों के खतरे से बचाने के लिए अपनी जगह कहीं बना सकता है या नहीं। हालांकि अमेरिकी अधिकारी ने इसकी जानकारी देते हुए पाकिस्तान का नाम नहीं लिया है न ही उन्होंने मीडिया में आई अटकलों पर कोई जवाब दिया है।

आपको बता दें कि अफगानिस्तान की सीमाएं चार अलग-अलग देशों से मिलती हैं। इनमें पाकिस्तान, ईरान, उजबेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, तजाकिस्तान शामिल है। इसमें भी अफगानिस्तान की सीमा अधिकतर पाकिस्तान से (करीब 2600 किमी) फिर ईरान से फिर तुर्कमेनिस्तान और तजाकिस्तान से मिलती है। ईरान से अमेरिका का तनाव काफी समय से बरकरार है। यही वजह है कि अमेरिका यहां पर अपना बेस बनाने के बारे में सोच नहीं सकता है।

वहीं पाकिस्तान पहले से ही अमेरिकी सेना को अफगानिस्तान के

लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल करने की इजाजत देता रहा है। अफगानिस्तान में नाओ की सप्लाई भी पाकिस्तान के ही रास्ते होती रही है। इसलिए भी पाकिस्तान अमेरिका के लिए सही जगह भी है। पाकिस्तान की तरफ से आए बयान से पहले मीडिया में इस तरह की खबरें आई थी जिसमें अमेरिका के हवाले से कहा गया था कि पाकिस्तान ने उन्हें अपने यहां पर मिलिट्री बेस बनाने और अपने एयरस्पेस का इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी है। साथ ही ये भी कहा गया था कि पाकिस्तान अमेरिकी सेना को मदद भी प्रदान करेगा।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री का बयान आने से पहले मंगलवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस बारे में ट्वीट कर जानकारी दी थी और मीडिया में चल रही अटकलों को विराम देने की कोशिश की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की तरफ से पाकिस्तान में अमेरिकी सेना का बेस जैसी खबरों का खंडन करते हुए इनको अर्थहीन और झूठा करार दिया गया था।आपको बता दें कि अमेरिका ये एलान कर चुका है कि न्यूयॉर्क हमले की बरसी से पहले वो अफगानिस्तान से अपनी सेना को वापस ले लेगा। हालांकि अमेरिकी सीनेटर इसको लेकर चिंतित हैं कि अमेरिका के वहां से आने के बाद अलकायदा और आईएसआईएस जो की अब लगभग खत्म हो चुका है दोबारा उभर सकते हैं। यही वजह है कि अमेरिका चाहता है कि वापसी के बाद भी उसके पास अफगानिस्तान में जरूरत पड़ने पर सतान में और आने का सही और सुरक्षित रास्ता तैयार रहे।

आपको यहां पर ये भी बताना जरूरी होगा कि पिछले एक सप्ताह के दौरान ही अफगानिस्तान के पूर्व और मौजूदा राष्ट्रपतियों ने अपने देश की बदहाली के लिए पाकिस्तान को ही दोषी ठहराया है। राष्ट्रपति अशरफ गनी ने अपने एक इंटरव्यू में जहां ये कहा था कि तालिबान का पाकिस्तान की सरकार और सेना के साथ मजबूत गठजोड़ है और सेना ही इस आतंकी संगठन के लिए आंतकी तैयार करने में मदद करती है। वहीं पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने कहा था कि पाकिस्तान चाहता है कि अफगानिस्तान भारत से सभी संबंध तोड़ दे उनका ये भी आरोप था कि पाकिस्तान तालिबान के जरिए उनके देश में रणनीतिक और राजनीतिक बढ़त बनाना चाहता है।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण 2 फीसदी से नीचे पहुंची, 31 मार्च के बाद से सबसे कम

नई दिल्ली (संवाददाता)। राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण दर में बुधवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। यह दर घटकर 1.93 फीसदी पर आ गई है, जो 27 मार्च के बाद से सबसे कम है। 27 मार्च को संक्रमण दर 1.7 फीसदी थी। सक्रिय मरीजों की दर में भी बड़ी कमी आई है। यह दर 1.34 फीसदी हो गई है, जो 31 मार्च के बाद से सबसे कम है। 31 मार्च को यह दर 1.33 फीसदी थी। कोरोना रिकवरी की बात करें, तो यह दर 96.98 फीसदी है।

कोरोना रिकवरी की दर बुधवार को 31 मार्च के बाद से सबसे ज्यादा है। 31 मार्च को यह दर 97 फीसदी थी। कोरोना टेस्ट का आंकड़ा, बीते कुछ दिनों की तुलना में बढ़ा है। बीते दिन के 73,406 के मुकाबले बुधवार को 77,103 टेस्ट हुए हैं और 1,491 नए मामले सामने आए हैं। अब दिल्ली में कोरोना का कुल आंकड़ा 14,21,477 हो गया है। मौत के मामलों की बात करें, तो बीते 24 घंटे में 130 मरीजों की मौत हुई है। बता दें कि यह आंकड़ा 15 अप्रैल के बाद से सबसे कम है। 15 अप्रैल को एक दिन में 112 मौत हुई थी।

- कोरोना संक्रमण दर 1.93 फीसदी पर आ गई
- सक्रिय मरीजों का आंकड़ा छह अप्रैल के बाद से सबसे कम

बुधवार की बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में कोरोना से मौत का कुल आंकड़ा अब 23,695 हो गया है। वहीं, कोरोना से मौत की दर अभी 1.67 फीसदी है। कोरोना से ठीक होने वालों की बात करें, तो बीते 24 घंटे के दौरान 3,952 मरीज कोरोना अस्पताल से डिस्चार्ज हुए हैं। इसके बाद, दिल्ली में कोरोना को मात देने वालों का कुल आंकड़ा, अब 13,78,634 हो गया है। कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या में बीते दिन की तुलना में कमी आई है। अभी दिल्ली में कुल 19,148 सक्रिय कोरोना मरीज हैं।

बुधवार को सक्रिय मरीजों का आंकड़ा छह अप्रैल के बाद से सबसे कम है। छह अप्रैल को यह संख्या 17,332 थी। वहीं, होम आइसोलेशन में इलाजरत मरीजों का आंकड़ा घटकर 10,079 पर आ गया है।

देश ने छह महीने खो दिए हैं, अब और देरी की गई तो, न जाने कितनी जानें जाएंगी : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (आनंद राय) । मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली समेत पूरे देश में वैक्सीन की भारी किल्लत पर कहा कि कोरोना को हराने के लिए सभी राज्य सरकारों को केंद्र सरकार के साथ टीम इंडिया बन कर काम करना होगा। केंद्र सरकार ने राज्यों पर वैक्सीन खरीदने की जिम्मेदारी डाल दी है, लेकिन अभी तक एक भी राज्य वैक्सीन खरीदने में सफल नहीं हुआ है।

केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की अपनी-अपनी जिम्मेदारी है। हम अपनी हर जिम्मेदारी पूरी करेंगे, लेकिन जो काम हमारा है ही नहीं, वह काम राज्य सरकारें कैसे करें? केंद्र सरकार हमें वैक्सीन लाकर दे, जनता को वैक्सीन को लगाने का काम हमारा है। सीएम ने कहा कि छह महीने पहले कई देश अपने लोगों को व्यापक स्तर पर वैक्सीन लगा रहे थे। मेरा मनना है कि उस वक्त हमने बहुत बड़ी गलती कर दी। हमने अपने लोगों को वैक्सीन लगाने की बजाय अपनी वैक्सीन दूसरे देशों को भेजना शुरू कर दी।

कोरोना को हराने के लिए सभी राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को एक साथ 'टीम इंडिया' बन कर काम करना होगा: अरविंद केजरीवाल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि दिल्ली में युवाओं की वैक्सीन खत्म हो गई है। पिछले चार दिनों से युवाओं के वैक्सीनेशन सेंटर बंद पड़े हैं। बुजुर्गों की कोवैक्सीन भी खत्म हो गई है। हमने केंद्र सरकार को लिखा है, लेकिन अभी तक वैक्सीन आई नहीं है। मुझे लगता है कि पिछले महीनों में कई बड़ी गलतियां हुई हैं। अगर अपने देश के लोगों को सही समय पर वैक्सीन लगा दी जाती, तो शायद दूसरी लहर के प्रकोप को काफी कम किया जा सकता था। भारत ने 6 महीने की देरी कर दी। आज से 6 महीने पहले दुनिया के कई देशों ने अपने लोगों को व्यापक स्तर पर वैक्सीन लगाना शुरू कर दिया था। हमने उस वक्त बहुत बड़ी गलती कर दी। अपने लोगों को वैक्सीन लगाने की बजाय अपनी वैक्सीन दूसरे देशों को भेजनी चालू कर दी। जब दुनिया के दूसरे देश अपने-अपने लोगों को बड़े स्तर पर वैक्सीन लगा रहे थे, तब हम अपने लोगों को वैक्सीन लगाने की बजाय अपनी वैक्सीन दुनिया के दूसरे देशों को भेज रहे थे।

दिल्ली में तीसरे दिन भी युवाओं का नहीं हो सका वैक्सीनेशन: आतिशी

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधायक आतिशी ने कहा कि दिल्ली में तीसरे दिन भी युवाओं की वैक्सीनेशन सरकारी स्कूलों में बिल्कुल बंद रही है। किसी भी स्कूल में युवाओं को वैक्सीन नहीं लगी है। 18 से 44 वर्ष के युवाओं का वैक्सीनेशन अब सिर्फ निजी अस्पतालों में हो रहा है। वहां पर वैक्सीन की एक डोज 800 से 1350 के बीच में लग रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मंगलवार को पूरे दिन में 43,824 वैक्सीन की डोज लगी हैं। दिल्ली में 45 वर्ष से अधिक उम्र के लिए कोवैक्सीन का स्टॉक पूरी तरह खत्म हो चुका है और कोवीशील्ड का स्टॉक 12 दिन का उपलब्ध है। केंद्र सरकार से फिर अपील है कि फाइजर, मॉडर्ना, जॉनसन एंड जॉनसन सहित अन्य वैक्सीन को तुरंत मंजूरी देकर आयात की जाए। ताकि जल्द से जल्द युवाओं को वैक्सीन लग सके।

दक्षिणी निगम द्वारा सेनेटाइजर डिस्पेंसिंग मशीन का वितरण

नई दिल्ली (संवाददाता)। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम द्वारा सेवा ही संगठन अभियान के तहत सभी धार्मिक स्थलों, टीकाकरण केंद्रों एवं आरडब्लूए के लिए सेनेटाइजर डिस्पेंसिंग मशीन का वितरण किया जा रहा है इसी क्रम में बुधवार को महापौर दक्षिणी दिल्ली नगर निगम अनामिका ने जैतपुर स्थित गुरुद्वारा में सेनेटाइजर डिस्पेंसिंग मशीन का वितरण किया। महापौर अनामिका ने बताया कि हमारा लक्ष्य है सार्वजानिक स्थानों पर सेनेटाइजर डिस्पेंसिंग मशीन लगाया जा सके जिसके तहत हम अभी धार्मिक स्थलों, आरडब्लूए एवं टिकाकरण केंद्रों के लिए सेनेटाइजर डिस्पेंसिंग मशीन का वितरण कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबर

कोविड सेंटरों में लगेंगे अमेरिका से आए मॉलिक्यूल एयर प्यूरीफायर

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के हवा से फैलने की बात सामने आने के बाद अब कोविड सेंटरों में मॉलिक्यूल एयर प्यूरीफायर लगाए जाएंगे। यह मॉलिक्यूल एयर प्यूरीफायर अमेरिका से मंगवाए गए हैं। इसकी पहली खेप 40 मॉलिक्यूल एयर प्यूरीफायर की पहली खेप यूएसए से दिल्ली आ गई है। जिसके बाद अब इन्हें कोविड केयर सेंटरों तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। मॉलिक्यूल एयर प्यूरीफायर हेल्पिंग केयर वेलफेयर फाउंडेशन कोविड सेंटरों को उपलब्ध करवा रहा है। जिसने 150 मॉलिक्यूल एयर प्यूरीफायर अमेरिका से मंगवाए हैं। मॉलिक्यूल एयर प्यूरीफायर मंगवाने वाले लोकेश मुंजाल ने बताया कि कोविड सेंटरों में लोगों के उपचार के दौरान हवा में पैदा होने वाले खतरें को कम किया जा सके। इसलिए हमारी कोशिश है कि हम देश के विभिन्न कोविड केयर सेंटरों मॉलिक्यूल एयर प्यूरीफायर लगवा सके।

लूट करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। साकेत थाना पुलिस ने लोगों की कार रुकवा कर उनके साथ लूट की वारदात को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपित कार चालकों को बरगला कर उनकी कार्य को आती है इसके बाद तमंचे के जोर पर उनके साथ लूट की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपी तो के पास से मोबाइल फोन 14000 नगद और घटना में इस्तेमाल बाइक बरामद की है। आरोपितों की पहचान सूरज और रोहित के रूप में की गई है। दक्षिणी जिले के पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि 24 मई को रवि श्रीवास्तव नाम के व्यक्ति ने साकेत थाने में लूट की शिकायत दी। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी बत्रा अस्पताल में अपना इलाज करा रही है जिसकी देखरेख के लिए वह दक्षिण दिल्ली के एक होटल में ठहरे हुए हैं । 20 मई को अपनी बेटी के साथ अस्पताल से करीब रात के 10 बजे अपने होटल जा रहे थे इस दौरान बाइक से आए तो युवकों ने उसे कहा कि उनकी कार के पिछले पहिया पंचर हो गया है। वह पंचर देखने के लिए रुके तो युवकों ने जोर जबरदस्ती कल उनसे उनका मोबाइल और 90000 नगद लूट लिया।

एग्जास्ट फैन के रास्ते मंदिर में घुसे चोरों ने हजारों का माल पार किया

नई दिल्ली। मालवीय नगर थाना क्षेत्र के खिड़की रोड पर स्थित शनि मंदिर में मंगलवार रात चोरों ने मंदिर की मूर्तियों और पीतल के बर्तनों को चोरी कर लिया। चूरु मंदिर में लगे एक जहाज ट्रेन के रास्ते मंदिर के अंदर दाखिल हुए। मंदिर के पुजारी ने बताया कि मंदिर का एग्जास्ट फैन खराब हो गया था जिसके कारण से बनने को दिया गया था चोरों ने एग्जास्ट फैन की जगह से ही मंदिरों के अंदर प्रवेश किया और वहां से दानपात्र पीतल की मूर्तियां पीतल के बर्तन इत्यादि चोरी कर लिया।

नई दिल्ली में सिंघू सीमा पर एक काला दिवस के अवसर पर कृषि कानूनों के विरोध में अपने अस्थायी तंबू के नीचे किसान।

दिल्ली में छिड़काव के लिए एमसीडी ने नहीं खरीदी डेंगू की दवा: दुर्गेश पाठक

नई दिल्ली (संवाददाता)। दिल्ली में मई के महीने में डेंगू के 25 मामले आए हैं, जिसके लिए आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने भाजपा की एमसीडी को ज़िम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को अबतक डेंगू की दवा का छिड़काव करवा देना चाहिए था लेकिन उन्होंने अभी तक दवा खरीदी तक नहीं है, जिसका परिणाम सामने है। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी दिल्ली में बनी स्थिति का निरीक्षण किया है। आप नेता ने कहा कि कई अधिकारियों से पता चला है कि एमसीडी डेंगू की दवा खरीदने के लिए वेंडर से कमीशन लेती है। पिछले साल एमसीडी ने डेंगू की दवा 3600 रुपए प्रति किलो के हिसाब से खरीदा था। जबकि यही दवा भोपाल में भाजपा की म्युनिसिपल काउंसिल ने 2400 में खरीदा था। आम आदमी पार्टी ने एमसीडी के नेताओं पर कमीशन खोरी के लिए कार्रवाई की चेतावनी दी है और आप नेता ने कहा कि जब तक दिल्ली में आम आदमी पार्टी है आपको यह दवा इधर-उधर के रेट पर नहीं खरीदने देंगे। उन्होंने एमसीडी से ईमानदारी से सही रेट पर जल्द से जल्द दवा खरीदने की मांग की है।

- 2013 से लेकर आज तक डेंगू का एक भी मामला मई के महीने में नहीं आया था: दुर्गेश पाठक
- मई के महीने में डेंगू के 25 मामले आए
- आप ने भाजपा की एमसीडी को ज़िम्मेदार ठहराया

आम आदमी पार्टी के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने बुधवार को प्रेस वार्ता को संबोधित किया। दुर्गेश पाठक ने कहा कि इस बार दिल्ली में मई के महीने में डेंगू के 25 मामले आए हैं। 2013 से लेकर आज तक डेंगू का एक भी मामला मई के महीने में नहीं आया था। आमतौर पर बारिश के मौसम के साथ ही डेंगू के मामले देखने को मिलते थे। इसका एक मुख्य कारण यह है कि जो डेंगू मच्छर होते हैं उनके लार्वा को मारने के लिए दिल्ली के डीबीसी कर्मचारी घर-घर जाकर फॉकिंग करते हैं, घर-घर जाकर चेकिंग करते हैं।

डीएसजीएमसी के खातों को सार्वजनिक किया जाए: शिअदद

(एजेंसी)

नई दिल्ली । शिरोमणि अकाली दल दिल्ली के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमिटी डीएसजीएमसी के खातों को संगत के सामने प्रस्तुत करने की मांग को उठाया है। प्रतिनिधिमंडल की अगुवायी दिल्ली सिख गुरूद्वरा प्रबंधन कमिटी के पूर्व- महासचिव गुरमीत सिंह शंटी द्वारा की गई। जिसमे उन्होंने एक विस्तृत मांग पत्र डीएसजीएमसी के वर्तमान अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा और हरमीत सिंह कालका को लिखा। शंटी ने बताया कि दिल्ली सिख गुरूद्वरा एक्ट, 1971, धारा 29(4)के अंतर्गत कमिटी के खातों की ऑडिट रिपोर्ट संगत के सामने प्रकशित करना जरूरी है। खातों की कॉपी गुरुद्वारों और सभी प्रमुख जगहों पर लगाना जरूरी है। धारा 28(2) के तहत डीएसजीएमसी के सभी मासिक आय और खर्चों का लेखा-

जोखा दो अखबारों में भी प्रकाशित करना जरूरी है। शिअदद महासचिव शंटी ने मनजिंदर सिंह सिरसा को आड़े हाथों लेते हुए बताया की जिस व्यक्ति के खिलाफ दो-दो एफआईआर दर्ज हो उससे पारदर्शिता और ईमानदारी की क्या उम्मीद की जा सकती है।

कोविड के महामारी काल में डीएसजीएमसी को पूरी दुनिया से फंड मिल रहे है। लेकिन उसका ब्यौरा किधर है? कमिटी के संरक्षण में चल रहे कालेजों और संस्थानों की हालत खराब है। सरकारी सहायता प्राप्त 5 कॉलेजो और 4 खालसा संस्थानों को मिलने वाले 5 प्रतिशत सहयोगी ग्रांट तक रुके है।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अनिल कुमार ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की नाकामियों पर उठाए सवाल, कहा

वैक्सीन की भारी कमी के कारण गरीब लोग निजी केन्द्रों पर टीका लगवाने को मजबूर है

(एजेंसी)

नई दिल्ली । दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि कोरोना महामारी के दूसरे वेव से जूझ रही दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल सरकार की नाकामियों के कारण दिल्ली में कोविड वैक्सीन की भारी कमी है और 16 जनवरी से शुरु हुए वैक्सीनेशन अभियान में पिछले 5 महीनों में मात्र 5 प्रतिशत दिल्लीवासियों को ही वैक्सीन के दोनो डोज लगे है, जबकि प्रतिदिन एक लाख टीकाकरण प्रतिदिन लगाने की घोषणा की गई थी। वास्तविकता में प्रत्येक दिल्लीवासी को वैक्सीनेट करने के लिए लगभग 2.5 करोड़ वैक्सीन की जरुरत है। प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष चौ0 अनिल

दिल्ली में कोविड वैक्सीन की भारी कमी है और 16 जनवरी से शुरु हुए वैक्सीनेशन अभियान में पिछले 5 महीनों में मात्र 5 प्रतिशत दिल्लीवासियों को ही वैक्सीन के दोनो डोज लगे हैः चौ0 अनिल कुमार, अध्यक्ष, दिल्ली कांग्रेस

कुमार ने दिल्ली के केजरीवाल पर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने राज्य स्तर की 25 प्रतिशत वैक्सीन की हिस्सेदारी नही खरीदी है, जबकि निजी क्षेत्र और दिल्ली सरकार को 25-25 प्रतिशत कुल 50 प्रतिशत वैक्सीन स्वयं खरीदनी थी और बाकी 50 प्रतिशत वैक्सीन केन्द्र सरकार द्वारा खरीदी जानी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार निजी अस्पतालों को फायदा पहुॅचाने के लिए गरीबों के साथ सजिश कर रही, जबकि उनका निशुल्क टीकाकरण होना चाहिए। संवाददाता सम्मेलन में चौ0 अनिल कुमार के अलावा श्री परवेज आलम और अनुज अत्रेय भी मौजूद थे।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि वैक्सीन उपलब्ध कराने में केन्द्र व दिल्ली सरकार की असंवदेनशीलता के कारण देश और दिल्ली की जनता कोविड महामारी से गंभीर रुप से प्रभावित हो रही है और गरीबों के साथ साजिश करके केजरीवाल सरकार नूरा-कुश्ती का फार्मूला अपना कर वास्तविक स्थिति से ध्यान भटकाने का काम कर रही है।

शॉट वीडियो जारी कर विश्व के कल्याण की कामना की

नई दिल्ली (संवाददाता)। कोरोनाकाल में साइकिल प्योर अगरबत्ती के द्वारा पूरे विश्व के कल्याण की कामना और शुभाकांक्षाओं का प्रे फोर एवरी वन की पहल का शॉर्ट वीडियो, जिसमें पूरी दुनिया के लिए प्रार्थना है, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बहुत अधिक वायरल हो रहा है। इस वीडियो के साथ यह ब्राण्ड लोगों से वैश्विक महामारी में एक-दूसरे का साथ देने और सभी की भलाई के लिये प्रार्थना करने का आग्रह कर रहा है। इसमें अमिताभ बच्चन, सौरव गांगुली, रमेश अरविंद के अलावा सिनेमा और खेल जगत के विभिन्न अन्य मशहूर सेलीब्रिटीज ने आगे आकर साइकल की इस पहल को अपना समर्थन दिया है। कोविड ने दुनियाभर में तबाही मचा रखी है और लोग आकस्मिक भय से ग्रस्त हैं, इस कारण वे प्रार्थना से धैर्य और आशा जगा रहे हैं। इस वीडियो को एक सप्ताह में इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब पर कुल मिलाकर 7 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। इस पहल के बारे में, साइकल प्योर अगरबत्ती के मैनेजिंग डायरेक्टर अर्जुन रंगा ने कहा कि, हमारा अभिप्राय एक सरल और वैश्विक प्रार्थना से आशा और सकारात्मकता फैलाना था। साइकल में हम सामूहिक प्रार्थना की आरोग्य-शक्ति और अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करने की उसकी क्षमता पर भरोसा जताया हैं। इसके लिए, हमने सदाबहार प्रार्थना सर्वे भवंतु सुखिन को चुना, अर्थात सभी प्राणी सुखी रहें। इस फिल्म के वायरल होने से यह साबित होता है कि हर किसी के पास प्रार्थना करने का कारण है। हम प्रार्थना करते हैं कि यह महामारी जल्दी ही समाप्त हो जाए।

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने में मददगार बनेगा चीन, दिल्ली को सप्लाई हो रही इस सामान की बड़ी खेप!

नई दिल्ली । दिल्ली में कोरोना संक्रमण से मचे कोहराम के बाद अब हालात धीरे-धीरे सुधर रहे हैं. हर रोज बड़ी संख्या में होने वाली मौतें भी अब कम होने लगी हैं. लेकिन दिल्ली सरकार अभी से कोरोना की तीसरी लहर की संभावना को देखते हुए अपनी तैयारियों में जुट गई है. इससे निपटने के लिए दिल्ली सरकार अस्पतालों में ज्यादा से ज्यादा ऑक्सीजन बेड बनाने की तैयारी कर रही है. दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी के चलते बड़ी संख्या में लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है. ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं होने के चलते अस्पतालों में और होम आइसोलेशन में लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर और ऑक्सीजन बेड की भारी किल्लत उठानी पड़ी थी. इसकी वजह से बड़ी संख्या में दिल्ली में मौतें भी हुई हैं. वहीं अब दिल्ली सरकार ने कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए अस्पतालों में ज्यादा से ज्यादा ऑक्सीजन बेड बनाने के लिए अब चीन की मदद लेने की योजना बनाई है.

3 जगहों पर दो-दो हजार सिलेंडर के डिपो बनाने की तैयारी- दिल्ली सरकार चीन से 6,000 ऑक्सीजन सिलेंडर मंगवा रही है. वहीं, अच्छी बात यह है कि सरकार ने इन ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए अभी से ही 3 जगहों पर दो-दो हजार सिलेंडर के डिपो बनाने की तैयारी शुरू कर दी है. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी स्वयं मान रहे हैं कि कोरोना की तीसरी लहर आने पर हर रोज अगर केस बढ़ते हैं तो हम इन ऑक्सीजन सिलेंडर से 3000 ऑक्सीजन बैड तैयार कर पाएंगे.

ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए मायापुरी में बनाया डिपो- अच्छी बात यह है कि चीन से आयात होने वाले 6,000 ऑक्सीजन सिलेंडर में से 4,400 ऑक्सीजन सिलेंडर दिल्ली में सप्लाई हो चुके हैं. दिल्ली सरकार ने इन ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए मायापुरी में डिपो बनाया है.

संक्रमित मरीजों की संख्या घटकर 21,739 रह गई- बताते चलें कि दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 156 लोगों ने अपनी जान गंवाई है. वहीं, अब कुल संक्रमित मरीजों की संख्या घटकर 21,739 रह गई है. मंगलवार को 1,568 नए मामले रिकॉर्ड किए गए तो वहीं 4,251 मरीजों ने रिकवर्ड किया.

एक बेड के लिए 2 सिलेंडर की होती है जरूरत- इस बीच देखा जाए तो चीन से आयात होने वाले 6,000 सिलेंडर में से 4,400 सिलेंडर आ चुके हैं. वहीं जल्द ही बाकी 1600 ऑक्सीजन सिलेंडर जल्द ही दिल्ली को मिल जाएंगे. सरकार का मानना है कि एक बेड के लिए 2 सिलेंडर की जरूरत होती है. इस तरह से हम कोरोना की तीसरी लहर के दौरान जरूरत पड़ने पर हम 3,000 ऑक्सीजन बैंड तैयार कर पाएंगे.

ऑक्सीजन सिलेंडर को चीन से आयात करने में हुई बड़ी परेशानी- दिल्ली को चीन से मिले इन ऑक्सीजन सिलेंडर पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल का कहना है कि इन 6,000 ऑक्सीजन सिलेंडर को चीन से आयात करने में बहुत ज्यादा मशक्कत करनी पड़ी है. इस दौरान काफी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ा है. इस पूरे कोरोना काल में इतने बड़े स्तर पर शायद ही कोई बड़ी खेप ऑक्सीजन सिलेंडर की भारत आई होगी. सीएम केजरीवाल का कहना है कि यह ऑक्सीजन सिलेंडर एचसीएल और गिव इंडिया फाउंडेशन ने मिलकर दिल्ली सरकार को दान दिए हैं.

केंद्र की मदद से दिल्ली पहुंचे हैं यह सभी सिलेंडर- दिल्ली में आयात होने वाले इन ऑक्सीजन सिलेंडर को सप्लाई होने में केंद्र सरकार का बड़ा रोल रहा है. खासतौर से बीजिंग में भारतीय दूतावास के प्रयास से यह सब कुछ हो पाया है. बताया जाता है कि मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स की मदद से इन ऑक्सीजन सिलेंडर को भारत सप्लाई किया जा सका है.

टीकाकरण को लेकर भय पैदा कर रही है दिल्ली सरकार - आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। भाजपा ने आरोप लगाया है कि टीकाकरण को लेकर दिल्ली सरकार राजधानी में भय का वातावरण बनाना चाहती हैं, जिससे कि जनता उसकी कमियों को नजरअंदाज करके केंद्र सरकार को कसूरवार समझ सके। सच्चाई यह है कि दिल्ली सरकार के बजट में टीकाकरण के लिए नाममात्र के पैसे रखे गए हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री शुरू से ही लोगों में टीके को लेकर अविश्वास पैदा करने के लिए नकारात्मक बातें फैलाते रहे। पहले टीके को कारगर नहीं बताते थे, फिर राज्यों को टीके की खरीद का अधिकार देने की मांग की और अब टीका खरीदने में विफल रहने पर केंद्र के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं।

प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि भारत में उपलब्ध कोविशिल्ड, कोवैक्सिन और स्पूतनिक से टीका खरीदने के लिए दिल्ली सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। अब कह रही है कि उसे मॉर्डना और फाइजर ने सीधे टीका देने से इन्कार कर दिया है इसलिए केंद्र इन कंपनियों से खरीदकर दिल्ली को दे। हकीकत यह है जुलाई, 2022 से पहले दोनों कंपनियां टीके की आपूर्ति नहीं करेंगी।

दिल्ली सरकार ने कुछ नहीं किया: रामवीर सिंह बिधूड़ी- विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि राज्यों को टीकाकरण का अधिकार मिलने के बाद असम, उत्तर प्रदेश छत्तीसगढ़ ने स्वदेशी टीका निर्माता कंपनियों से टीके की खरीद के आर्डर दे दिए, लेकिन दिल्ली सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने बजट में टीके की खरीद के लिए सिर्फ 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। दिल्ली में 18 से 44 साल उम्र के लगभग 1.25 करोड़ लोग हैं। इस तरह से लगभग ढाई करोड़ टीके की आवश्यकता होगी। दोनों स्वदेशी कंपनियों से ढाई करोड़ टीके खरीदने के लिए लगभग 869 करोड़ रुपये की जरूरत पड़ेगी। इसके विपरीत दिल्ली सरकार ने अपने बजट में टीके की खरीद के लिए सिर्फ 50 करोड़ रुपये का प्रविधान किया है। सरकार को बताना चाहिए शेष पैसे कहां से आएंगे?

मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि टीके की खरीद में क्या है उनका योगदान: गौतम गंभीर

वहीं, पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर ने कहा कि दिल्ली की आबादी पूरे देश की आबादी का लगभग 1.6 फीसद (लगभग दो करोड़) है। अभी तक देश में 20 करोड़ लोगों का टीकाकरण हुआ है। आबादी के हिसाब से दिल्ली को केंद्र से लगभग 35 लाख टीके मिलते, लेकिन 51 लाख से ज्यादा मिले हैं। केजरीवाल सरकार को बताना चाहिए कि टीके की खरीद में उनका क्या योगदान है।

संपादकीय

संक्रमण और किसान

यह खबर चिंताजनक है कि पिछले छह महीने से चल रहे किसान आंदोलन में अब 26 मई को राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम भी शामिल हो गया है। इसके लिए आसपास के राज्यों से बड़ी संख्या में किसान दिल्ली की ओर कूच करने को तैयार हैं। देश में कोरोना संक्रमण की भयावह दूसरी लहर कुछ हल्की भले पड़ी हो, पर अभी थमी नहीं है। ऐसे में, यह अंदेशा होना स्वाभाविक है कि ऐसे विरोध प्रदर्शनों से फिर संक्रमण की रफ्तार बढ़ सकती है। यह देखा गया है कि किसान आंदोलन में कोविड से संबंधित सावधानियों के पालन में लापरवाही बरती जाती है, बल्कि ऐसे माहौल में सावधानी रखना लगभग नामुमकिन ही है। रैली, मेले, धरने-प्रदर्शन वगैरह में न तो सामाजिक दूरी का ख्याल रखना संभव होता है, न ही यह सुनिश्चित करना कि सभी लोग मास्क पहनें। यह बात निश्चित रूप से नहीं कही जा सकती कि इस आंदोलन की वजह से कोविड का कितना फैलाव हुआ, लेकिन ऐसे असुरक्षित माहौल से संक्रमण फैलना स्वाभाविक ही है। इसलिए बेहतर होगा कि सभी संबंधित पक्ष समझदारी दिखाएं।

किसान अपने आंदोलन के छह महीने पूरे होने के मौके पर यह विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह उनके लिए माकूल मौका इसलिए भी है कि रबी की फसल कट चुकी है और खरीफ की फसल की बुवाई में अभी वक्त है। फिर भी, कोरोना संकट के मद्देनजर संयम का परिचय देते हुए वे अपने विरोध प्रदर्शन को कुछ वक्त के लिए टाल दें, तो इससे आंदोलन को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा, और उनके प्रति समाज में सम्मान ही बढ़ेगा। देश के सभी प्रमुख विरोधी दलों ने किसानों के इस प्रदर्शन का समर्थन किया है और सरकार से यह आग्रह किया है कि वह जिद छोड़कर किसानों से बातचीत के लिए आगे आए। किसानों और सरकार के बीच बातचीत जनवरी में खत्म हो गई थी, जब आगे समझौते के आसार नहीं बचे थे। सरकार ने प्रस्ताव दिया था कि वह तीनों विवादित कृषि कानूनों को अगले अठारह महीने तक स्थगित कर देगी, पर किसान इनको खत्म करने, एमएसपी को कानूनन अधिकार बनाने व स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों को पूरी तरह लागू करने पर अड़े हुए हैं। जो भी स्थिति हो, समस्या का हल बातचीत से ही निकलेगा, और लोकतंत्र में आदर्श हल वही होता है, जिसमें किसी एक की जीत और दूसरे की हार नहीं होती। यह सरकार को भी समझना चाहिए कि अब तक जो बातचीत हुई है, उसमें लचीलेपन और एक-दूसरे को समझने की भावना की कमी थी और लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार को नागरिकों के सामने बड़प्पन और उदारता दिखानी होती है। अगर किसान इस हद तक लड़ने पर आमादा हैं, तो इसलिए कि वे इसे जीवन-मरण का सवाल मानते हैं, सिर्फ सरकारी नीतियों में बदलाव या आर्थिक सुधार का नहीं। जब देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति कमजोर हो और किसानों या आम लोगों की आय नहीं बढ़ रही हो, तब वे हर ऐसे कदम को शक की नजर से देखते हैं। आर्थिक सुधारों में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि उन्हें किस वक्त पर और किस तरह से लागू किया जाता है, और इन सुधारों में सबसे बड़ी समस्या यही रही है। लेकिन अब भी बातचीत और सौहार्द से रास्ता निकल सकता है, और कोरोना के फैलाव के गैर-जरूरी अंदेशे को भी रोका जा सकता है।

एक राय कायम हो

कोरोना महामारी की दूसरी लहर की भयावह त्रासदी से भी भारत के राजनीतिक दल और उसके नेता किसी तरह के सबक लेने को तैयार नहीं हैं। देश पिछले एक वर्ष से कोरोना का कहर झेल रहा है और जिस तेजी से महामारी का विस्तार हुआ उसी तेजी से ओछी राजनीति भी तेज होती गई। महामारी से निपटने में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए हर कदम का विपक्ष ने विरोध किया। दूसरी ओर सरकार की ओर से भी विपक्ष को भरोसे में लेने का कोई सार्थक प्रयास नहीं हुआ। लॉकड़ाउन और टीकाकरण जैसे गंभीर मुद्दों का भी राजनीतिकरण किया गया। भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम' की नीति का अनुसरण करते हुए गरीब देशों को वैक्सीन की आपूर्ति की। इसे लेकर भी घरेलू मोर्चे पर मोदी सरकार को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अभी हाल में संपन्न पांच राज्यों के चुनावों को लेकर भी कोई एक राय नहीं बन पाई थी। अब जबकि तीसरे लहर की आशंका जताई जा रही है तो क्या आने वाले दिनों में सरकार और विपक्ष के बीच चुनाव को लेकर कोई आम राय बन पाएगी? भारत की स्थिति दूसरे देशों के मुकाबले अलग है। यहां बारहों महीने चुनाव का मौसम रहता है। लोक सभा, विधानसभा, शहरी निकाय और ग्राम पंचायतों के चुनाव किसी-न-किसी राज्य में चलते रहते हैं। प्रशासनिक ही नहीं बल्कि न्यायपालिका के स्तर पर भी चुनावों को लेकर कोई निश्चित दिशा-निर्देश जारी नहीं किया जा सका। मद्रास उच्च न्यायालय जहां चुनाव आयोजित करने के फैसले के लिए चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा करता है वहीं इलाहाबाद उच्च न्यायालय पंचायत चुनाव टालने की अनुमति नहीं देता। चुनाव के त्योहारों में कोरोना नियमों का पालन कराना किसी के लिए संभव नहीं है। जाहिर है ऐसे समय में महामारी का एक संदेश देश के लिए यह हो सकता है कि 'एक देश एक चुनाव' के सिद्धांत को स्वीकार किया जाए। दुर्भाग्य से 'एक देश एक चुनाव' के विचार को लेकर विभिन्न दलों में मतभेद है। करीब छह महीने बाद उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड़, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। उस समय तक महामारी काबू में आ जाएगी या तीसरी लहर का संकट पैदा होगा, यह नहीं कहा जा सकता। सरकार और सभी राजनीतिक दलों को इन चुनावों के बारे में अभी से एक राय बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

प्रवीण कुमार सिंह

लगातार टेस्ट, वार्षिक परीक्षा

1981 में आयी फिल्म नसीब में प्रख्यात दार्शनिक आनंद बख्शी का गीत था-जिंदगी इम्तिहान लेती है आशिकी इम्तिहान लेती है। पुराना वक्त था, इम्तिहान आम तौर पर तब सिर्फ आशिकों के ही होते थे। अब मामला अलग है, जो आशिक नहीं हैं, उनका भी कड़ा इम्तिहान जिंदगी ले रही है। एकाध इम्तिहान हो तो भी फिर निपट ले बंदा।

अब तो तरह तरह के टेस्ट हो रहे हैं, मासिक टेस्ट, त्रैमासिक टेस्ट। किस्म किस्म के टेस्टों पर शोध करने निकला तो पता चला मोटे तौर पर 270 टेस्ट हैं, जो इंसानी शरीर पर हो सकते हैं। इनमें से कुछ यूं हैं-हीमोग्राम, थायराइड स्टिमुलेंटिंग टेस्ट, एचबीए1सी, एफएसबी, सीआरपी, डी डाइमर, ई 22, सीयूए, एफईआरआर, एफटी4, वीआईटीडीसी, यूरिक एसिड, ब्लड यूरिया नाइट्रोजन, आसपेरेटेट, एमीनोट्रांसफरेस, बिलिरिबुन टोटल, बिलिरिबुन डाइरेक्ट, एल्कालाइन फासफेटेस, पोटेशियम। कोरोना तो जैसे वार्षिक परीक्षा टाइप हो गया है, अप्रैल-मई में आ जाता है। इधर कोरोना काल में डी डाइमर, सीआरपी टेस्ट खूब धुआंधार चल रहे हैं। कोरोना की चर्चा मैंने सब्जीवाले से की, तो उसने पूछा कि डी डाइमर, सीआरपी करवा लिया है ना। रिपोर्ट मुझे भी दिखा देना। इधर जिसके पास व्हाट्सअप है, वही डाक्टर है। मेरे व्हाट्सअप में ही कोरोना के करीब पांच सौ किस्म के इलाज जमा हो चुके हैं। कुछ दिनों बाद असली डाक्टर अपने यहां बोर्ड लगाकर बैठेंगे-जैसे डाक्टर शांतनु शर्मा, असली वाले, पासआऊट फ्राम सवाई मान सिंह मेडिकल कालेज (व्हाट्सअपवाले नहीं)। इतनी तरह के टेस्ट, इतनी तरह के डाक्टर कि जिंदगी हर घड़ी एक टेस्ट लग रही है। एक कालाबाजारी बता रहा था कि बड़ी मुश्किल से जुगाड़ से रेमिडिसिविर की जमाखोरी की थी, अब इसे कोरोना इलाज से बाहर कर दिया गया है। टेस्ट सिर्फ आम आदमी के ही नहीं हो रहे हैं, कोरोना कालाबाजारियों का भी टेस्ट ले रहा है। वह एक्सपर्ट बता रहे थे कि कोरोना मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर तक निकल लेगा। जिन्हें आप ज्ञानी मान रहे हैं, कोरोना उनके भी टेस्ट ले रहा है। नया गीत टेस्ट पर भी होना चाहिए-जिंदगी कहां रेस्ट देती है, घड़ी घड़ी टेस्ट लेती है।

सख्त तालाबंदी को मजबूर दक्षिण

रविवार को चेन्नई से दो चौंकाने वाली, लेकिन विपरीत तस्वीरें सामने आईं, जिनसे कोरोना वायरस से निपटने को लेकर तमिलनाडु की दुविधा उजागर हो गई। एक लोकप्रिय अखबार की वेबसाइट ने एक तरफ सब्जी व किराना बाजार की तस्वीर दिखाई, जहां बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करने जमा हुए थे, क्योंकि राज्य में सोमवार से एक सप्ताह के सख्त लॉकडाउन का एलान किया गया था। वहीं दूसरी तरफ, राजीव गांधी के नाम वाले शहर के एक प्रमुख सरकारी अस्पताल में टीकाकरण केंद्र पर एक भी व्यक्ति टीका लेने नहीं पहुंचा। तमिलनाडु में 'पॉजिटिविटी रेट' काफी ज्यादा 20 फीसदी है, जिसका अर्थ है कि जांच कराने वाले हर पांच व्यक्ति में से एक संक्रमित पाया जा रहा है। अनुमान है, अगले दो सप्ताह में यहां संक्रमण चरम पर पहुंच सकता है। इस प्रसार-चक्र को तोड़ने के लिए ही सूबे की सरकार ने चिकित्सा विशेषज्ञों की सलाह पर सख्त लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है। हालांकि, यह वायरस का प्रसार तो धीमा कर देगा और अस्पतालों में बिस्तरों (खासकर ऑक्सीजन सुविधा वाले) की उपलब्धता भी बढ़ा देगा, लेकिन यह पुनः संक्रमण या नए संक्रमण को रोकने की गारंटी नहीं देगा। इसके लिए तो राज्य में तेज टीकाकरण अभियान चलाने की दरकार है, जो दुर्भाग्य से इस समय धीमा हो गया है।

> “तमिलनाडु में 'पॉजिटिविटी रेट' काफी ज्यादा 20 फीसदी है, जिसका अर्थ है कि जांच कराने वाले हर पांच व्यक्ति में से एक संक्रमित पाया जा रहा है। अनुमान है, अगले दो सप्ताह में यहां संक्रमण चरम पर पहुंच सकता है।”

अब तक यहां की 10-11 फीसदी आबादी को ही टीका लग सका है। 18-44 आयु वर्ग वालों के लिए भी टीकाकरण शुरू करने के केंद्र के फैसले से राज्य पर भारी दबाव है। लिहाजा, राज्य सरकार ने 3.5 करोड़ खुराक के लिए 'ग्लोबल बिड' (वैश्विक निविदा) जारी की है। यहां 18-44 आयु वर्ग की 3.65 करोड़ आबादी है, जिसके 70 फीसदी हिस्से के टीकाकरण के लिए करीब 2.5 करोड़ खुराक की जरूरत है। दोनों खुराकों को जोड़ दें, तो राज्य को पांच करोड़ खुराक चाहिए। चूंकि केंद्र से 1.5 करोड़ खुराक मिलने की उम्मीद है, इसलिए शेष 3.5 करोड़ खुराक सीधे आयात करने का फैसला लिया गया है। चूंकि निविदा में किसी भी देश को प्रतिबंधित नहीं किया गया है, इसलिए चीन भी इसमें भाग ले सकता है। द्रमुक सरकार ने हाल ही में शासन संभाला है और उस पर दबाव ज्यादा है, क्योंकि बड़ी संख्या में नौजवानों ने टीकाकरण के लिए पंजीकरण कराया है और उसके पास सभी को देने के लिए टीके नहीं हैं। फिर भी, लोग बाजार में सामाजिक दूरी का उल्लंघन कर रहे हैं। इसीलिए राज्य सरकार ने मजबूर होकर कुछ होम डिलिवरी सुविधाओं को छोड़कर सभी दुकानों को बंद करने की घोषणा कर दी। पड़ोसी राज्य केरल में तो लॉकडाउन महीने के अंत तक बढ़ा दिया गया है। वहां 8 मई से सख्त तालाबंदी है। हालांकि, जिन चार जिलों में तेज संक्रमण के कारण 'ट्रिपल लॉकडाउन' लागू था, उनमें से तीन जिलों में राहत दी गई है। राज्य में पॉजिटिविटी रेट पहले 22 फीसदी के आसपास थी, उसमें मामूली कमी आई है, लेकिन चिंता की बात यह है कि महामारी के बाद से जो मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत (1.3 फीसदी) के मुकाबले बेहद कम 0.4 फीसदी थी, उसमें इजाफा होने का अंदेशा है। इससे प्रदेश सरकार और स्वास्थ्यकर्मी बहुत चिंतित हैं।

तमिलनाडु की तरह केरल ने भी वैश्विक निविदा जारी की है। उसे तीन करोड़ टीके की जरूरत है। यहां 1.1 करोड़ से अधिक लोगों को टीका लग चुका है, जो देश के तमाम राज्यों में सर्वाधिक है। राज्य की आबादी 3.5 करोड़ है और यह अधिकाधिक लोगों का टीकाकरण करना चाहता है। यहां हर आयु वर्ग के लोग सरकारी अस्पतालों में मुफ्त में टीका ले सकते हैं। इसी तरह, कर्नाटक में संक्रमण की दर काफी ऊंची है। अन्य दो दक्षिणी राज्य- तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में, जो कभी ऊंची पॉजिटिविटी रेट की समस्या से जूझ रहे थे, संक्रमण के प्रसार में थोड़ी-बहुत कमी आई है। मगर ये तीनों सूबे टीकाकरण की धीमी रफ्तार से चिंतित हैं। इसीलिए जहां तमिलनाडु ने 3.5 करोड़ खुराक के लिए वैश्विक निविदाएं जारी की हैं, तो केरल ने तीन करोड़ खुराक के लिए और आंध्र व तेलंगाना ने एक-एक करोड़ खुराक के लिए वैश्विक बाजार का दरवाजा खटखटाया है। इन चारों गैर-भाजपा शासित राज्य सरकारों ने यह जानते हुए भी वैश्विक निविदाएं जारी की हैं कि वैश्विक बाजार में टीके की भारी कमी है और जितनी आपूर्ति हो रही है, मांग उससे कहीं ज्यादा है। उनको इसलिए ऐसा करना पड़ा, क्योंकि केंद्र सरकार अपनी 'मेक इन इंडिया' नीति से पीछे हट गई है और राज्यों को अपनी जरूरतों का एक हिस्सा खुद खरीदने को कहा है। नतीजतन, राज्य उन टीका-निर्माताओं के यहां दौड़ लगा रहे हैं, जिन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन या अमेरिका, यूरोप, ब्रिटेन, जापान जैसे देशों के नियामकों ने आपातकालीन उपयोग के लिए मान्यता दी है। राज्य सरकारें इसलिए भी वैश्विक निविदाएं जारी कर रही हैं, ताकि अपने-अपने प्रदेश की जनता को वे यह दिखा सकें कि इस मुश्किल वक्त में 'काफी कठिन प्रयास' कर रही हैं; वह भी तब, जब केंद्र ने 'अपने हाथ पीछे खींच' लिए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन ने घोषणा की थी कि मई से जुलाई के बीच टीके की 30 करोड़ खुराक उपलब्ध कराई जाएगी। इसकी आपूर्ति दो भारतीय कंपनियां- भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया करेंगी। उन्होंने वादा किया था कि अन्य 216 करोड़ खुराकें अगस्त से दिसंबर के बीच मिलेंगी। माना जा रहा है कि देश को कोरोना वायरस की तीसरी लहर से बचाने के लिए अगले दो-तीन महीने में 51 करोड़ लोगों का टीकाकरण होना चाहिए। जिन्हें टीके की दोनों खुराकें मिल गई हैं, उन्हें शायद ही आईसीयू में भर्ती कराने की नौबत आती है। चूंकि 18 साल से कम उम्र वालों को अभी टीका नहीं लगेगा और अब तक देश में लगभग 13 करोड़ लोगों को टीका लग चुका है, इसलिए अन्य 51 करोड़ लोगों (यानी कुल 65 करोड़ लोग अंदाजन, जो कुल आबादी का 50 प्रतिशत हिस्सा होंगे) का टीकाकरण हमें तीसरी लहर से बचा सकता है। मगर बड़ा मसला है, टीकों को कम कीमत पर प्राप्त करना। चूंकि राज्य सरकारें, और मुंबई जैसी नगरपालिकाएं भी अपने स्तर पर निविदाएं जारी कर रही हैं, इसलिए टीके की कीमत और टीका पाने की प्रक्रिया, दोनों जटिल हो सकती हैं। उम्मीद बस यही है कि केंद्र जल्द ही इस मुश्किल से पार पाने का कोई रास्ता खोज निकालेगा।
(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जनसंख्या दबाव से गहराया कोरोना संकट

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर की भयावहता और इसके सामने बौना साबित हुए हमारे चिकित्सकीय संसाधनों की वजह से अचानक ही हजारों नागरिकों की मौत ने एक बार फिर देश में जनसंख्या की विस्फोटक स्थिति की ओर ध्यान खींचा है। इसके बाद ब्लैक फंगस जैसी महामारी इशारा कर रही है कि अब देश में जनसंख्या नियंत्रण के बारे में गंभीरता से विचार करने और दीर्घकालीन नीति तैयार कर उस पर सख्ती से अमल करने की आवश्यकता है।

जनसंख्या के अनुपात में देश में चिकित्सा सुविधाओं का नहीं होना, चिकित्सकों, परिचारकों और तकनीशियनों का अभाव तथा ग्रामीण अंचलों में प्राथमिकी स्वास्थ्य केन्द्रों की निष्क्रियता ने कोरोना की स्थिति को बद से बदतर बना दिया। राज्य सरकारों को भी राजनीतिक स्वार्थों से हटकर जन-कल्याण को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा संसाधनों में सुधार के लिये कमर कसनी होगी।

हमारे संविधान ने जीने की आजादी, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता, बुनियादी शिक्षा और समता आदि का मौलिक अधिकार दिया है। न्यायपालिका ने इन मौलिक अधिकारों से संबंधित संविधान के अनुच्छेदों की व्याख्या करके इनका दायरा भी काफी व्यापक कर दिया है। अब इन अधिकारों में गरिमा के साथ देह त्यागना, देह का अंतिम संस्कार, सभी नागरिकों के लिये स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराना और निजता तथा न्याय तक पहुंच भी शामिल है। लेकिन, महामारी की भयावहता के दौरान शासकीय-प्रशासकीय अव्यवस्थाओं और उदासीनता की वजह से नागरिकों के अधिकांश मौलिक अधिकारों की अनदेखी हुई। चिकित्सा सुविधाएं और संसाधन इस महामारी के दौरान कसौटी पर खरे नहीं उतरे।

इस चुनौती का सामना करने के लिये अपर्याप्त चिकित्सा संसाधन, अस्पतालों में आक्सीजन तथा दवाओं की भारी कमी की वजह से दम तोड़ते मरीज और समयबद्ध तरीके से टीकाकरण करने में सरकार की विफलता ने कई सवाल खड़े कर दिये हैं। यह सही है कि कोविड-19 की दूसरी लहर की भयावहता के मद्देनज़र भारत ही नहीं, इससे कम आबादी वाला भी कोई देश शायद ही इस पर प्रभावी तरह से काबू पाने में सफल होता।

हालांकि, केन्द्र और राज्य सरकारों ने कोविड-19 संक्रमण जैसी महामारी से बचाव के लिये देश में टीकाकरण अभियान शुरू किया है, लेकिन टीकों की मांग और आबादी को देखते हुए इन्हें एक निश्चित समय के भीतर पूरा करना असंभव ही नहीं, नामुमकिन लगता है। अब समय आ गया है कि महामारी पर काबू पाने के बाद सरकार को जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में कदम उठाने पड़ेंगे। निश्चित ही सरकार को बहुत सोच-विचार के इस दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिये देश के मौजूदा संसाधन अपर्याप्त हैं। केन्द्र और राज्य सरकारें अगर मिलकर भी टीकाकरण अभियान चलायें तो 18 साल तक की आयु के नागरिकों को कोरोना की वैक्सीन लगाने का काम पूरा होने में दो से तीन साल लग सकते हैं।

अव्यवस्था का दुष्परिणाम है कि कोरोना संक्रमण से निपटने के प्रयासों में गंभीर मरीजों के लिए राज्यों को मुहैया कराये गये वेंटिलेटर्स अस्पतालों में लगाये ही नहीं गए और जहां लग गए वहां उन्हें कोई चलाना नहीं जानता था। केन्द्र और राज्य सरकारों ने इनकी आपूर्ति के बाद यह जानने का भी प्रयास नहीं किया कि क्या ये उपकरण काम कर रहे हैं। देश में निजी अस्पतालों का वर्चस्व है लेकिन इनमें से किसी के पास भी अपना ऑक्सीजन संयंत्र नहीं है। नतीजा, अचानक ही जब इस महामारी ने बड़ी संख्या में मरीजों को अपनी चपेट में लिया तो सरकारी और निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन संकट पैदा हो गया।

केन्द्र सरकार को देश में उपलब्ध ऑक्सीजन एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिये क्रायोजेनिक कंटेनर आयात करने पड़े। बड़ी संख्या में ऑक्सीजन कॉन्सेन्ट्रेटर मंगाये गये। कोरोना की पहली लहर में दुनिया का नेतृत्व करने वाले भारत की स्थिति दयनीय हो गयी तो तमाम देश भारत की मदद के लिए दौड़े।

कोरोना वायरस महामारी से निपटने के प्रयासों के बीच राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने पिछले साल अप्रैल में ही बढ़ती जनसंख्या और इसकी वजह से सामने आ रही दिक्कतों का जिक्र किया था। बढ़ती जनसंख्या और सीमित संसाधनों की समस्या को लेकर करीब पांच दशकों से चिंता व्यक्त की जाती रही है, लेकिन हर बार इसे सांप्रदायिकता का जामा पहनाने के प्रयास हुए। अब स्थिति यह हो गयी है कि देश की जनसंख्या ने विस्फोटक रूप ले लिया है और संसाधनों की कमी की वजह से एक बड़ा वर्ग महानगरों तथा बड़े शहरों में मलिन बस्तियों और झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों में तंगहाली में जिंदगी गुजारता है।

कोरोना काल में लॉकडाउन होने पर रोजगार की समस्या पैदा हुई तो इन्हीं बस्तियों में रहने वाले कामगारों ने अपने अपने गृह नगरों की ओर कूच किया। कोई नहीं जानता कि इनमें से कितने कोरोना संक्रमित थे। कामगारों के सामूहिक पलायन से कोरोना संक्रमण से बचाव के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ गयी थीं।

राष्ट्रपति के कथन में ही यह संदेश छिपा था कि ऐसा नहीं होने की स्थिति में हमारे देश में कोरोना जैसी आपदाओं के भीषण परिणाम हो सकते हैं क्योंकि राज्यों के दूर-दराज के गांवों तक तत्परता के साथ चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना बहुत बड़ी चुनौती होगी।

उम्मीद है कि बढ़ती आबादी के कारण कोरोना संक्रमण की महामारी से निपटने के दौरान आयी दिक्कत देश के नीति निर्धारकों और राजनीतिक दलों के नेताओं को देश के सीमित संसाधनों के सही उपयोग की दिशा में सकारात्मक सोच को जन्म देंगी।

डिजिटल कारोबार का लाभप्रद परिदृश्य

इन दिनों राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हो रही रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि कोविड-19 की चुनौतियों के बीच भारत में जहां डिजिटल कारोबार बढ़ने से लोगों की सुविधाएं बढ़ी हैं, वहीं विदेशी कंपनियों के डिजिटल कारोबार पर लगाया गया डिजिटल टैक्स यानी गूगल टैक्स भारत की आमदनी का तेजी से बढ़ता हुआ चमकीला स्रोत बन गया है।

हाल ही में वित्त मंत्रालय के द्वारा जारी किए गए पिछले वर्ष 2020-21 में कर संग्रह संबंधी आंकड़ों के अनुसार देश में इक्वलाइजेशन लेवी या गूगल टैक्स 2,057 करोड़ रुपये रहा, जबकि वर्ष 2019-20 में यह 1,136 करोड़ रुपये ही था। इससे पता चलता है कि वित्त वर्ष 2020-21 में गूगल टैक्स पूर्ववर्ती वर्ष के मुकाबले करीब दो गुना बढ़ गया है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि देश की सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले बेंगलुरु की गूगल टैक्स संग्रह में 1,020 करोड़ रुपये के साथ करीब आधी हिस्सेदारी रही है। गौरतलब है कि भारत में दो करोड़ रुपये से अधिक का वार्षिक कारोबार करने वाली विदेशी डिजिटल कंपनियों के द्वारा किए जाने वाले व्यापार एवं सेवाओं पर भारत में अर्जित आय पर दो फीसद गूगल टैक्स लगाया जाता है।

इस कर के दायरे में भारत में काम करने वाली अमेरिका और चीन सहित दुनिया के विभिन्न देशों की ई-कॉमर्स करने वाली कंपनियाँ शामिल हैं। देश में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के बीच ई-कॉमर्स जितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है, उसी तेजी से विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों की आमदनी भी बढ़ती जा रही है। देश में ई-कॉमर्स कितनी तेजी से बढ़ रहा है, इसका अनुमान ई-कॉमर्स से संबंधित कुछ नई रिपोर्टों से लगाया जा सकता है।

विश्व प्रसिद्ध ग्लोबल प्रोफेशनल सतवसेज फर्म अलवारेज एंड मार्सल इंडिया और सीआईआई इंस्टीट्यूट ऑफ लॉजिस्टिक्स द्वारा तैयार रिपोर्ट 2020 के मुताबिक भारत में ई-कॉमर्स का जो कारोबार वर्ष 2010 में एक अरब डॉलर से भी कम था, वह वर्ष 2019 में 30 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडिया ट्रेफिक (एमबीट) इंडेक्स 2021 के मुताबिक डेटा खपत बढ़ने की रफ्तार पूरी दुनिया में सबसे अधिक भारत में है। विश्व प्रसिद्ध रेडसीर कंसल्टिंग की नई रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2019-20 में जो डिजिटल भुगतान बाजार करीब 2,162 हजार अरब रुपये का रहा है, वह वर्ष 2025 तक तीन गुना से भी अधिक बढ़कर 7,092 हजार अरब रुपये पर पहुंच जाना अनुमानित है। इस समय जब देश में ई-कॉमर्स तेजी से बढ़ रहा है और विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियां भारी कमाई कर रही हैंग तब देश के ई-कॉमर्स परिदृश्य पर एक ओर देश के छोटे उद्योग-कारोबारियों के द्वारा तो दूसरी ओर वैश्विक ई-कॉमर्स कंपनियों के द्वारा दो अलग-अलग तरह की शिकायतें लगातार बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। देश के विभिन्न औद्योगिक संगठनों और छोटे उद्योग-कारोबारियों का कहना है कि विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा गलाकाट प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने मार्केट प्लेटफॉर्मों के संचालन के लिए भारत में लाखों करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। देश के छोटे उद्योग कारोबारियों के द्वारा यह भी कहा गया है कि एमेजॉन और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स कंपनियां के द्वारा अपने प्लेटफॉर्म पर विक्रेताओं द्वारा गुपचुप तरीके से भारी छूट उपलब्ध कराकर छोटे उद्योग-कारोबार के भविष्य के सामने चिंताएं की लकीरें खींची जा रही हैं। दूसरी ओर भारत के द्वारा लगाए गए गूगल टैक्स पर एमेजॉन, फेसबुक और गूगल जैसी अमेरिका की कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां ने गूगल टैक्स की न्यायसंगतता पर आपत्ति लेते हुए अमेरिकी व्यापार प्रशासन के समक्ष आपत्ति दर्ज की है। इसमें कहा गया है कि भारत की ओर से दो फीसद का डिजिटल कर लगाया जाना अनुचित, बोझ बढ़ाने वाला और अमेरिकी कंपनियों के खिलाफ भेदभावपूर्ण है। ऐसे में अब देश में नई ई-कॉमर्स नीति तैयार करते समय सरकार का दायित्व है कि ई-कॉमर्स से देश की विकास आकांक्षाएं पूरी हों तथा उपभोक्ताओं के हितों और उत्पादों की गुणवत्ता संबंधी शिकायतों के संतोषजनक समाधान के लिए नियामक भी सुनिश्चित किया जाए। इसमें कोई दोमत नहीं है कि डिजिटल कर लगाने का कदम भारत का संप्रभु अधिकार है। यह कर अमेरिकी कंपनियों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी डिजिटल कंपनियों के लिए समान नियम से लागू है। भारत द्वारा लगाया गया गूगल टैक्स विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का उल्लंघन नहीं है। वस्तुतः डेटा एक ऐसी सम्पत्ति है, जिस पर भारत के हितों का ध्यान रखा जाना जरूरी है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

तेज रफ्तार ट्रेन गुजरी तो भरभरा कर गिरा स्टेशन भवन

दर्जनभर ट्रेनों का परिचालन हुआ प्रभावित, बाल-बाल बचे एएसएम व चार कर्मचारी

बुरहानपुर, (एजेंसी)। बुरहानपुर और नेपानगर के बीच स्थित चांदनी स्टेशन का आरसीसी भवन का अगला हिस्सा भरभरा कर गिर गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान वहां से तेज रफ्तार पुष्पक एक्सप्रेस गुजर रही थी। इसे हरी झंडी दिखाने के लिए एएसएम प्रदीप पवार बाहर निकले थे। तभी भवन का बड़ा हिस्सा भरभरा कर गिरा। इस कारण शाम सवा सात बजे तक करीब दर्जनभर ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ।

हादसे में स्टेशन अधीक्षक कक्ष की खिड़कियों के कांच फूट गए और बोर्ड गिर गए। भवन के अगले हिस्से का मलबा स्टेशन परिसर पर बिखर गया। इस दौरान चार और कर्मचारी भवन में बैठकर काम कर रहे थे। भवन गिरता देख बाहर की ओर भागे और जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही एडीआरएम मनोज सिन्हा सहित कई अधिकारी भुसावल से सड़क मार्ग के जरिए मौके पर पहुंचे, जबकि कुछ अधिकारी खंडवा से भी आए। वहीं अप और डाउन ट्रेक से आने-जाने वाली हर गाड़ी को आउटर अथवा अन्य स्टेशनों पर रोक कर लूप लाइन से आगे रवाना किया गया।

रेलवे के इतिहास में संभवतः यह पहला मामला होगा, जबकि किसी स्टेशन की बिल्डिंग इस तरह भरभरा कर गिरी है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक इस भवन का निर्माण करीब चौदह साल पहले 2007 में हुआ था। इसके अलावा कुछ हिस्सा बाद में भी बनाया गया था।

विभागीय जांच शुरू

स्टेशन परिसर में बिखरे मलबे में पिलर का मलबा नहीं पाए जाने से माना जा रहा है कि संबंधित ठेकेदार ने बिना पिलर के ही भवन खड़ा कर दिया था। गनीमत यह थी कि हादसे के दौरान स्टेशन परिसर में यात्री नहीं थे अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। रेलवे अफसरों के अनुसार मौके पर पहुंचे रेलवे के इंजीनियरों ने स्टेशन के आसपास के ट्रेक की भी जांच की है। हादसे की विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

प्रदेश के अस्पतालों में अब 17 हजार मरीज, 68 प्रतिशत बिस्तर खाली

24 घंटे में 2,189 नए केस, 72 मौतें, संक्रमण दर 3.1 फीसदी

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश में हर दिन मिलने वाले मरीजों की संख्या कम होने के साथ ही सक्रिय मरीजों की संख्या भी कम हो रही हैं। 10 मई को प्रदेश में 1,11, 366 सक्रिय मरीज थे जो लगातार कम होते हुए 43, 265 हो गए हैं। सक्रिय मरीज कम होने से अस्पताल में बिस्तर भी खाली हो गए हैं। कोविड केयर केंद्रों में तो एक-दो मरीज बचे हैं। प्रदेश में निजी और सरकारी अस्पतालों में अभी सिर्फ 17,684 मरीज भर्ती हैं। अस्पतालों में 68 फीसदी बिस्तर खाली हैं।

संक्रमण दर भी घटकर तीन प्रतिशत आ गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाइड लाइन के मुताबिक यह तीन प्रतिशत ही होना चाहिए। यानी मध्यप्रदेश में अब कोरोना संक्रमण नियंत्रण में आ गया है। प्रदेश में इंदौर, भोपाल और सागर ही ऐसे जिले हैं, जहां 100 से ज्यादा नए संक्रमित मिले हैं। 5 प्रतिशत से अधिक संक्रमण की दर है। 18 जिलों में 10 से भी कम नए पॉजिटिव केस आए हैं। वहीं प्रदेश में छह जिले ऐसे हैं, जहां 19 से 25 मई तक संक्रमण दर एक प्रतिशत के करीब है।

प्रदेश में एक्टिव केस की संख्या घटकर 43,265 हो गई है। 25 मई को नए संक्रमितों से 5,297 मरीजों ने कोरोना को मात देकर रिकवर हुए हैं। स्वस्थ होने वालों की संख्या 7479 है। प्रदेश का रिकवरी रेट 93 प्रतिशत से ज्यादा हो गया है।

हर दिन मिलने वाले मरीजों की संख्या लगातार कम हो रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बुधवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार प्रदेश में मंगलवार को 70,195 सैंपल की जांच में 2189 मरीज मिले हैं। इस तरह संक्रमण दर 3.11 फीसदी रही जो पिछले महीने 25 फीसदी तक पहुंच गई थी। विभिन्न जिलों में 72 मरीजों की मौत कोरोना से हुई है, जबकि 7,479 स्वस्थ हुए हैं। इस तरह स्वस्थ होने वाले मरीज रोज मिलने वाले संक्रमितों से दोगुने हैं।

उपचाररत मरीजों का ब्यौरा

प्रदेश में कुल सक्रिय मरीज	43265
अस्पतालों में भर्ती	17684
होम आइसोलेशन में	58 फीसदी
आइसीयू/एचडीयू पर	33 फीसदी
ऑक्सीजन सपोर्ट पर	46 फीसदी

प्रदेश के निजी और सरकारी अस्पतालों में किस श्रेणी के कितने बिस्तर खाली

बिस्तर की श्रेणी	कुल	खाली बिस्तर	फीसदी में
आइसोलेशन बिस्तर	28942	25210	87
ऑक्सीजन बिस्तर	27037	18888	70
आइसीयू/एचडीयू	10143	4340	42

संक्षिप्त खबर

कटनीः एफआईआर में देरी होने पर एएसआई व प्रधान आरक्षक निलंबित

कटनी। कुठला थाना अंतर्गत हाइवे के बड़ेरा मोड़ स्थित एक दुकान में हथियार बंद युवकों द्वारा की गई लूटपाट के मामले में विलंब से एफआईआर दर्ज करना कुठला थाना प्रभारी सहित थाने में पदस्थ एक सहायक उपनिरीक्षक व एक प्रधान आरक्षक को महंगा पड़ गया। पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी में एफआईआर में विलंब को लेकर सहायक उपनिरीक्षक विनोद पटेल व प्रधार आरक्षक बालकृष्ण तेकाम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है जबकि कुठला थाना प्रभारी विपिन सिंह के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। एसपी ने मामले की जांच नगर पुलिस अधीक्षक शशिकांत शुक्ला को सौंपी है। गौरतलब है कि पठरा गांव निवासी शुभम साहू 20 मई की रात हाइवे के बड़ेरा मोड़ स्थित अपनी दुकान की तकवारी करने के लिए गया था। उसी दौरान रात साढ़े 11 बजे चार नकाबपोश युवक पहुंचे। युवकों ने शुभम के साथ मारपीट कर कट्टा अड़ाकर साढ़े 9 हजार रुपए और दो होम थिएटर सहित मोबाइल लूट लिया। बदमाश मारपीट कर उसे दुकान में बंद कर भाग गए थे।

ग्वालियरः थप्पड़ के बदले सिपाही के भाई की गोली मारकर हत्या

ग्वालियर। एक दिन पहले सिपाही के भाई ने हत्या आरोपी को किसी विवाद पर थप्पड़ मार दिया था। इसी थप्पड़ का बदला लेने वह साथियों के साथ आया और गले में गोली मारकर हत्या कर दी। थाटीपुर स्थित दर्पण कॉलोनी में रहने वाला 23 साल के वरुण पुत्र रामेन्द्र सिंह सिकरवार प्रॉपर्टी का कारोबार करता था। वरुण का चचेरा भाई अर्जुन सिकरवार पुलिस जवान है। बुधवार दोपहर वह दर्पण कॉलोनी वैंडी स्कूल के सामने पार्क में बैठा हुआ था। तभी वहां राहुल शर्मा, अपने साले प्रशांत शर्मा और कपिल भदौरिया के साथ पहुंचा। यहां राहुल ने पिस्टल से ताबड़तोड़ तीन फायर किए। दो गोलियां हवा में चलाईं। तीसरी गोली वरुण के गले में लगी। उसे गंभीर हालत में अपोलो हॉस्पिटल ले गए। जहां ट्रामा सेंटर में उसे चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया गया। थाना प्रभारी थाटीपुर आरबीएस विमल ने बताया कि शव को निगरानी में लेकर राहुल, प्रशांत व कपिल भदौरिया पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि मृतक की दो दिन पहले ही रोका की रस्म हुई थी।

सागरः दीवार गिराते समय मिले ब्रिटिश शासनकाल के 30 चांदी के सिक्के

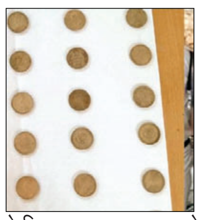

सागर। वाकया कैंट थाना क्षेत्र के मढ़िया विट्ठल नगर में एक दीवार गिराने के दौरान चांदी के 30 सिक्के मिले हैं। थाना प्रभारी समरजीत सिंह परिहार ने बताया कि मढ़िया विट्ठल नगर में रहने वाले राजकुमार अपने पुराने मकान को गिराकर नया मकान बनाने का काम करवा रहे थे। इसी दौरान मकान की दीवार को जब मजदूर गिरा रहे थे। तभी दीवार से अचानक चांदी के सिक्के निकलने लगे। मजदूरों ने इसकी सूचना मकान मालिक को दी। इसके बाद वहां से करीब 30 सिक्के मिले हैं। यह सभी सिक्के ब्रिटिश साम्राज्य के दौरान महारानी विक्टोरिया के शासनकाल के बताए जा रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और इन चांदी के सिक्कों को जब्त कर लिया है। सभी सिक्कों की पुरातात्विक दृष्टि से जांच की जा रही है।

नीमचः सीमेंट प्लांट पर मशीन बेल्ट की चपेट में आया मजदूर, मौत

नीमच। बुधवार को विक्रम सीमेंट प्लांट जेएम इंजीनियरिंग वर्क्स ठेकेदारी के अंडर में कार्य कर रहे मजदूर की मशीन के बेल्ट में आने से मौत हो गई। मामले में परिजनों ने ऑपरेटर पर लापरवाही के आरोप लगाए है, जिला अस्पताल में मृतक के परिजन मदन जयसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक नरेश जयसवाल पिता शिवलाल जयसवाल उम्र 48 वर्ष निवासी नयागांव विक्रम सीमेंट में ठेकेदार के अंडर में लगभग 20 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत था, परिजनों द्वारा बताया गया कि नरेश मैकेनिकल फिटर का कार्य करता था बुधवार को सुबह विक्रम सीमेंट प्लांट में शटडाउन के दौरान पुनः कमांड मिलने से यह हादसा घटित हुआ है। घटना के दौरान नरेश के पास ही मशीन ऑपरेटर भी खड़ा था परंतु उस दौरान नरेश को बचाने का कोई प्रयास नहीं किया गया।

रायपुरः टूलकिट मामले में संबित पात्रा पूछताछ के लिए फिर नहीं हुए उपस्थित

रायपुर। टूलकिट मामले में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा दर्ज करवाए मामले में पुलिस द्वारा जारी दूसरी नोटिस पर भी भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा बुधवार को पेश नहीं हुए और पूछताछ के लिए जारी नोटिस पर जवाब देने के लिए एक सप्ताह का फिर समय मांगा है। रायपुर के सिविल लाइन थाने के प्रभारी को श्री पात्रा के अधिवक्ता ने पुलिस को भेजे ईमेल में बुधवार को पेश होने पर असमर्थता जताते हुए पूछताछ में शामिल होने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। अधिवक्ता ने इसके साथ ही पुलिस से पूछताछ के बिन्दु लिखित में देने का अनुरोध किया है जिससे कि लिखित में जवाब दिया जा सके। इससे पूर्व ने सिविल लाईन थाने के प्रभारी ने गत 22 मई को ईमेल के जरिए श्री संबित पात्रा को भेजे गए नोटिस में 23 मई को शाम चार बजे थाने में व्यक्तिगत रूप से अथवा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए उपस्थित होने को कहा गया था।

सतना में बड़खेरा स्थित इंडो वॉटर बायो वेस्ट डिस्पोजल प्लांट में जिंदगी से खिलवाड़

इस्तेमाल की गई पीपीई किट गर्म पानी में धोकर दोबारा बाजार में बेची जा रही!

वीडियो वायरल होने पर सतना कलेक्टर ने दिए पर जांच के आदेश

सतना, (एजेंसी)। सतना में बड़खेरा स्थित बायो वेस्ट डिस्पोजल प्लांट में इस्तेमाल पीपीई किट को धोकर पुनः पैक कर बाजार में बेचने के लिए तैयार किया जा रहा है। सोशल मीडिया में ऐसी खबर और वीडियो वायरल होते ही हड़कंप मच गया। आनन फानन में इस पूरे मामले की जांच का जिम्मा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सौंप दिया गया है।

मध्यप्रदेश में कोरोना काल में भी कालाबाजारी आपदा को इस तरह अवसर में बदल रहे हैं। लोगों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। सतना जिले में एक बड़ा मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि यहां बड़खेरा ग्राम स्थित बायो वेस्ट डिस्पोजल प्लांट में यूज़ की गई पीपीई ड्रेस को धोकर कर नए सिरे से पैक कर बाजार में बेचने के लिए तैयार किया जा रहा है। किट को गर्म पानी में धोकर बंडल बनाए जा रहे हैं। जबकि एक बार यूज करने के बाद किट को एहतियात के साथ पूरी तरीके से नष्ट करने का नियम है ताकि कोरोना का संक्रमण न फैले। उसे दोबारा उपयोग में नहीं लाया जा सकता।

प्रबंधन के इशारे पर जान से खिलवाड़

कोरोना गाइडलाइन के मुताबिक इस्तेमाल किये गए पीपीई किट, ग्लब्स और मास्क को वैज्ञानिक तरीके से नष्ट करने के लिए बड़खेरा के इस इंडो वॉटर बायो वेस्ट डिस्पोजल प्लांट में भेजा जाता है। लेकिन बताया जा रहा है कि प्लांट में ऐसा नहीं किया जा रहा है। यहां लगे कर्मचारी प्लांट प्रबंधन के इशारे पर पीपीई किट को गर्म पानी से धोकर बाकायदा अलग बंडल बनाकर रख देते हैं। इसके बाद गोपनीय तरीके से इसे बाजार में बेचने की आशंका जताई जा रही थी।

कड़ी कार्रवाई की जाएगी

प्लांट के अंदर का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होते ही जिले भर में हड़कंप मच गया। जानकारी लगते ही कलेक्टर ने एसडीएम को जांच के आदेश दे दिए। एसडीएम राजेश शाही ने बताया कि बड़खेरा स्थित बायो वेस्ट डिस्पोजल प्लांट का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। उसके बाद कलेक्टर के आदेश के अनुसार हमने जांच टीम तैयार की और मौके पर भेजी। जांच टीम रिपोर्ट तैयार कर रही है। यह बेहद गंभीर मामला है। अगर ऐसी कोई बात सामने आती है कि इस किट को दोबारा बाजार में बेचा या खरीदा जा रहा है तो इस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

100 रुपए लेकर बनाता था फर्जी आयुष्मान कार्ड, युवक पकड़ा

देवास। फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक के पास से बड़ी संख्या में फर्जी आयुष्मान कार्ड बरामद किए गए। कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार शहर में घर घर जाकर लोगों से 100 रुपये लेकर फर्जी तरीके से आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर शिकायत मिल रही थी। कोतवाली पुलिस और तहसीलदार पूनम तोमर ने शालिनी रोड से आरोपी सुनिल कराडिया पिता मनोहर कराडिया निवासी 69 नवदुर्गा नगर को पकड़ा।आरोपी से पूछताछ में उसने बताया कि घर घर जाकर लोगो से प्रति कार्ड 100 रुपए लेकर फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाता था। पुलिस ने एक लेपटॉप, प्रिंटर, स्केनर सहित फर्जी आयुष्मान कार्ड बरामद किए गए है। बताया जा रहा है कि आरोपी सुनिल ने गरीबी रेखा से उपर (एपीएल) की श्रेणी के लोगों का भी आयुष्मान कार्ड बनाये है। आरोपी के पास से लेपटॉप, प्रिंटर, स्केनर सहित फर्जी आयुष्मान कार्ड बरामद किए है।

खरगोन में 2000 जिलेटिन रॉड जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

खरगोन, (एजेंसी)। जिले के बलकवाड़ा थाना क्षेत्र में 2000 जिलेटिन रॉड और अन्य सामग्री के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बलक्वाड़ा थाना के नगर निरीक्षक वरुण तिवारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर बेगंदी मिर्जापुर रोड पर ग्राम मिर्जापुर के पास एक पिकअप वाहन से मंगलवार को 2000 जिलेटिन रॉड, आठ फ्यूज वायर तथा 300 नग आईईडी बरामद की गई। पिकअप वाहन में बैठे शोभा लाल जाट निवासी भीलवाड़ा जिला, हाल मुकाम ठीकरी (बड़वानी) देवी सिंह उदावत निवासी जोधपुर जिला बिलाड़ा थाना राजस्थान को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास इस विस्फोटक सामग्री के वैध दस्तावेज या लाइसेंस नहीं प्राप्त हुए और तीनों सामानों को एक साथ परिवहन करना बेहद खतरनाक था।

उन्होंने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर इस सामग्री खरीदने वाले भारत निवासी रसवा थाना बलकवाड़ा को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने बताया कि वह इनकी मदद से कुएं और नहर में विस्फोट कर उसे गहरा करते हैं। तीनों को बुधवार को कसरावद स्थित न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

इंदौर में दूसरे दिन आयुष चिकित्सकों ने भीख मांगकर जताया विरोध

इंदौर। लगातार दूसरे दिन अनुबंधित संविदा आयुष चिकित्सक और कर्मचारियों ने भीख मांगकर प्रदर्शन किया।

मंगलवार से इंदौर सहित प्रदेशभर के 9 हजार स्वास्थ्य विभाग में अनुबंध पर पदस्थ आयुष डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ समान वेतन और संविदा नियुक्ति की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं। बुधवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने भी अपनी मांगों को लेकर सीएचमएचओ को ज्ञापन दिया। कर्मचारी संघ के पदाधिकारी डा. शशिकांत मौर्य की मुताबिक 5 जून 2018 की नीति के अनुसार शासन स्थाई कर्मचारियों के मुकाबले 90 फीसद तक वेतनमान संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को दे।

महिला ने विधायक से अश्लील चैट कर मांगे थे पांच लाख

अंतर्राज्जीय गिरोह की साजिश से जुड़ा है मामला, जांच में जुटी पुलिस

छतरपुर, (एजेंसी)। जिले की महाराजपुर सीट से कांग्रेस के विधायक नीरज दीक्षित को हनीट्रैप में फंसाने का प्रयास करने, रुपयों के लिए धमकाने के प्रयास करने वाली महिला को तलाशने के लिए पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता लगा है कि सायबर फ्रॉड का यह मामला अन्य प्रदेश के किसी शातिर गिरोह से जुड़ा हुआ है। जिस महिला के द्वारा वीडियो कॉल करते हुए अश्लील चैट की गई एवं बाद में फोन करते हुए रुपये की मांग की गई है उसकी लोकेशन अन्य प्रदेश में मिल रही है।

छतरपुर जिले से कांग्रेस विधायक हैं नीरज दीक्षित

प्रारंभिक जांच में यह भी पता लगा कि इस अपराध के लिए जिस सिम का उपयोग किया गया है वह ऐसी महिला के नाम पर जारी हुई है जो मर चुकी है। बहरहाल पुलिस इस मामले के सभी तकनीकी पहलुओं को खंगाल कर गिरोह तक पहुचने की कोशिश करने में जुट गई है।

पुलिस सूत्रों और विधायक द्वारा की गई शिकायत से मिली जानकारी के मुताबिक महिला के द्वारा पहले वाट्सएप पर मदद मांग कर दोस्ती की गई। इसके बाद विधायक को सीधा वाट्सएप कॉल करके अश्लील हरकतें शुरू कर दी गई। महिला के द्वारा इसी वीडियो चैट का स्क्रीन शॉट लिया गया और फिर अगले दिन कहानी बदल गई। अगले दिन विधायक को एक अन्य नम्बर से कॉल आता है और वो शख्स वीडियो चैट का स्क्रीन शॉट भेजकर विधायक को बदनाम करने की धमकी देते हुए पांच लाख रुपये की मांग करता है। विधायक इस हनी ट्रैप को भांपते ही पहुंचे और दोनों नंबरों के साथ थाने में मामला दर्ज कराया है।

महिला को अगवाकर झारखंड से मुंबई ले जा रहे तीन आरोपियों को जीआरपी ने दबोचा

जबलपुर, (एजेंसी)। झारखंड के शहीबगंज राधा नगर क्षेत्र से एक 22 वर्षीय महिला को जबरदस्ती अपने साथ ट्रेन से मुंबई की ओर लेकर जा रहे तीन आरोपियों को जबलपुर जीआरपी ने लोकमान्य तिलक ट्रेन में धर दबोचा। वहीं उक्त सूचना पर बजरंग दल के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। जीआरपी ने पूरे मामले की सूचना शहीबगंज पुलिस को दे दी है, जिसके देरशाम तक शहर पहुंचने की खबर है, जो महिला व आरोपियों को अपने साथ झारखंड लेकर जायेगी और आवश्यक कार्रवाई करेगी।

जीआरपी थाना प्रभारी सुनील नेमा ने जानकारी देते हुए बताया कि देररात रेलवे कंट्रोल से जानकारी मिली कि तीन लोग झारखंड शहीबगंज के राधा नगर से एक महिला को जबरदस्ती अपने साथ भगाकर मुंबई की ओर ले जा रहे है। जिस पर पेट्रोलिंग को सूचना देते हुए पतासाजी पर लगाया गया। जिस पर जीआरपी की टीम ने भागलपुर-लोकमान्य तिलक ट्रेन से जा रहे आरोपियों को दबोचा। जिन्होंने अपने नाम मोह. तनवीर, जियाअुल शेख व मोह. वसीम बताए हैं। वहीं पुलिस ने महिला को दस्तयाब करते हुए झारखंड पुलिस को सूचना दे दी है, जो कि देरशाम तक शहर पहुंचेगी, इसके बाद आरोपियों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भोपाल स्थित भेल दशहरा मैदान में हुए सम्मेलन की पेश करो वीडियो रिकार्डिंग

कोरोना काल में भीड़ जुटाने संबंधी मामले में हाईकोर्ट सख्त

जबलपुर, (एजेंसी)। मप्र हाईकोर्ट ने कोरोना काल में भोपाल में दो हजार लोगों के सम्मेलन की अनुमति दिये जाने को चुनौती देने वाले मामले को काफी सख्ती से लिया। दायर मामले में कहा गया था कि कोरोना संक्रमण के कारण राज्य चुनाव आयोग ने नगरीय निकाय के चुनाव स्थगित करने के आदेश जारी किए थे।

चीफ जस्टिस मोह. रफीक व जस्टिस अतुल श्रीधरन की युगलपीठ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अनावेदक आयोजन समिति के चेयरमेन को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही युगलपीठ ने मुख्य पुलिस अधीक्षक गोविंदपुरा भोपाल को उक्त सम्मेलन की पूरी वीडियो रिकार्डिंग पेश करने के निर्देश दिए हैं, ताकि सत्यता की जांच की जा सके। युगलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 21 जून को निर्धारित की है।

कोर्ट में दायर एक जनहित का मामले में कहा गया है कि दिगम्बर जैन सोशल वेलफेयर सोसायटी ने भोपाल के भेल दशहरा मैदान में 3 जनवरी को सम्मेलन की अनुमति के लिए आवेदन किया था। सम्मेलन में तीन हजार लोगों की उपस्थिति की अनुमति चाही गयी थी।

एसडीएम निशातपुरा ने गोविंदापुरा पुलिस थाने के अभिमत के बाद 28 दिसम्बर को सम्मेलन तथा दो हजार लोगों की उपस्थिति की अनुमति प्रदान कर दी। याचिका में कहा गया था कि 26 दिसम्बर को कोरोना संक्रमण के कारण नगरीय निकाय चुनाव टालने के आदेश राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी किये गए थे। इसके बावजूद भी एसडीएम ने कोरोना कॉल में इतनी बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति की अनुमति प्रदान कर दी। याचिका में केन्द्र व राज्य सरकार सहित डीजीपी, एसडीएम निशांतपुरा तथा थाना प्रभारी गोविंदपुरा को पक्षकार बनाया गया है।

12 सौ बोरी अमानक गेहूं खरीदने पर केंद्र प्रभारी व सर्वेयर पर धोखाधड़ी का केस

जांच के बाद कलेक्टर ने दिए कार्रवाई के निर्देश

छतरपुर, (एजेंसी)। भगवा थाना अंतर्गत आने वाली सेवा सहकारी समिति बीरो के सतपारा में गेहूं खरीदी केंद्र बनाया गया है। केंद्र प्रभारी और सर्वेयर ने मिलकर करीब 12 सौ बोरी अमानक गेहूं खरीद लिया था। कीड़े युक्त गेहूं खरीदी जाने की शिकायत करने पर कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम ने नायब तहसीलदार और राजस्व निरीक्षक को जांच के लिए भेजा था। जांच प्रतिवेदन के आधार पर केंद्र प्रभारी और सर्वेयर के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के मुताबिक गेहूं खरीदी केंद्र सतपारा में कीड़े युक्त गेहूं खरीदे जाने की प्रशासन को शिकायत मिली थी। बताया गया है कि खरीदी केंद्र प्रभारी मनीष दुबे व सर्वेयर हरगोविंद सोनी ने सांठगांठ कर करीब 12 सौ बोरी गेहूं पुराना और घुना हुआ खरीद लिया था। शिकायत मिलने पर बड़ामलहरा एसडीएम राहुल सिलाडिया ने नायब तहसीलदार और राजस्व निरीक्षक को जांच के लिए खरीदी केंद्र भेजा था। जांच प्रतिवेदन कलेक्टर तक पहुंचाने के बाद कलेक्टर ने एसडीएम को कार्यवाही के निर्देश दिए थे। एसडीएम श्री सिलाडिया ने कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी राकेश कन्होआ को भगवां थाने भेज कर खरीदी केंद्र प्रभारी और सर्वेयर के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है।

शहादत

शहीद कन्हैयालाल को सैन्य सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई

छह साल की बेटी ने शहीद पिता को दी मुखाग्नि

रतलाम, (एजेंसी)। जिले के गुणावद निवासी सैनिक कन्हैयालाल जाट सिक्किम में एक हादसे के दौरान वीर गति को प्राप्त हुए थे। जिनका पार्थिव देह मंगलवार को रतलाम पहुंचा। बुधवार सुबह उनके गृह गांव गुणावद में पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हुआ। सैनिक को अंतिम विदाई देने पूरा गांव उमड़ पड़ा और जोशिले नारों के बीच नम आंखों के साथ ग्रामीणों ने अपने सपूत को अंतिम विदाई दी।

मंगलवार को जैसे ही कन्हैयालाल का पार्थिव देह पैतृक गांव गुणावद लाया गया, पूरा गांव गमगीन हो गया। नम आंखों से ग्रामीणों ने अपने लाल को विदाई दी। जगह-जगह ग्रामीण ने अंतिम यात्रा पर फूल बरसाए। अपने गांव के सपूत के प्रति लोगों में इस कदर प्रेम था कि अंतिम यात्रा के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल जैसी बात उन्हे याद ही नहीं रही। हर कोई बस अपने गांव के इस वीर को आखरी बार देख लेने को उत्सुक था। मुक्तिधाम पर जनप्रतिनिधियों परिवार वालों और एसपी-कलेक्टर ने पुष्प चक्र अर्पित कर शहीद को श्रद्धांजलि दी। जिसके बाद शहीद कन्हैयालाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कन्हैयालाल की छह साल की बेटी आराध्या ने मुखाग्नि दी।

शहीद कन्हैयालाल के अंतिम संस्कार में प्रदेश सरकार के मंत्री मोहन यादव, रतलाम-झाबुआ सांसद गुमान सिंह डामोर, ग्रामीण विधायक दिलीप मकवाना, युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित हुए। सभी ने शहीद के घर पहुंचकर श्रृद्धा सुमन अर्पित किए। प्रदेश सरकार के मंत्री और जनप्रतिनिधियों ने शहीद के परिवार को हर संभव मदद देने का आश्वासन परिजनों को दिया।

क्षेत्र में शोक की लहर

गौरतलब है कि शनिवार को सिक्किम में हुए हादसे में कन्हैया लाल जाट शहीद हुए थे। 32 वर्षीय कन्हैया का 2008 में भारतीय सेना में चयन हुआ था वे सेना कि सीएमपी यूनिट में सिक्किम मे पदस्थ थें। शहीद कन्हैयालाल की पत्नी और दो छोटी बेटियां भी है। कन्हैयालाल जून में छुट्टी पर अपने गांव आने वाले थे लेकिन अब तिरंगे में लिपटी उनकी देह पैतृक गांव पहुंची है। गांव के बेटे कि शहादत से पूरा गांव गमजदा है और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

एक नजर

किसानों के अपमान से देश का हर नागरिक आक्रोशित: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि भाजपा सरकार के अहंकार के कारण हो रहे किसानों के अपमान से देश का हर नागरिक आक्रोशित है। अखिलेश ने नए कृषि कानूनों के खिलाफ काला दिवस मना रहे किसानों का जिक्र करते हुए एक ट्वीट में कहा बहाकर अपना खून-पसीना जो दाने पहुँचाता घर-घर, काला दिवस मना रहा है, आज वो देश का हलधर। किसान एकता मोर्चा हैशटैग से किए गए इसी ट्वीट में अखिलेश ने कहा भाजपा सरकार के अहंकार के कारण आज देश में किसानों के साथ जो अपमानजनक व्यवहार हो रहा है उससे देश का हर नागरिक आक्रोशित है। हमारे हर निवाले पर किसानों का क़र्ज़ है। गौरतलब है कि विभिन्न संगठनों से जुड़े किसान नए कृषि कानूनों के खिलाफ अपने प्रदर्शन के छह माह पूरे होने पर बुधवार को काला दिवस मना रहे हैं।

दिल्ली में बढ़ेगी गर्मी! अधिकतम तापमान के 40 डिग्री सेल्सियस पहुंचने का अनुमाने

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार सुबह न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 22.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, अधिकतम तापमान के 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मई अंत तक शहर में लू चलने का पूर्वानुमान भी लगाया है। आईएमडी के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केन्द्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि 2014 के बाद पहली बार इस साल मानसून से पहले सफदरजंग वेधशाला में लू दर्ज नहीं की गई। उन्होंने बताया कि पहले पश्चिमी विक्षोभ के कारण पहले तापमान कम रहा और फिर चक्रवात 'ताउते' के कारण ''रिकॉर्ड'' बारिश हुई। पालम वेधशाला में भी इस साल अभी तक लू दर्ज नहीं की गई। आईएमडी के अनुसार, मैदानी इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक या सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस अधिक होने पर ''लू'' घोषित की जाती है। सामान्य से 6.5 डिग्री अधिक तापमान होने पर ''भीषण'' लू की घोषणा की जाती है।

सट्टेबाज ने परमबीर सिंह पर गिरफ्तारी से बचाने के लिए 10 करोड़ मांगने का आरोप लगाया

मुंबई। क्रिकेट सट्टेबाज सोनू जालान ने अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के समक्ष दर्ज कराए गए बयान में आरोप लगाया है कि मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने उससे कहा था कि अगर वह एक बड़े मामले में गिरफ्तारी से बचना चाहता है तो पूर्व पुलिस निरीक्षक प्रदीप शर्मा को 10 करोड़ रुपये दे। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस मामले में सिंह और शर्मा दोनों की ही प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। महाराष्ट्र पुलिस की सीआईडी जालान द्वारा आईपीएस अधिकारी परमबीर सिंह, शर्मा और निरीक्षक राजकुमार एवं अन्य के खिलाफ लगाए गए वसूली के आरोपों की जांच कर रही है। अपने बयान में जालान ने सीआईडी अधिकारियों को बताया कि मई 2018 में सट्टेबाजी के एक मामले में ठाणे पुलिस की रंगदारी निरोधी प्रकोष्ठ द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद उसे ठाणे के तत्कालीन पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के पास ले जाया गया था।

पश्चिम बंगाल सरकार ने हालात की गंभीरता के चलते ब्लैक फंगस को अधिसूचित रोग घोषित किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने हालात की गंभीरता और केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह के मद्देनजर म्यूकोरमाइकोसिस या ब्लैक फंगस को अधिसूचित रोग घोषित कर दिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आदेश का हवाला देते हुए कहा कि डॉक्टरों के लिये म्यूकोरमाइकोसिस का पुष्ट या संदिग्ध मामला सामने आने पर अधिकारियों को इसकी जानकारी देना अनिवार्य कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि इसके तहत रोगी की निजी जानकारी समेत सभी संबंधित जानकारियों को साझा किया जाना जरूरी है। राज्य में ब्लैक फंगस के चलते अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। सोमवार तक 10 लोगों का इस बीमारी का इलाज चल रहा था।

गहलोत ने कहा, कोरोना मरीजों के ईलाज के लिए निर्धारित दरों से अधिक वसूली की शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई हो

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि कोविड मरीजों के इलाज एवं जांच में निजी अस्पतालों, लैब और दवा दुकानदारों द्वारा निर्धारित दरों से अधिक पैसे वसूलने की घटनाओं पर तुरंत संज्ञान लेकर सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि सरकार कोरोना पीड़ितों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। इस संबंध में किसी भी शिकायत पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कोविड से मृत्यु पर शव परिवहन एवं ससम्मान अंतिम संस्कार की निशुल्क व्यवस्था की है, उसकी निचले स्तर तक पालना और निगरानी में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गहलोत ने मंगलवार शाम को प्रदेश में संक्रमण की स्थिति की समीक्षा करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदेश में महामारी की तीसरी संभावित लहर का सामना करने की प्रभावी रणनीति तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञ तीसरी लहर में बच्चों के अधिक प्रभावित होने की आशंका व्यक्त कर रहे हैं।

भाजपा का ध्यान कोविड-19 से निपटने के बजाय उत्तर प्रदेश चुनावों पर है: शिवसेना

मुंबई।(एजेंसी)।

शिवसेना ने बुधवार को दावा किया कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश में हुए पंचायत चुनाव में '' कोई खास प्रदर्शन नहीं किया' है और इसलिए उसका पूरा ध्यान कोविड-19 से निपटने के बजाय इस पर है कि कैसे वह अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के लिए अपनी छवि सुधारे और चुनाव जीते। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित एक संपादकीय में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतने में नाकाम रहने के बाद भाजपा नेतृत्व ने अपना ध्यान उत्तर प्रदेश की ओर लगा दिया है।

मराठी दैनिक समाचार पत्र में दावा किया गया है, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'मिशन उत्तर प्रदेश' पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की।'' अखबार ने तंज कसते हुए कहा, ''ऐसा लगता है कि देश में सभी मुद्दे हल हो गए हैं और केवल एक ही काम बचा है चुनाव की घोषणा करना, लड़ने...चुनाव जीतने के लिए बड़ी रैलियां और रोडशो करना।'' संपादकीय में कहा गया है, ''इसमें कोई शक नहीं है कि संसदीय लोकतंत्र में चुनाव महत्वपूर्ण है लेकिन क्या मौजूदा हालात में चुनाव प्राथमिकता हैं?'' उसने कहा, ''भाजपा इस पर काम कर रही है कि उत्तर प्रदेश चुनावों में अपनी छवि कैसे सुधारें और जीते क्योंकि उसने वहां पंचायत चुनावों में इतना अच्छा प्रदर्शन नहीं किया।'' 'सामना' में दावा किया गया कि इससे पहले असम, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में चुनाव स्थगित करने या एक ही चरण में कराने की मांग की गई लेकिन पश्चिम बंगाल में आठ चरणों में चुनाव कराए गए, जिसके कारण न केवल पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस संक्रमण फैला बल्कि पूरे देश में फैला।

इसमें कहा गया कि उत्तर प्रदेश में कोविड-19 प्रबंधन ढह गया है और भाजपा को वहां विधानसभा चुनाव और 2024 में लोकसभा चुनाव में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। संपादकीय में कहा गया है, ''कोविड-19 राष्ट्रीय आपदा है और इसका असर उत्तर प्रदेश, बिहार तथा महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों पर पड़ना ही था।उत्तर प्रदेश में गंगा नदी में बहते शवों को देखकर दुनिया की आंखों में आंसू आ गए।'' शिवसेना ने कहा कि अभी पूरा ध्यान कोविड-19 पर होना चाहिए।

बसपा की योजना को जारी रखा होता तो गांवों की हालत इतनी गंभीर नहीं होती: मायावती

लखनऊ।(एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को कहा कि पिछली सरकारों ने भी बसपा सरकार की तरह गांवों के विकास पर अगर ध्यान देना जारी रखा होता तो आज कोरोना महामारी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति इतनी गंभीर और जानलेवा नहीं होती। मायावती ने बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर अपने संदेश में कहा, गौतम बुद्ध के जन हिताय के आदर्शों के तहत बसपा की सरकार ने ज्यादातर गाँवों में बसने वाले सर्वसमाज के सुविधा-विहीन गरीबों और उपेक्षित लोगों के जीवन को थोड़ा बदलकर उन्हें संवारने के लिए 'डॉक्टर आम्बेडकर ग्रामसभा समग्र विकास योजना' के अन्तर्गत गाँवों को 18 बुनियादी सुविधाओं से लैस करने का काफी बड़े स्तर पर प्रभावी प्रयास किया, जो विरोधियों को कतई नहीं भाया और बाद के वर्षों में उस योजना की घोर उपेक्षा की गई। उन्होंने कहा, यह कड़वा सच जग-जाहिर है कि उत्तर प्रदेश में ग्रामीण विकास की इस खास व प्रमुख योजना को अगर यहाँ की पिछली सरकारों ने भी जारी रखा होता तो आज कोरोना महामारी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में जो दुःख, तड़प और अति-बदहाली की स्थिति छाई हुई है, वह इतनी गंभीर और अति-जानलेवा शायद कभी नहीं होती। बसपा अध्यक्ष ने कहा, राजनीतिक व जातिवादी द्वेष से ऊपर उठकर तथागत गौतम बुद्ध के जीवन आदर्शों पर चलकर उत्तर प्रदेश और भारत देश को फिर से जगद्गुरु बनाने के प्रयास की जरूरत है। इसके लिए समाज के साथ-साथ सभी सरकारों को भी अपनी नीयत साफ और ईमानदार बनाकर कथनी तथा करनी के अन्तर को मिटाना होगा। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने गौतमबुद्ध के अनुयायियों को 'बुद्ध पूर्णिमा' की हार्दिक बधाई और कोरोना के इस अति-विपदा काल में बेहतर स्वास्थ्य एवं सुखद जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कोरोना वायरस की महामारी लगातार घातक होने के कारण देश में हर तरफ जो त्रासदी है, उसमें दूसरों के प्रति दया, करुणा, दानशीलता और इन्सानियत को जिन्दा रखना बहुत जरूरी है।

सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं की जानकारी देने के लिए बनाएं मोबाइल एप्लीकेशन: सीएम योगी

लखनऊ।(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के जिला अस्पतालों समेत सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध चिकित्सकों, औषधियों तथा उपकरणों की जानकारी आम जनता को देने के लिए एक मोबाइल एप्लीकेशन विकसित करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने बुधवार को टीम-9 की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए स्वास्थ्य विभाग के अधीन संचालित सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा जिला अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं का एक डेटाबेस तैयार किया जाए। इनकी जियो मैपिंग करते हुए, चिकित्सकों की संख्या, पैरामेडिकल स्टाफ की स्थिति, दवाओं की उपलब्धता, भवन, उपकरणों की स्थिति आदि के संबंध में जानकारी देने वाला मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया जाना चाहिए। यह आम जनता के लिए उपयोगी होगा। उन्होंने दावा किया टेस्ट, ट्रेस और ट्रीट के मंत्र के अनुरूप कोरोना के खिलाफ हमारी रणनीति कारगर सिद्ध हो रही है। एक ओर जहां प्रदेश में कोविड टेस्टिंग में हर दिन एक नया रिकॉर्ड बन रहा है, वहीं रोजाना आने वाले नए मामलों में निरंतर कमी आती जा रही है। साथ ही स्वस्थ होने की दर बेहतर होती जा रही है। उपचाराधीन मामलों में आई कमी अच्छे संकेत देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 18 से 44 साल आयु वर्ग का टीकाकरण तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि एक जून से सभी 75 जिलों में 18 से 44 साल आयु वर्ग के लोगों के कोविड टीकाकरण का कार्यक्रम शुरू हो रहा है। न्यायिक सेवा के लोगों, मीडिया प्रतिनिधियों के अलावा शिक्षकों व कर्मचारियों के टीकाकरण के लिए सभी जिलों में दो-दो केंद्र बनाये जाएं। योगी ने जोर दिया कि जिन अभिभावकों के बच्चे 12 वर्ष से कम आयु के हैं, उनका टीकाकरण प्राथमिकता के साथ किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा ''इस संबंध में विधिवत कार्ययोजना बनाई जानी चाहिए। हर जिले में अभिभावक स्पेशल बूथ बनाये जाएंगे। अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें टीकाकरण के लिए आमंत्रित किया जाए। यह अभिभावक के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा के लिए उपयोगी होगा। इसे अभियान के रूप में संचालित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि कोविड जांच में उत्तर प्रदेश हर दिन एक नया रिकॉर्ड बना रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटे में तीन लाख 58 हजार 273 नमूनों की जांच की गई है। इसमें एक लाख 48 हजार नमूने आरटीपीसीआर के लिए जिलों से भेजे गए हैं। योगी ने कहा ''एक दिन में इतनी जांच करने वाला एकमात्र राज्य उत्तर प्रदेश है। वर्तमान में जांच संक्रमण दर मात्र एक फीसदी रह गई है।

दिल्ली पुलिस ने पहलवान सुशील कुमार के चार साथियों को किया गिरफ्तार

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार के चार साथियों को छत्रसाल स्टेडियम में हुए कथित संपत्ति विवाद के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है जिसमें 23 वर्षीय एक पहलवान की मौत हो गई थी। पुलिस ने बुधवार को बताया कि उन्होंने आरोपियों की पहचान हरियाणा के झज्जर जिले के रहने वाले भूपेंद्र (38), मोहित (22), गुलाब (24) और रोहतक जिले के रहने वाले मंजीत (29) के रूप में की है। पुलिस ने बताया कि ये लोग काला असौदा और नीरज बवाना गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं और इन्हें मंगलवार की रात को दिल्ली के कंझावला इलाके से गिरफ्तार किया गया। दिल्ली पुलिस की रोहिणी जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने एक खुफिया सूचना मिलने पर ये गिरफ्तारियां कीं। गिरफ्तार किए गए ये सभी लोग सुशील कुमार के साथी हैं और छत्रसाल स्टेडियम में हुए झगड़े में शामिल थे। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में इनके खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी किए गए। मामला स्टेडियम में गत चार मई को हुई उस घटना से संबंधित है जिसमें पहलवान सागर की मौत हो गई थी और उसके दो मित्र सोनू और अमित कुमार तब घायल हो गए थे जब उन पर सुशील कुमार और अन्य पहलवानों ने हमला किया था। यह झगड़ा मॉडल टाउन इलाके में स्थित एक संपत्ति पर विवाद को लेकर हुआ। पुलिस उपायुक्त (रोहिणी) प्रणव तायल ने कहा कि जिले की स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली कि इस मामले में शामिल काला असौदा और नीरज बवाना गिरोह के चार लोग अपने साथी काला से मिलने घेवरा गांव आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''सूचना के आधार पर हमारी टीम ने घेवरा रेलवे क्रॉसिंग के पास जाल बिछाया और एक गुप्त खबरी के जरिए पहचान करने के बाद चारों को पकड़ लिया।'' पूछताछ में सभी चारों आरोपियों ने सिलेसिलेवार ढंग से घटना के बारे में बताया और अपराध में शामिल अन्य लोगों की जानकारियां दी। डीसीपी ने कहा कि उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने घटना स्थल पर ही अपने वाहन और हथियार छोड़ दिए थे। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा ने बाहरी दिल्ली के मुंडका इलाके से सुशील कुमार और उसके साथी अजय को रविवार को गिरफ्तार किया था।

व्हाट्सऐप ने नए सोशल मीडिया नियमों पर सरकार के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फेसबुक के स्वामित्व वाले व्हाट्सऐप ने नए सोशल मीडिया मध्यवर्ती नियमों पर सरकार के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है, जिसके तहत संदेश सेवाओं के लिए यह पता लगाना जरूरी है कि किसी संदेश की शुरुआत किसने की। व्हाट्सऐप के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि कंपनी ने हाल ही में लागू किए गए आईटी नियमों के खिलाफ 25 मई को दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। यह कदम ऐसे वक्त में उठाया गया है, जबकि नए सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती संस्थानों के लिए दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021, के जरिए सोशल मीडिया कंपनियों को अधिक से अधिक जवाबदेह और जिम्मेदार बनाने की कवायद चल रही है।

व्हाट्सऐप के एक प्रवक्ता ने कहा कि मैसेजिंग ऐप के लिए चैट पर निगाह रखने की आवश्यकता, उन्हें व्हाट्सऐप पर भेजे गए हर एक संदेश का फिंगरप्रिंट रखने के लिए कहने के बराबर है। प्रवक्ता ने कहा कि यह एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन को तोड़ देगा और लोगों के निजता के अधिकार को कमजोर करेगा। प्रवक्ता ने कहा, ''हम दुनिया भर में लगातार नागरिक समाज और विशेषज्ञों के साथ उन अनिवार्यताओं का विरोध कर रहे हैं, जो हमारे उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता का उल्लंघन करेंगे। इस बीच, हम लोगों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से व्यावहारिक समाधानों पर भारत सरकार के साथ बातचीत जारी रखेंगे।'' नये सूचना प्रौद्योगिकी नियम बुधवार 26 मई से प्रभाव में आएंगे और इनकी घोषणा 25 फरवरी को की गयी थी। इस नए नियम के तहत ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसी बड़े सोशल मीडिया मंचों को अतिरिक्त उपाय करने की जरूरत होगी। इसमें मुख्य अनुपालन अधिकारी, नोडल अधिकारी और शिकायत अधिकारी की नियुक्ति आदि शामिल हैं। प्रमुख सोशल मीडिया मंचों को नये नियमों के अनुपालन के लिये तीन महीने का समय दिया गया था। इस श्रेणी में उन मंचों को रखा जाता है, जिनके पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 50 लाख से अधिक है। नियमों का पालन न करने के परिणामस्वरूप इन सोशल मीडिया कंपनियों को अपनी मध्यस्थ की स्थिति खोनी पड़ेगी। यह स्थिति उन्हें किसी भी तीसरे पक्ष की जानकारी और उनके द्वारा 'होस्ट' किए गए डाटा के लिए दायित्वों से छूट और सुरक्षा प्रदान करती है। दूसरे शब्दों में, उन पर कार्रवाई की जा सकती है। फेसबुक के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि कंपनी परिचालन प्रक्रियाओं को लागू करने के लिए काम कर रही है और इसका उद्देश्य आईटी नियमों के प्रावधानों का पालन करना है। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी ने कहा कि वह कुछ मुद्दों पर स्पष्टता को लेकर सरकार के लगातार संपर्क में है। फेसबुक के पास फोटो साझा करने का मंच इंस्टाग्राम भी है। हालांकि, फेसबुक और गूगल दोनों ने मंगलवार तक अनुपालन के नए स्तर को पूरा करने के बारे में चीजें स्पष्ट नहीं की।

राहुल गांधी ने लक्षद्वीप में नए नियमन के मसौदे को लेकर सरकार पर निशाना साधा

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप में नए नियमन के मसौदे को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि सागर में स्थित भारत के इस 'आभूषण' को नष्ट किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह लक्षद्वीप के लोगों के साथ खड़े हैं। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''सागर में लक्षद्वीप भारत का आभूषण है। सत्ता में बैठे अज्ञानी कट्टरपंथी इसे नष्ट कर रहे हैं। मैं लक्षद्वीप के लोगों के साथ खड़ा हूं।''

कांग्रेस ने इस मुद्दे पर मंगलवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया था कि उसे तत्काल इन मसौदों को वापस लेना चाहिए और प्रफुल्ल खोड़ा पटेल को प्रशासक के पद से हटाना चाहिए। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा था कि कांग्रेस लक्षद्वीप के लोगों के साथ खड़ी है और उनकी सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा के लिए लड़ेगी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी सोमवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को चिट्ठी लिखकर लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल को वापस बुलाने की मांग की। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रपति से यह भी कहा है कि प्रफुल्ल पटेल के कार्यकाल में लिए गए फैसलों को रद्द किया जाए। खबरों के मुताबिक, मसौदा नियमनों के तहत लक्षद्वीप से शराब के सेवन पर रोक हटाई गई है। इसके अलावा पशु संरक्षण का हवाला देते हुए बीफ उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया गया है।

लक्षद्वीप की अधिकांश आबादी मछली पालन पर निर्भर है, लेकिन विपक्षी नेताओं का आरोप है कि प्रफुल्ल पटेल ने तट रक्षक अधिनियम के उल्लंघन के आधार पर तटीय इलाकों में मछुआरों की झोपड़ियों को तोड़ने के आदेश दिये हैं। उधर, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ए पी अब्दुल्लाकुट्टी ने सोमवार को आरोप लगाया कि विपक्षी नेता प्रशासक पटेल का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि उन्होंने द्वीपसमूह में नेताओं के 'भ्रष्ट चलन' को ख़त्म करने के लिए कुछ खास कदम उठाए हैं। अब्दुल्लाकुट्टी लक्षद्वीप में भाजपा के प्रभारी भी हैं।

इतिहास गवाह है भारतीयों ने जीती कई जंग, कोरोना महामारी को भी देंगे मात

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

19वीं सदी के दौरान देश में कुछ वैक्सीन संस्थान खोले गए। कॉलरा वैक्सीन का परीक्षण हुआ और प्लेग के टीके की खोज हुई। बीसवीं सदी के शुरुआती वर्षों में चेचक के टीके को विस्तार देने, सैन्य बलों में टायफाइड के टीके का परीक्षण और देश के कमोबेश सभी राज्यों में वैक्सीन संस्थान खोलने की चुनौती रही। आजादी के बाद बीसीजी वैक्सीन लैबोरेटरी के साथ अन्य राष्ट्रीय संस्थान स्थापित किए गए। 1977 में देश चेचक मुक्त हुआ। टीके का विस्तारित कार्यक्रम 1978 में शुरू हुआ। सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम 1985 में शुरू हुआ। भारत 2012 में पोलियो मुक्त हुआ।

सधी शुरुआत: चेचक वैक्सीन लिंफ की पहली खुराक मई 1802 में भारत पहुंची। तत्कालीन बंबई के तीन वर्षीय अन्ना दुस्थाल को भारत में पहली बार 14 जून, 1802 में इसकी पहली खुराक पिलाई गई। तब से लेकर वैक्सीन के बारे में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। 1827 में बांबे सिस्टम ऑफ वैक्सीनेशन शुरू किया गया। इसके तहत वैक्सीनेशन करने वाले लोग एक जगह से दूसरी जगहों की यात्रा करने लगे। दो तिहाई टीकाकरण इसी तरीके से होता है, शेष एक तिहाई डिस्पेंसरी प्रणाली से होता है। चेचक को महामारी बनने से रोकने के लिए 1892 में अनिवार्य टीकाकरण कानून पारित हुआ। 1850 तक चेचक का टीका ग्रेट ब्रिटेन से आयात किया जाता था। वैक्सीन की किल्लत आई तो 1832 और 1879 में क्रमशः बंबई और मद्रास में चेचक के टीके के विकास का प्रयास हुआ लेकिन कामयाबी मिली 1880 में।

कॉलरा वैक्सीन का परीक्षण: ब्रिटिश सरकार की सिफारिश पर भारत सरकार ने डॉ हॉफकिन के उस अनुरोध को स्वीकार किया जिसमें उन्होंने कॉलरा के वैक्सीन के परीक्षण की अनुमति मांगी थी। 1893 में हॉफकिन ने आगरा में परीक्षण किया। यह सफल रहा। 1896 में भारत में प्लेग महामारी फैली। इसी ने एपिडेमिक एक्ट 1896 बनाने में भूमिका निभाई। मुंबई के ग्रांट मेडिकल कॉलेज में डॉ हॉफकिन को टीके विकसित करने के लिए दो कमरे दिए गए। 1897 में प्लेग की वैक्सीन बनी। यह देश में बनने वाली पहली वैक्सीन थी। 1899 तक इस लैब को प्लेग लैबोरेटरी कहा गया। 1905 में इसका नाम बांबे बैक्टीरियोलॉजिकल लैब हुआ और 1925 में नाम बदलकर हॉफकिन इंस्टीट्यूट किया गया।

वैक्सीन मैन्युफैक्चरिंग: बीसवीं सदी के शुरुआती वर्षों तक कम से कम चार वैक्सीन (चेचक, कॉलरा, प्लेग और टायफाइड) की देश में सुलभता सुनिश्चित हो चुकी थी। चेचक वैक्सीन लिंफ 1890 में शिलांग में भी तैयार होने लगा। 1904-05 में सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट हिमाचल प्रदेश के कसौली में स्थापित हुआ। 1907 में दक्षिण भारत के कूनूर में पाश्चर इंस्टीट्यूट स्थापित हुआ। इसने 1907 में न्यूरॉल टिश्यू एंटी रैबीज वैक्सीन तैयार किया। यहीं से एनफ्लूएंजा, पोलियो की ओरल खुराकें बनीं।

ट्यूबरकुलोसिस से जंग: 1948 में टीबी को महामारी जैसा माना गया। इससे लड़ने के लिए मद्रास और तमिलनाडु में बीसीजी वैक्सीन लैबोरेटरी स्थापित की गई। अगस्त 1948 में पहली बीसीजी वैक्सीनेशन किया गया। 1962 में शुरू हुए राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम का बीसीजी वैक्सीनेशन हिस्सा बना। आजादी के बाद 1977 तक देश की वैक्सीन निर्माता इकाईयों में डीपीटी, डीटी, टीटी और ओपीवी जैसे टीके बनने लगे। तब से लगातार अपने ईपीआइ और यूआइपी कार्यक्रमों के तहत तेज टीकाकरण के माध्यम से चेचक, पोलियो जैसे कई रोगों का भारत उन्मूलन कर चुका है।

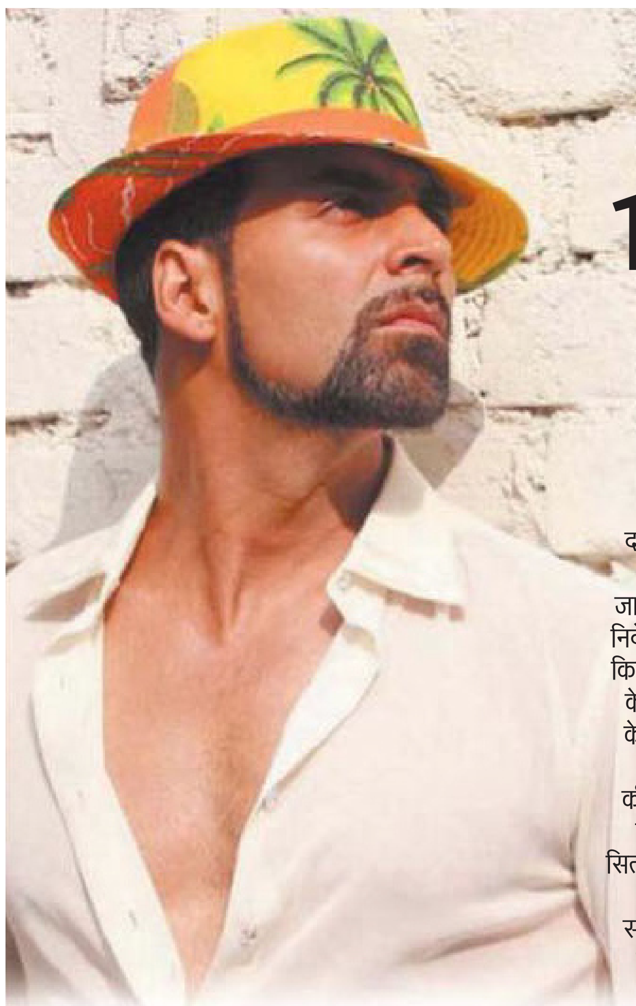

निर्देशक सुनील दर्शन के साथ 100 फिल्मों का कॉन्ट्रेक्ट साइन करना चाहते थे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार बॉलीवुड के सबसे बिजी एक्टर में से एक हैं। अक्षय ने बॉलीवुड के लगभग सभी निर्देशकों के साथ काम किया है। 2000 के दशक की शुरुआत में सुनील दर्शन और अक्षय कुमार के बीच फिल्मों में लंबे समय तक मजबूत सहयोग चला था। इस जोड़ी ने 1999 में आई जानवर फिल्म की सफलता के साथ शुरुआत की थी। अब अभिनेता और निर्देशक की यह जोड़ी फिर चर्चा में है। दरअसल, सुनील दर्शन ने खुलासा किया है कि अक्षय उनके साथ 100 फिल्में करना चाहते थे। उन्होंने अक्षय के साथ अपनी फिल्मों और बॉन्डिंग को लेकर बातचीत की। एक इंटरव्यू के दौरान सुनील ने कहा, हमने सात साल तक साथ काम किया। वो सात साल तब शुरू हुए, जब एक दिन उन्होंने मुझसे मिलने की इच्छा जाहिर की। जब मैं अक्षय से पहली बार मिला तो उन्होंने मेरे साथ काम करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा, मैंने अक्षय की ईमानदारी देखी और उन बड़े सितारों को छोड़ दिया, जो मेरे लिए उपलब्ध थे। मैंने उनके साथ काम करने का फैसला किया और हमने सात साल में सात फिल्में बनाईं। अक्षय के साथ मेरी फिल्म 'जानवर' सुपरहिट हो गई थी। कई कलाकार मेरे साथ काम करना चाहते थे। अक्षय एक दिन मुझे अपनी गाड़ी में घुमाने लेकर गए। सुनील ने बताया, अक्षय ने मुझसे कहा कि आपको दूसरे अभिनेताओं से संपर्क क्यों करना है। मैं आपके साथ 100 फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट साइन करने के लिए तैयार हूं। मैंने उनसे कहा कि इसकी जरूरत नहीं है। जब तक हम एक-दूसरे के साथ सहज रहेंगे, हम साथ काम करेंगे। सुनील ने कहा, उन सात वर्षों में एक दिन अक्षय अपने आप मेरे पास आए थे और एक दिन वह अपनी मर्जी से चले गए, लेकिन मैं हमेशा उनकी तरक्की के लिए कामना करता हूं। मैं चाहता हूं कि अक्षय के सितारे हमेशा बुलंद रहें। वह और आगे बढ़ें। मेरे लिए वह एक दोस्त, बेटे और भाई की तरह थे। हमारे बीच एक खास जुड़ाव रहा। फिल्मों से परे हमारा एक बेहद करीबी रिश्ता था, जो मजबूत था। अक्षय को लेकर सुनील ने पहली बार फिल्म 'जानवर' बनाई थी, जो कि बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। यह फिल्म 1999 में रिलीज हुई थी। इसके बाद उनकी फिल्म 'एक रिश्ता' रिलीज हुई। फिर दोनों ने दोस्ती फ्रेंड्स फोरएवर में साथ काम किया। अंदाज, तलाश : द हंट बिगंस और हां मैंने भी प्यार किया है में भी अक्षय ने मुख्य भूमिका निभाई। 2006 में आई फिल्म 'मेरे जीवन साथी' दोनों की साथ में आखिरी फिल्म थी।

मैं कभी अपनी असली पर्सनालिटी नहीं दिखाना चाहती थी

टेलीविजन की टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार हिना खान सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से खूब पॉपुलर हुई थीं। हिना खान ने इसी शो से टीवी की दुनिया में कदम रखा था। इस शो में हिना अक्षरा का किरदार निभाकर घर-घर मशहूर हो गई थीं। लेकिन 8 साल तक काम करने के बाद अचानक हिना से इसे अलविदा कहकर दर्शकों पर निराश कर दिया था। हिना के इस फैसले के पीछे उनका मेकओवर बताया गया था। अब इतने सालों बाद हिना ने इसे छोड़ने का असली कारण बताया है। एक इंटरव्यू के दौरान हिना ने कहा कि किसी मेकओवर के लिए मैंने नहीं छोड़ा, मैं बस अपने शो में काम करते करते थक चुकी थी। मुझे एक ब्रेक की जरूरत थी।

नहीं पता था कि मेरी इमेज बदल जाएगी

ई टाइम्स की खास बातचीत में हिना ने कहा कि 8 सालों से इस शो कि हिस्सा थी। हालांकि, जब मैंने इस शो छोड़ने का फैसला किया तो मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि दूसरी दुनिया में मुझे इतना प्यार और सम्मान मिलेगा। मैंने कभी अपनी इमेज बदले की सोच रखकर इस शो को नहीं छोड़ा था और न ही मुझे पता था कि ऐसा कुछ होने वाला है। वह आगे कहती हैं कि मैं कभी अपनी असली पर्सनालिटी लोगों को नहीं दिखाना चाहती थी। मैंने ये बात कभी नहीं सोची थी कि शो छोड़ने से मेरी इमेज बदल जाएगी।

8 सालों से काम कर थक चुकी थी

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' शो छोड़ने के पीछे का कारण बताते हुए हिना आगे कहती हैं कि मैं बस अपने शो में काम करते-करते थक चुकी थी। इसलिए मुझे एक ब्रेक की जरूरत थी। जो मैंन लिया भी। शायद यही कारण था जब बिग बॉस से ऑफर आया तो मना नहीं कर पाई।

फैंस के लिए फैशन दीवा बन गई

बिग बॉस 11 के घर में जाने के बाद तो पूरा गेम ही बदल गया। बिग बॉस का हिस्सा बनने के बाद मुझे इस बात का एहसास नहीं हुआ। लेकिन शो के खत्म होने के बाद मुझे पता चला कि लोग मुझे पसंद कर रहे हैं। उनको मेरे कपड़े बहुत अच्छे लग रहे हैं। लोग मेरे लुक की तारीफ करते थे। लोगों ने मुझे अलग नजरिए से देखना शुरू कर दिया था। मैं फैंस के लिए फैशन दीवा बन गई, लोग मुझे फॉलो करने लगे थे। तब मुझे एहसास हुआ कि अब मुझे ऐसे ही आगे बढ़ते रहना होगा।

महेश बाबू की फिल्म में आएंगी नजर शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के नाम का डंका एक समय फिल्म इंडस्ट्री में बजता था। लेकिन पिछले लंबे समय से एक्ट्रेस बॉलीवुड से गायब चल रही हैं। वह फिल्म निक्कमा से बॉलीवुड में कमबैक करने वाली हैं। ताजा खबरों के अनुसार शिल्पा करीब 20 साल बाद तेलुगु सिनेमा में वापसी करने जा रही हैं। खबरों के अनुसार शिल्पा शेट्टी महेश बाबू स्टारर में अहम किरदार में नजर आने वाली हैं। बताया जा रहा है कि हाल ही में फिल्म के लिए शिल्पा से संपर्क किया गया। इस फिल्म को लेकर पहले ही दर्शक बेहद उत्साहित हैं और अब इससे शिल्पा का नाम भी जुड़ गया तो बेशक फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह दोगुना हो जाएगा। बताया जा रहा है कि शिल्पा फिल्म में महेश बाबू की चाची का किरदार निभा सकती हैं। हालांकि, अभी इस खबर की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। शिल्पा ने 1996 में 'शशा वीरुदू सागरा कन्या' से साउथ में कदम रखा था। इसमें उनके काम की सराहना हुई थी और इसके लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस के फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट भी किया गया था। शिल्पा को साउथ में आखिरी बार 2001 में रिलीज हुई तेलुगु फिल्म 'भलेवादिवी बैसू' में देखा गया था। महेश बाबू की यह फिल्म साउथ की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह अगले साल गर्मियों में रिलीज होगी। खबर आई थी कि महेश बाबू इस फिल्म में रॉ एजेंट की भूमिका निभाते नजर आ सकते हैं। वह इसमें एक अनदेखे अवतार में नजर आएंगे। अगस्त से इस फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। फिल्म के निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास हैं।

शिल्पा शेट्टी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'निकम्मा' से 13 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। सब्बीर खान इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। इसके अलावा वह फिल्म 'हंगामा 2' में भी अहम भूमिका निभाती दिखेंगी। प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनके साथ परेश रावल, मिजान जाफरी और राजपाल यादव नजर आएंगे।

कोरोना पीड़ितों के समर्थन में आए अभिनेता करण खंडेलवाल

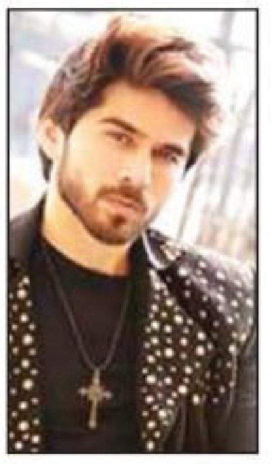

टेलीविजन अभिनेता करण खंडेलवाल का कहना है कि वह उन लोगों को मदद जुटाने की कोशिश कर रहे हैं, जो महामारी की वजह से बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। अभिनेता ने कहा, ''मैंने दो गैर सरकारी संगठनों के साथ हाथ मिलाया है। इनमें से एक की शुरूआत मेरे एक दोस्त ने की है। ये कोरोना मरीजों को बेड, ऑक्सीजन, दवाइयां डोनेट करते हैं। इसके साथ ही इनके द्वारा हर रोज 100 लोगों को खाना पहुंचाया जाता है। मैं सैनेटाइजेशन अभियान चलाने वाले एक संगठन के साथ भी जुड़ा हूं।'' 'करण हवाएं', 'सिद्धि विनायक' और 'साथ निभाना साथियां' जैसे टेलीविजन धारावाहिकों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। वह फिलहाल शो 'रंजू की बेटियां' में लकी का किरदार निभा रहे हैं, जिसे दंगल टीवी पर प्रसारित किया जाता है।

क्या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी भूत पुलिस?

कोरोनावायरस ने ? फिल्म इंडस्ट्री पर भी काफी बुरा असर डाला है। इस महामारी के कारण बीते साल से ही कई फिल्में थिएटर की बजाय ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है। हाल ही में खबरें आई थी कि अर्जुन कपूर की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत पुलिस' भी सीधे ग्ट्ट्ट प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो सकती है। अब एक इंटरव्यू में अर्जुन कपूर ने फिल्म की डिजिटल रिलीज की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म थिएटर में रिलीज होगी। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'सरदार का ग्रैंडसन' के प्रमोशन के दौरान अर्जुन ने कहा था कि कोरोना महामारी के हालात सामान्य होने के बाद 'भूत पुलिस' को बड़े पर्दे पर रिलीज किया जाएगा। उन्होंने कहा था, यह फिल्म थिएटर में रिलीज होगी, जब हमारे आसपास की स्थितियां सामान्य होती हुई नजर आएंगी। बताया जा रहा था कि मेकर्स ने 'भूत पुलिस' को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने का फैसला लिया है। कोरोना महामारी के कारण देश में बहुत अनिश्चितता का वातावरण है। कोई इस बात की पुष्टि नहीं कर सकता कि देश में हालात कब सामान्य होंगे। इस दौरान दर्शकों की आदतों में बदलाव आया है। फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो सकती है। बता दें कि फिल्म में अर्जुन कपूर, यामी गौतम और जैकलीन फर्नांडिस दिखेंगी। इस फिल्म की घोषणा साल 2019 में की गई थी। फिल्म के बड़े हिस्से को डलहौजी, धर्मशाला और जैसलमेर में कोरोना महामारी के दौरान शूट किया गया है। फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग मुंबई में हुई है। इस फिल्म को रमेश और अक्षय पुरी ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है, जबकि जया तौरानी ने फिल्म निर्माण में सहयोग किया है। फिल्म को पवन कृपलानी द्वारा निर्देशित किया गया है। पहले सैफ, अली फजल और फातिमा सना शेख के साथ इस फिल्म की घोषणा की गई थी। इसके बाद फिल्म में अली और फातिमा की जगह अर्जुन व जैकलीन को शामिल किया गया।

पीकाबू का रोल करने के मूड में हैं सनी लियोनी

सनी लियोनी के लिए सब ग्रीन है, उन्होंने शनिवार को अपने नए सोशल मीडिया पोस्ट में प्रशंसकों के लिए पीकाबू का पोस्ट डाला। सनी ने इंस्टाग्राम पर फ्लोर-स्वीपिंग ग्रीन फ्रिल्ड शोल्डर ड्रेस पहने एक बूमरैंग वीडियो पोस्ट किया। क्लिप में, वह अपने चेहरे को ढककर और फिर उसे दोबारा करते हुए एक त्वरित पीकू क्रिया करती है। उन्होंने कैप्शन के में लिखा, 'पीकाबू'। सनी फिलहाल केरल में अपनी आने वाली साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'शेरो' की शूटिंग कर रही हैं। यह फिल्म श्रीजीत विजयन द्वारा निर्देशित की जा रही है और यह तमिल, हिंदी, तेलुगु और मलयालम में रिलीज होने वाली है। अभिनेत्री विक्रम भट्ट द्वारा निर्देशित वेब श्रृंखला 'अनामिका' के साथ अपना डिजिटल डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

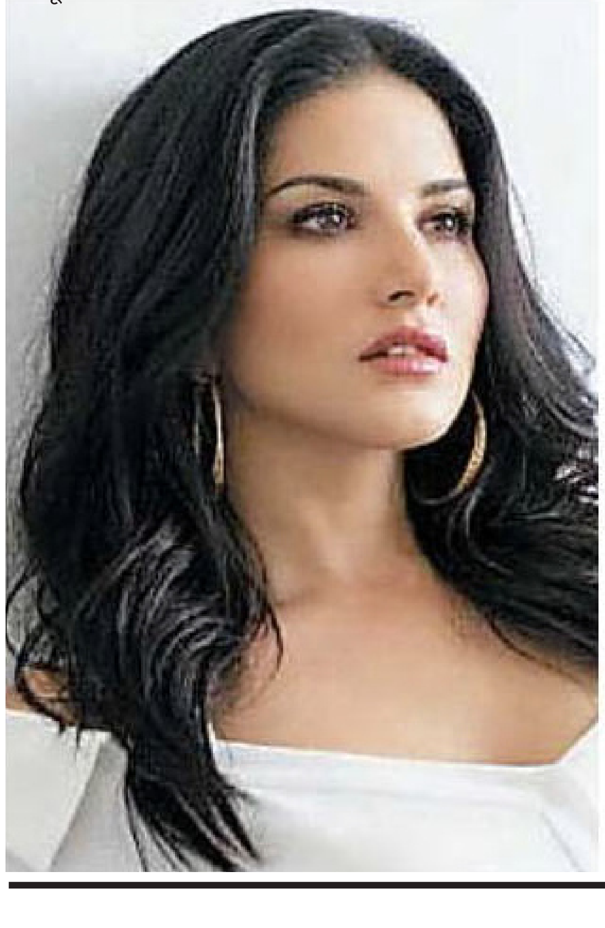

अपने पहले ही म्यूजिक वीडियो 'वफा ना रास आये' से छाईं अरुशी निशंक

अरुशी निशंक हमेशा संभावनाओं के नए क्षितिज की खोज में रहती हैं, अब वह बॉलीवुड में अपनी प्रतिभा से लोगों का दिल जीत रही हैं। टी-सीरीज के बैनर तले नवीनतम संगीत वीडियो 'वफा ना रास आये' से उन्होंने डेब्यू किया है। यह गाना रिलीज होने के कुछ घंटों के भीतर ट्रेंड कर रहा था। अरुशी निशंक को अपने प्रशंसकों से सराहना मिल रही है, इस गीत के बाद हेयर स्टाइल और स्टाइलिंग का एक नया चलन शुरू हुआ है। वीडियो बनाने की अपनी यात्रा पर अरुशी ने कहा- यह मेरे लिए वास्तव में चुनौतीपूर्ण था क्योंकि यह मेरा पहला प्रोजेक्ट था और मैं शायद ही तकनीकी भाषा जानता था लेकिन उनके सह-अभिनेता और निर्देशक इतने कॉर्पोरेट और मददगार थे कि वह चीजों को एक में हासिल कर सकती हैं। आसान तरीका है, दूसरी बात यह है कि जनवरी के महीने में कश्मीर में शूट किया गया था, इतने अनुकूल मौसम में शूट करना वास्तव में कठिन था, लेकिन एक साथ वफा ना रास आई की यात्रा आनंदमय थी। उत्तराखंड की रहने वाली अरुशी आम तौर पर युवाओं और खासकर महिलाओं पर काफी प्रभाव छोड़ने में कामयाब रही है। उन्हें भारत सरकार और उत्तराखंड द्वारा कई पुरस्कारों और मान्यताओं के साथ सम्मानित किया गया है। वह सरकार के नेतृत्व में सामाजिक सुधार कार्यक्रमों के एक सक्रिय प्रवर्तक भी हैं। उन्होंने अपने खुद के कैलिबर और प्रतिभा द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान स्थापित की है। सभी चुनौतियों को समझते हुए, उसने अपने लिए एक जगह बनाई है। वैश्विक ख्याति के एक समर्पित कथक नर्तक होने के अलावा। अरुशी निशंक ने उद्यमिता, कविता और साहित्य, फिल्म निर्माण के क्षेत्र में अपने पदचिह्न छोड़ दिए हैं। स्वच्छ नदी गंगा के प्रति जागरुकता जगाना एक आंदोलन रहा है जिसका स्तंभ अरुशी रही हैं। अरुशी निशंक ने 2008 में स्पर्श गंगा अभियान के अभियान में सक्रिय रूप से शामिल होकर पर्यावरण के क्षेत्र में योगदान दिया है और गंगा को प्रदूषण और अशुद्धियों से मुक्त करने का संकल्प लिया है। अरुशी पर्यावरणीय चिंताओं और सतत विकास के लिए एक प्रमुख वकील बन गई। अरुशी निशंक ने अंतरराष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की जिसे संयुक्त राष्ट्र का भी समर्थन प्राप्त है। चेयरपर्सन के रूप में, अरुशी सक्रिय रूप से कम लड़की अनुपात और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी और महिला सुरक्षा पर और शिक्षा के माध्यम से महिला के लिए आर्थिक स्वतंत्रता में सुधार के लिए काम कर रही है। काव्य मूर्त दुनिया के बारे में किसी की धारणाओं और संवेदनाओं को व्यक्त करने का एक और लयबद्ध तरीका है। धरती स्वर्ग बनुंगी और कलाम मशाल बन जाए कविता की दो पुस्तकें हैं जो अब तक भारत में प्रकाशित हुई हैं। अरुशी एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित भारतीय शास्त्रीय कथक प्रतिपादक हैं, जो अपने कला रूप में एक कुशल कलाकार हैं। उन्होंने 16 साल की अवधि में 15 से अधिक देशों में रचना और प्रदर्शन किया है। अरुशी निशंक एक ऐसा नाम है जो लालित्य, स्थापना और कला को अपने साथ रखता है। उनके जैसे बहुआयामी व्यक्ति से हमेशा संभावनाओं के नए क्षितिज तलाशने के लिए जीवन और उत्साह से भरे रहने की उम्मीद की जाती है। उन्होंने हिमश्री फिल्म्स नाम से अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस स्थापित किया। वर्ष 2018 में, उन्होंने हिमश्री फिल्म्स के तहत एक क्षेत्रीय फिल्म मेजर निराला का निर्माण किया।

रेसलर सुशील की मुश्किलें बढ़ीं : सागर मर्डर केस में पुलिस ने बवाना और काला-आसोदा गैंग के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया

घटना वाले दिन सुशील के साथ स्टेडियम में मौजूद थे

ऑकलैंड। दिल्ली पुलिस ने छत्रसाल स्टेडियम में हुए रेसलर सागर मर्डर केस में आरोपी सुशील कुमार के 4 और साथियों को गिरफ्तार किया है। यह सभी हरियाणा के रहने वाले हैं और सागर को मारने के लिए यह बहुदरगढ़ के आसोदा गांव से दिल्ली आए थे। यह चारों आरोपी नीरज बवाना गैंग और काला-आसोदा गैंग के सदस्य हैं।

चारों आरोपियों ने पुलिस के सामने घटना वाली रात सुशील के साथ स्टेडियम में होने की बात भी स्वीकार कर ली है। सुशील और उसके साथियों पर 4 मई की देर रात 23 साल के जूनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियन सागर और कुछ दोस्तों को किडनैप करने और उसे स्टेडियम लाकर बुरी तरह से पीटने का आरोप है। सागर ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था।

बवाना और काला-आसोदा गैंग के सदस्य

दिल्ली पुलिस ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि गिरफ्तार किए गए 4 आरोपियों की पहचान भुपेंदर (38), मोहित असोदा (22), गुलाब (24) और मंजीत (29) के रूप में हुई है। भुपेंदर बहादुरगढ़ के आसोदा गांव के पूर्व सरपंच राजीव उर्फ काला का करीबी है। 2011 में राजीव को डबल मर्डर केस में गिरफ्तार किया गया था। फरवरी, 2021 में वह जेल से छूटा और तब से वह बदला लेने के लिए अपनी गैंग बना रहा था।

पुलिस ने घेवरा रेलवे क्रॉसिंग से गिरफ्तार किया

पुलिस के मुताबिक, मोहित गैंगस्टर नवीन बाली का खास है। नवीन

नीरज बवाना के गिरफ्तार होने के बाद से उसका गैंग चला रहा है। पुलिस ने बताया कि हमें 25 मई को जानकारी मिली थी कि काला-आसोदा और बवाना गैंग के 4 सदस्य जो कि सागर की हत्या में शामिल थे, वे घेवरा गांव आ रहे हैं। उन्हें अपने किसी खास आदमी से मिलना था। इस जानकारी के आधार पर हमने घेरवा रेलवे क्रॉसिंग के पास जाल बिछाया और चारों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस सायरन सुन स्टेडियम से भाग खड़े हुए थे

पुलिस ने कहा कि इन सभी ने छत्रसाल स्टेडियम आने की बात स्वीकार कर ली है। यह सभी 4 मई की देर रात 12 बजे के आसपास स्टेडियम पहुंचे थे। इनके पास 2 गाड़ियां थीं। इनमें स्कॉर्पियो और ब्रीजा कार शामिल है। यह सागर मामले में पूरी तरह शामिल थे और इन्होंने सीक्वेंस में हमें पूरी घटना की जानकारी दी है। आरोपियों ने बताया कि घटना वाले दिन पुलिस सायरन सुनने के बाद वे गाड़ियों को नहीं ले जा पाए और हथियार को भी स्टेडियम में छोड़कर भाग खड़े हुए थे।

सागर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ था बड़ा खुलासा

सागर के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी बड़ा खुलासा हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक, सागर पर किसी धारदार हथियार से हमला किया गया था और उसके शरीर पर 1 से 4 सेंटीमीटर गहरे जख्म मौजूद हैं। उसकी मौत भी सिर में गंभीर चोट आने की वजह से हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, सागर के सिर पर भी किसी धारदार हथियार से हमला किया गया था। सागर की छाती पर 5*2 और पीठ पर 15*4 के सेंटीमीटर गहरे जख्म हैं। इसकी वजह से खून ज्यादा बह गया। इतना ही नहीं सागर के शरीर पर चोट के निशान नीले पड़ गए थे। अब विसरा और ब्लड सैंपल की भी जांच की जा रही है। डॉक्टर के मुताबिक ये जख्त उसकी मौत से पहले के हैं।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिपः थापा ने सुनिश्चित किया लगातार पांचवां पदक, विश्व चैंपियन से हारे हुसामुद्दीन

कुवैत। अनुभवी मुक्केबाज शिव थापा (64 किग्रा) ने क्वार्टरफाइनल में कुवैत के नादेर ओदाह को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाते हुए एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में लगातार पांचवां पदक सुनिश्चित किया। थापा ने एकतरफा मुकाबले में कुवैत के मुक्केबाज को 5-0 से हराया। सेमीफाइनल में थापा का सामना गत चैंपियन और शीर्ष वरीय ताजिकिस्तान के बखोदुर उस्मोनोव से होगा। उस्मोनोव ने जॉन पॉल पानुआयन को हराया। थापा ने 2013 में एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण, 2015 और 2019 में कांस्य और 2017 में रजत पदक जीता। मौजूदा टूर्नामेंट में उनका कम से कम कांस्य पदक जीतना तय हो गया है। उन्होंने टूर्नामेंट के इतिहास के सबसे सफल भारतीय मुक्केबाज के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। थापा ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और विरोधी मुक्केबाज उन्हें कोई टक्कर नहीं दे पाया। असम के मुक्केबाज ने विशेषकर अपने बायें हाथ से लगाए मुक्कों से प्रभावित किया।

विश्व चैंपियन से हारे मोहम्मद हुसामुद्दीन

वहीं, राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (56 किग्रा) को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान के गत विश्व चैंपियन मिराजिजबेक मिर्जाहालिलोव के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। भारतीय मुक्केबाज ने शीर्ष वरीय गत चैंपियन को कड़ी टक्कर दी लेकिन इसके बावजूद उन्हें खंडित फैसले में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले भारत को एक और निराशा हाथ लगी जब सोमवार देर रात हुए मुकाबले में सुमित सांगवान को पुरुष लाइट हैवीवेट वर्ग (81 किग्रा) में ईरान के मेसाम घेसलाघी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

ओलंपिक ट्रायल्सः पैरा खिलाड़ियों के वीजा के लिए TTFI ने विदेश मंत्रालय से मदद मांगी

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने अपने पैरा खिलाड़ियों के लिए वीजा हासिल करने के मद्देनजर विदेश मंत्रालय से संपर्क किया है। पैरा खिलाड़ियों को अगले महीने स्लोवेनिया में तीन से पांच जून तक होने वाले ओलंपिक ट्रायल्स में हिस्सा लेने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की मंजूरी मिल गई है। खेल मंत्रालय की मदद इसलिए मांगी गई है क्योंकि दिल्ली में स्लोवेनियाई दूतावास कोविड-19 लॉकडाउन के कारण बंद है। टीटीएफआई ने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखा था।

खेल मंत्रालय का फैसलाः सात राज्यों में 143 खेलो इंडिया केंद्र खोलेगी सरकार

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने के लिए सात राज्यों में कुल 143 खेलो इंडिया केंद्र खोलने का फैसला किया है। इस पर कुल 14.30 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इन केंद्रों को महाराष्ट्र, मिजोरम, गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में स्थापित किया जाएगा। प्रत्येक केंद्र में किसी एक खेल की सुविधा उपलब्ध होगी।

खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने बयान में कहा, 'भारत को 2028 ओलंपिक में शीर्ष दस देशों में शामिल करने का हमारा प्रयास है। इसे हासिल करने के लिए हमें खिलाड़ियों की उनकी छोटी उम्र में ही पहचान करने और उन्हें निखारने की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा, 'जिलास्तरीय खेलो इंडिया केंद्रों पर अच्छे प्रशिक्षकों और उपकरणों की मौजूदगी में मुझे विश्वास है कि हम सही समय पर सही खेल के लिए सही बच्चे ढूंढने में सफल रहेंगे।' मंत्रालय ने जून 2020 में चार साल में 1000 खेलो इंडिया केंद्र खोलने की योजना बनाई थी। इनमें से कम से कम प्रत्येक जिले में एक केंद्र खोलने की योजना है।

फुटबॉल में फेल हुए विराट कोहली

फ्री-किक पर गोल नहीं कर सके कोहली, क्रॉसबार से टकराकर दूर गई गेंद; फैन्स बोले- मेसी और रोनाल्डो से बेहतर प्रयास था

मुंबई। भारतीय टीम 2 जून को इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होगी। इससे पहले सभी भारतीय खिलाड़ी मुंबई में बायो-बबल में सख्त क्वारैंटाइन नियमों का पालन कर रहे हैं।

इसी कड़ी में विराट ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट की है। जिसमें वे फुटबॉल खेलते दिख रहे हैं।

इसमें वे लॉन्ग रेंज से एक फ्री-किक लेते हैं। पर बॉल गोल पोस्ट पर क्रॉसबार से टकरा जाती है और विराट गोल मिस कर देते हैं। फैन्स ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह शॉट फुटबॉल के दो दिग्गज अर्जेंटीना के लियोनल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो से बेहतर था।

विराट का फुटबॉल से भी बेहद लगाव है

विराट ने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा- एक्सीडेंटल क्रॉसबार चैलेंज। इसके साथ ही उन्होंने एक हंसने वाली इमोजी भी डाली है। वीडियो में गोल न कर पाने के बाद विराट हाथ से मुंह भी छिपा लेते हैं। विराट को क्रिकेट के

साथ-साथ फुटबॉल में भी काफी दिलचस्पी है।

FC गोवा में विराट की 12फीसदी की हिस्सेदारीः यह कारण है कि वे भारत की घरेलू फुटबॉल लीग इंडियन सुपर लीग में फ्रैंचाइजी FC गोवा के सह मालिक हैं। उनकी फ्रैंचाइजी में 12फीसदी की हिस्सेदारी है। विराट के इस फुटबॉल वाले वीडियो पर स्रष्ट गोवा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- वाह! क्या कोशिश थी। इसके अलावा भी वे कई बार एक्टर्स और प्लेयर्स के बीच फुटबॉल मैच में खेलते दिखे थे।

विराट के फेवरेट हैं क्रिस्टियानो रोनाल्डो

पिछले साल विराट और भारतीय फुटबॉल टीम के दिग्गज खिलाड़ी सुनील छेत्री के बीच गॉसिप का एक वीडियो भी सामने आया था। रोनाल्डो विराट के फेवरेट प्लेयर हैं। विराट ने कहा- सारे एथलीट रोनाल्डो की तरफी देखते हैं। उनका स्पोर्ट्स में योगदान अतुलनीय है।

सोशल मीडिया पर फैन्स ने विराट की तारीफ की

सोशल मीडिया पर फैन्स ने भी इस पर खूब रिएक्ट किया। एक फैन ने लिखा, फाइनली इतने दिनों बाद कोई अच्छा पोस्ट देखने को मिला। वहीं, दूसरे फैन ने लिखा- यह कोशिश रोनाल्डो और मेसी से बेहतर थी। एक और फैन ने लिखा- वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और इंग्लैंड सीरीज के लिए शुभकामनाएं। वहां टीम को आपके मास्टरक्लास की जरूरत होगी। वहीं, दूसरे फैन ने लिखा- आप दुनिया के बेस्ट फुटबॉलर हैं।

अपीलः तीरंदाजी संघ ने कहा- तीरंदाजों को विश्व कप में खेलने का मिले मौका

कराची। भारतीय महिला तीरंदाजों का बतौर टीम ओलंपिक में खेलने का सपना अब तीरंदाजी की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड आर्चरी और पेरिस विश्व कप आयोजन समिति पर निर्भर है।

वर्ल्ड आर्चरी के हस्तक्षेप के बाद आयोजन समिति ने भी भारतीय तीरंदाजों की भागीदारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। यही नहीं फ्रांस की ओर से भारत में फैले कोरोना के चलते छोटी अवधि का वीजा देने से इंकार किए जाने के बाद विदेश मंत्रालय भी बीच में कूद पड़ा है। उसने भी भारतीय तीरंदाजों का वीजा देने की गुहार लगाई है।

आयोजन समिति चाहती है भारतीय टीम की भागीदारी

टोक्यो ओलंपिक के लिए पुरुष टीम और दीपिका कुमारी कोटा हासिल कर चुके हैं, लेकिन महिला टीम को ओलंपिक में खेलने केलिए पेरिस विश्व कप में कोटा हासिल करना होगा। फ्रांस के इंकार के बाद उसकी भागीदारी पर ही तलवार लटक गई है। एएआई के एक पदाधिकारी के अनुसार टीम को विश्व कप में खिलाने की पूरी कोशिशें की जा रही हैं। वर्ल्ड आर्चरी और आयोजन समिति से बात जारी है। पहले यह प्रस्ताव रखा गया कि भारतीय तीरंदाजों को 10 दिनों का एकांतवास किसी अन्य देश में करा दिया जाता है, लेकिन इस पर अंतिम राय नहीं बन पाई।

अब आयोजन समिति ने फ्रांस में ही पेरिस के बाहर भारतीय टीम के 10 दिन के एकांतवास की योजना बनाई है। आयोजन समिति भी अपने देश को लिखने जा रही है कि ओलंपिक क्वालिफाइंग को देखते हुए भारतीय टीम को वीजा दिया जाए।

तो अकेले दीपिका ही खेलेंगी टोक्यो में

तीरंदाजों को पेरिस विश्व कप में नहीं खेलने दिया जाता है तो टोक्यो में पुरुष टीम के साथ दीपिका कुमारी को ही खेलना पड़ेगा। पेरिस के लिए महिला टीम में दीपिका कुमारी, अंकिता भक्त, कोमालिका बारी और मधु वेदवान का चयन किया गया है। ओलंपिक में टीम में तीन सदस्यीय टीम खेलेगी।

द्रविड के नक्शेकदम पर शॉः पृथ्वी बोले-

राहुल सर अनुशासन से समझौता नहीं करते, उन्होंने कभी बल्लेबाजी की शैली में बदलाव करने के लिए नहीं कहा

मुंबई। भारतीय टीम के ओपनर पृथ्वी शॉ ने नेशनल क्रिकेट अकेडमी के डायरेक्टर और इंडिया अंडर-19 के कोच रह चुके राहुल द्रविड़ की तारीफ की है। शॉ ने क्रिकेट वेबसाइट क्रिक बज को दिए इंटरव्यू में कहा है कि पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ ने उन्हें अपना नेचुरल गेम खेलने की सलाह दी। कभी भी उन्होंने बल्लेबाजी शैली में बदलाव करने के लिए नहीं कहा।

शॉ ने कहा,' हमने द्रविड़ सर के साथ दो साल पहले दौरा किया था। हमें पता था कि उनकी बैटिंग शैली अलग है, लेकिन उन्होंने कभी हम लोगों को अपने जैसा बैटिंग करने के लिए नहीं कहा। वे हमेशा नेचुरल गेम खेलने की लिए ही कहते थे। वह जानते थे कि अगर मैं अपना नेचुरल गेम खेलता हूं, तो मुझे पावर प्ले ओवर में आउट करना कठिन है।'

द्रविड़ को अनुशासन पसंद है

शॉ की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2018 में अंडर-19 वर्ल्ड कप जीते थे। उस समय टीम के कप्तान राहुल द्रविड़ ही थे। शॉ ने कहा- जब द्रविड़ सर होते हैं, तो सभी को अनुशासन में रहना पड़ता है, उनसे डर भी लगता है । लेकिन मैदान के बाहर उनका व्यवहार एकदम अलग ही होता है। वह दोस्त की तरह होते हैं। वह आपके साथ डिनर में शामिल होते हैं। सभी खिलाड़ियों से बात करते हैं। उन जैसे खिलाड़ी के साथ डिनर करना युवा खिलाड़ियों के

लिए ड्रीम पूरा होना जैसा होता है। उन्होंने 15-16 साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेले हैं। हर युवा खिलाड़ी उनके साथ डिनर करना पसंद करता है। उनके साथ बात करना मेरे लिए हमेशा अच्छा अनुभव रहा है। मुझे यकीन है कि द्रविड़ सर भी अंडर-19 और रणजी खेलने के दौरान इस दौर से गुजरे होंगे। उन्हें पता है कि युवा खिलाड़ियों से उनकी क्षमता के अनुसार किस करना प्रदर्शन कराना है। हर खिलाड़ी से बात करते हैं और उसको प्रोत्साहित करते हैं।

टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की तैयारीः बायो-बबल में जमकर पसीना बहा रहे इशांत, शमी और पंत

BCCI ने वीडियो शेयर किया, कहा- समय के साथ हम और मजबूत हो रहे

मुंबई। अगले महीने होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल को लेकर टीम इंडिया के खिलाड़ी जमकर मेहनत कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो में इशांत शर्मा, मोहम्मद शमी और ऋषभ पंत समेत पूरी टीम जिम में वर्क-आउट करती दिख रही है।

बोर्ड ने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा- हम समय के साथ और मजबूत होते जा रहे हैं। भारत को 18 जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ WTC फाइनल खेलना है।

बोर्ड ने वर्क-आउट के लिए पुख्ता इंतजाम किया

भारतीय महिला और पुरुष दोनों टीमों को अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करना है। इसके लिए ज्यादातर खिलाड़ी 19 मई से मुंबई में क्वारैंटाइन हैं। वहीं, विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे समेत कुछ खिलाड़ी 24 मई को बायो-बबल में आए। देर से बायो-बबल में एंट्री करने वाले खिलाड़ियों को पहले एंट्री करने वाले खिलाड़ियों से मिलने की इजाजत नहीं दी गई है और उनके लिए अलग से रूम में ही वर्क आउट की सुविधा है।

साफ-सफाई और हाइजीन का रखा जा रहा ध्यान

वीडियो की शुरुआत में होटल स्टाफ मास्क और शील्ड के साथ जिम को साफ करते नजर आ

रहे हैं। बोर्ड ने IPL में जो हुआ उसके बाद सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही नहीं बरत रहा है। वीडियो में इशांत, शमी और पंत के अलावा शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, आवेश खान, रहाणे, अभिमन्यू ईश्वरन, उमेश यादव, मयंक अग्रवाल और शार्दूल ठाकुर भी नजर आ रहे हैं। मुंबई में खिलाड़ियों को बाहर मैदान पर प्रैक्टिस की इजाजत नहीं दी गई है। वहीं, टीम 2 जून को इंग्लैंड रवाना होगी। वहां टीम को 10 दिन क्वारैंटाइन रहना होगा। 3 दिन के सख्त क्वारैंटाइन के बाद खिलाड़ियों को मैदान पर प्रैक्टिस की इजाजत होगी।

अमेरिका का फरमानः न जाएं जापान, टीके लगवा चुके लोगों को भी खतरा

टोक्यो। अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों और मंत्रालय ने अमेरिकावासियों की जापान की यात्रा न करने को कहा है कि क्योंकि वहां कोविड-19 की चौथी लहर चल रही है।

अमेरिकी नागरिकों को जापान की यात्रा करने से प्रतिबंधित नहीं किया गया है लेकिन इससे यात्रियों की बीमा दरों पर असर पड़ सकता है। इससे खिलाड़ी जुलाई में शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों में भाग लेने पर पुनर्विचार कर सकते हैं। अभी यह पता नहीं चला है कि इस चेतावनी का ओलंपिक के लिए जापान जाने वालों पर क्या असर पड़ेगा।

अटलांटा स्थित रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने सोमवार को कोविड-19 से संबंधित नए दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा, 'यात्रियों को जापान की यात्रा करने से बचना चाहिए। जापान की वर्तमान स्थिति को देखते हुए यहां तक कि सभी टीके लेने वाले यात्रियों को भी कोविड के अलग-अलग प्रकारों के संक्रमण का खतरा पैदा हो सकता है। इस बीच अमेरिका ओलंपिक और पैरालंपिक समिति ने कहा कि उसे विश्वास है कि अमेरिकी खिलाड़ी सुरक्षित तरीके से टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने में सफल रहेंगे।

उसने कहा कि अमेरिका की ओलंपिक समिति और टोक्यो की आयोजन समिति ने यात्रा से पहले और टोक्यो पहुंचने के बाद और

खेलों के दौरान टेस्ट के जो मानक अपनाने की बात कही है वो काफी सुरक्षित है। जापान में टीकाकरण ने भी रफ्तार पकड़ ली है। सेना के डॉक्टरों और नर्सों को इस काम में लगाया गया है।

जून के मध्य तक आपात स्थिति

ओलंपिक के मेजबान देश जापान के ज्यादातर शहरों में आपात स्थिति है और इसके अगले माह के मध्य तक रहने की संभावना है, चूंकि कोविड-19 संक्रमित केसों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इससे चिंता यह बढ़ रही है कि जापान उस स्थिति से कैसे

अटलांटा स्थित रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने सोमवार को कोविड-19 से संबंधित नए दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा, 'यात्रियों को जापान की यात्रा करने से बचना चाहिए। जापान की वर्तमान स्थिति को देखते हुए यहां तक कि सभी टीके लेने वाले यात्रियों को भी कोविड के लग- लग्रकारों के संक्रमण का खतरा पैदा हो सकता है।

निपटेगा जब दुनिया भर से दस हजार से ज्यादा लोग ओलंपिक के लिए एकत्रित होंगे और अस्पताल में पहले से मरीज भरे होंगे और बहुत कम लोगों को टीका लगा होगा।

ओलंपिक के आयोजन को खतरा नहीं

अमेरिका के अलर्ट के बाद जापान ने त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि इससे 23 जुलाई से होने वाले ओलंपिक खेलों को कोई खतरा नहीं है। जापान के चीफ कैबिनेट सचिव कातसुनोबयू ने कहा कि अमेरिका की चेतावनी का यह मतलब नहीं है कि उसने जापान की जरूरी यात्रा के लिए मना किया है या अमेरिका की टोक्यो ओलंपिक को समर्थन करने की नीति में कोई बदलाव आया है। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि वाशिंगटन ने टोक्यो को स्पष्ट किया है कि यात्रा अलर्ट को अमेरिकी दल के ओलंपिक भागीदारी से कोई लेना-देना नहीं है। ओलंपिक में विदेशी दर्शकों पर जरूर प्रतिबंध है लेकिन खिलाड़ी, उनके परिवार, खेल अधिकारी और अन्य हितधारक अंतरराष्ट्रीय यात्रियों में शामिल हैं।

ब्रिटेन ने कहा, ओलंपिक में भागीदारी जरूर करेंगे

अमेरिकी अलर्ट के बीच ब्रिटिश ओलंपिक संघ (बीओए) के प्रमुख ने टोक्यो में ओलंपिक का जोरदार समर्थन करते हुए कहा है कि संक्रमण मामलों के बढ़ने और अमेरिका के लेवल-4 के अलर्ट के बावजूद टीम ग्रेट ब्रिटेन खेलों के महाकुंभ में हिस्सा लेगी। बीओए के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी टीम ओलंपिक में भाग लेने को प्रतिबद्ध है। हमें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने आश्वस्त किया है कि ओलंपिक खेल नहीं टलेंगे। ब्रिटिश दल के चेफ डि मिशन मार्क इंग्लैंड कह चुके हैं कि आईओसी का फाइजर से करार हो चुका है कि वह खिलाड़ियों के लिए टीके का बंदोबस्त करेगी।